ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

बांग्लादेश में कट्टरपंथी इस्लामवादियों द्वारा हिंदुओं का उत्पीड़न चिंता का विषय... @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | रविवार, 23 मार्च, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-80

लोकसभा में विदेश राज्यमंत्री ने किया साफ
चीन का अवैध कब्जा किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)।

संसद के जारी बजट सत्र में भाजपा के नेतृत्व वाली जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार ने साफ कर दिया सीमा में चीन का अवैध कब्जा स्वीकार नहीं है। भारत ने सीमा क्षेत्र में दो नए काउंटी स्थापित करने की चीन की घोषणा पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। इस क्षेत्र का कुछ हिस्सा लद्दाख में आता है। सरकार ने शुक्रवार (21 मार्च) को संसद को बताया कि केंद्र ने राजनयिक चैनलों के माध्यम से विरोध दर्ज कराया है।

विदेश राज्यमंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा, भारत सरकार ने इस क्षेत्र में भारतीय क्षेत्र पर चीन के अवैध कब्जे को कभी स्वीकार नहीं किया है। नए काउंटी (कस्बे) के निर्माण से न तो इस क्षेत्र पर भारत की संप्रभुता के बारे में भारत की दीर्घकालिक स्थिति प्रभावित होगी और न ही चीन के अवैध

बॉर्डर पर हम कर रहे तेजी से विकास

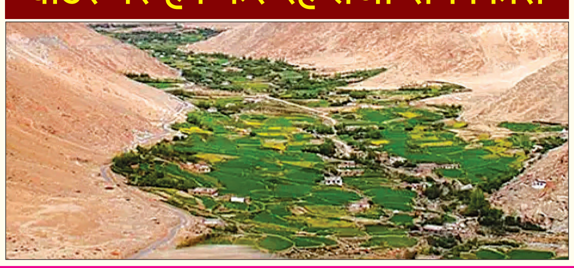

एवं जबरन कब्जे को वैधता मिलेगी।

सदन में विदेश मंत्रालय से पूछा गया कि क्या उसे इस बात की जानकारी है कि लद्दाख में भारतीय क्षेत्र को शामिल करते हुए चीन होतान प्रांत में दो नए काउंटी स्थापित कर रहा है। विदेश मंत्रालय से इस स्थिति से निपटने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए रणनीतिक और कूटनीतिक उपायों के बारे में भी पूछा गया। इसके साथ ही भारत द्वारा दर्ज कराए गए विरोध और चीन से मिली प्रतिक्रिया के बारे में भी पूछा गया।

इसका जवाब देते हुए कीर्ति वर्धन सिंह ने कहा, भारत सरकार चीन के होतान प्रान्त में तथाकथित दो नए काउंटी की स्थापना के बारे में चीनी द्वारा की गई घोषणा से अवगत है। इन तथाकथित काउंटियों के अधिकार क्षेत्र के कुछ हिस्से भारत के केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में आते हैं।

▶10 पर

परिसीमन पर विपक्षी दल हुए एकजुट, कहा
भेदभावपूर्ण परिसीमन स्वीकार नहीं

चेन्नई, 22 मार्च (एजेंसियां)।

संसदीय सीटों के प्रस्तावित परिसीमन को लेकर तमिलनाडु की सत्तारूढ़ पार्टी द्रमुक की ओर से यहां शनिवार को आयोजित राज्यों की संयुक्त कार्रवाई समिति की पहली बैठक में द्रमुक प्रमुख एवं मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने कहा कि किसी भी दशा में संसद में राज्यों की सीटों के वर्तमान अनुपात में कमी को स्वीकार नहीं किया जाएगा और इसके लिये कानूनी लड़ाई भी लड़ी जा सकती है।

बैठक में शामिल राज्यों ने परिसीमन के प्रस्ताव को भारतीय जनता पार्टी की राजनीतिक रणनीति का हिस्सा बताते हुये आशंका जतायी कि ऐसे राज्यों के संसदीय प्रतिनिधित्व में कमी आ सकती है, जो जनसंख्या नियंत्रण कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक संचालित किया है और राष्ट्रीय लक्ष्यों में योगदान किया है।

श्री स्टालिन ने बैठक को राज्यों के बीच एकता का अभूतपूर्व प्रदर्शन बताया और कहा कि इस बैठक में विभिन्न राज्यों के उप मुख्यमंत्री एवं पूरे देश से विभिन्न दलों के नेता शामिल हुये हैं। उन्होंने कहा, यह ऐतिहासिक बैठक भारतीय संघीय व्यवस्था को उसके सही भावना के साथ रक्षा करने के हमारे सामूहिक संकल्प का प्रतीक है और हम निष्पक्ष परिसीमन चाहते हैं।

बैठक में तीन राज्यों के तमिलनाडु, केरल और तेलंगाना के मुख्यमंत्री, कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री और करीब 20 राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि शामिल हुये।

श्री स्टालिन ने कहा कि यह आंदोलन परिसीमन के विरुद्ध नहीं है, बल्कि इसकी मांग है कि प्रक्रिया निष्पक्ष एवं न्यायपूर्ण हो। इसमें ऐसे राज्यों को दंड न मिले, जिन्होंने जनसंख्या नियंत्रण को कारगर तरीके से लागू कर राष्ट्र की प्रगति में योगदान किया है। उन्होंने कहा कि संसद में राज्य के प्रतिनिधित्व का अनुपात गिरने से राज्य की महिलाओं , युवाओं , जनजातीय लोगों के राजनीतिक ,सामाजिक तथा आर्थिक हित प्रभावित होंगे। इसका स्थानीय संस्कृति पर भी प्रभाव पड़ेगा। श्री स्टालिन ने कहा कि मौजूदा जनसंख्या के आधार पर प्रस्तावित परिसीमन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार की उसकी गुप्त मंशा को लागू करने की चाल है और इसे स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोगों में जागरुकता पैदा करने के लिए यह संयुक्त कार्रवाई बहुत जरूरी है। उन्होंने नेताओं से सुझाव मांगे कि इस आंदोलन को कानूनी तरीके से कैसे संचलित किया जाये।

श्री स्टालिन ने यह भी कहा कि उन्होंने राजनीतिक और कानूनी उपायों को परिभाषित करने के लिए विशेषज्ञों की समिति गठित करने का प्रस्ताव रखा है।

केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने बैठक में कहा कि केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने कहा कि लोकसभा सीटों का परिसीमन ङ्ग हमारे सिर पर तलवारफ की तरह लटक रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार इस प्रस्ताव को आगे बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि यह अचानक उठाया गया कदम संवैधानिक सिद्धांतों या लोकतांत्रिक अनिवार्यताओं से प्रेरित नहीं है, बल्कि संकीर्ण राजनीतिक हितों से प्रेरित है।

उन्होंने कहा कि यदि जनगणना के बाद परिसीमन किया जाता है, तो उत्तरी राज्यों के लिए सीटों में वृद्धि होगी, जबकि दक्षिणी राज्यों के लिए कमी होगी।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि संसदीय सीटों का परिसीमन न्यायपूर्ण तरीके से होना चाहिये और इसमें दक्षिण राज्यों को कोई नुकसान नहीं होना चाहिये। उन्होंने कहा, दक्षिण भारत हो या पंजाब हम किसी भी भेदभावपूर्ण परिसीमन के विरुद्ध हैं। ▶10 पर

केंद्र ने 357 अवैध ऑफशोर ऑनलाइन मनी गेमिंग प्लेटफॉर्म को किया ब्लॉक

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)।

केंद्र सरकार द्वारा शनिवार को दी गई जानकारी के अनुसार अब तक अवैध/गैर-अनुपालन वाली ऑफशोर ऑनलाइन मनी गेमिंग संस्थाओं की 357 वेबसाइट/यूआरएल को ब्लॉक किया गया है और ऐसी 700 संस्थाएं वर्तमान में जांच के दायरे में हैं।

जीएसटी खुफिया महानिदेशालय (डीजीजीआई) ने ऑफशोर ऑनलाइन गेमिंग संस्थाओं के खिलाफ अपनी प्रवर्तन कार्रवाई तेज कर दी है। ऑनलाइन मनी गेमिंग उद्योग में घरेलू और विदेशी दोनों ऑपरेटर शामिल हैं।

वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा, यह देखा गया है कि ये संस्थाएं रजिस्ट्रेशन करवाने में विफल रहने, कर योग्य भुगतान छिपाने और कर दायित्वों को दरकिनार कर जीएसटी की चोरी कर रही हैं। अब तक, डीजीजीआई ने आईटी अधिनियम, 2000 की धारा 69 के तहत इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) के समन्वय में अवैध/गैर-अनुपालन वाली ऑफशोर ऑनलाइन मनी गेमिंग संस्थाओं की 357 वेबसाइट/यूआरएल को ब्लॉक किया है।

ऑनलाइन मनी गेमिंग, सट्टेबाजी और जुए की सप्लाई में शामिल लगभग 700 ऑफशोर संस्थाएं डीजीजीआई की जांच के दायरे में हैं।

जीएसटी कानून के तहत, ऑनलाइन मनी गेमिंग, कार्रवाई योग्य दावा होने के कारण, ममालफ की आपूर्ति के रूप में वर्गीकृत है और इस पर 28 प्रतिशत कर लगता है। इस क्षेत्र में काम करने वाली संस्थाओं को जीएसटी के तहत रजिस्ट्रेशन करवाना आवश्यक है।

हाल ही में कुछ अवैध गेमिंग प्लेटफॉर्म के खिलाफ एक अभियान में डीजीजीआई ने आई4सी

700 पर चल रही जांच

और नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ़ इंडिया (एनपीसीआई) के साथ मिलकर प्रतिभागियों से पैसे इकट्ठा करने के लिए इस्तेमाल किए जा रहे बैंक खातों को टारगेट कर ब्लॉक किया। इस अभियान में लगभग 2,000 बैंक खाते और 4 करोड़ रुपये जब्त किए।मंत्रालय ने सूचित किया कि एक दूसरी कार्रवाई में इन ऑफशोर संस्थाओं में से कुछ की वेबसाइटों पर पाए गए यूपीआई आईडी से जुड़े 392 बैंक खातों को डेबिट फ्रीज कर दिया गया है और इन खातों में कुल 122.05 करोड़ रुपये की राशि अस्थायी रूप से जब्त की गई है।

डीजीजीआई ने कुछ भारतीय नागरिकों के खिलाफ एक और अभियान चलाया, जो भारत के बाहर से ऑनलाइन मनी गेमिंग प्लेटफॉर्म चला रहे थे।मंत्रालय ने बताया, डीजीजीआई ने अब तक इन प्लेटफॉर्म से जुड़े 166 म्यूल अकाउंट को ब्लॉक कर दिया है। अब तक तीन ऐसे लोगों को गिरफ्तार किया गया है और ऐसे और लोगों के खिलाफ जांच जारी है।मंत्रालय ने सलाह दी, कई बॉलीवुड हस्तियां और क्रिकेटर, यूट्यूब, वॉट्सऐप और इंस्टाग्राम के इंफ्लूएंसर्स के साथ इन प्लेटफॉर्म को सपोर्ट करते हैं। ▶10 पर

चंद्रयान-3 की बड़ी सफलता
चांद पर पानी और बर्फ को लेकर की बड़ी खोज
सच होगा मानव बस्ती का सपना!

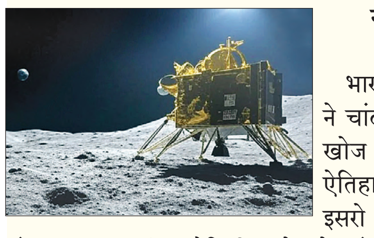

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)।

भारत के चंद्रयान-3 मिशन ने चांद पर पानी और बर्फ की खोज की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। इसरो के विक्रम लैंडर पर लगे चंद्रमा सतह तापीय भौतिकी प्रयोग ने चांद के दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र में असाधारण तापमान माप के जरिए पानी और बर्फ की संभावना को उजागर किया है। यह खोज न केवल चांद के तापीय वातावरण को समझने में मदद कर रही है, बल्कि भविष्य में वहां मानव जीवन की संभावना को भी बल दे रही है। इसरो के भौतिक अनुसंधान प्रयो-गशाला के वैज्ञानिक के दुर्गा प्रसाद ने इसे चंद्र अन्वेषण में क्रांतिकारी कदम करार दिया है। भौतिकी प्रयोग ने चांद की मिट्टी (रेगोलिथ) में गहराई तक तापमान मापकर वैज्ञानिकों को चौंका दिया। चंद्रयान-3 के विक्रम लैंडर ने दक्षिणी ध्रुव पर 355के तक तापमान रिकॉर्ड किया, जो अपेक्षित 330के से 25के अधिक था। ▶10 पर

नागपुर हिंसा में घायल एक शख्स की मौत, फडणवीस बोले
नुकसान की भरपाई दंगाइयों से होगी, जरूरत पड़ी तो बुलडोजर भी चलाएंगे

मुंबई, 22 मार्च (एजेंसियां)।

औरंगजेब की कब्र हटाने को लेकर विश्व हिंदू परिषद के प्रदर्शन के बाद 17 मार्च को नागपुर में हिंसा हुई थी। घटना के पांचवें दिन शनिवार को उच् देवेंद्र फडणवीस ने नागपुर में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा-हिंसा में हुए नुकसान की भरपाई दंगाइयों की संपत्ति बेचकर वसूली जाएगी। जरूरत पड़ी तो बुलडोजर भी चलाया जाएगा।

उन्होंने कहा- पीड़ितों को जल्द ही नुकसान की भरपाई की जाएगी। जिन्होंने पुलिस पर हमला किया, उनके खिलाफ कठोर से कठोर धाराएं लगाई जाएंगी। उन्होंने विपक्ष के आरोप पर कहा कि हिंसा इंटेलिजेंस फेल्योर या राजनीतिक साजिश नहीं थी। लेडी कॉन्स्टेबल के साथ छेड़छाड़ की खबर सच नहीं है। उन पर पत्थर जरूर फेंके गए थे। फडणवीस ने बताया कि यह कहना

जल्दबाजी होगी कि हिंसा में कोई विदेशी या बांग्लादेशी एंगल था। हालांकि इसकी जांच की जा रही है। कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल नागपुर दौरे पर आया था, उसमें एक सदस्य अकोला हिंसा में आरोपी है। उन्होंने बताया कि हिंसा के कारण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नागपुर दौरा प्रभावित नहीं होगा। हिंसा के पांचवें दिन एक शख्स की मौत नागपुर हिंसा में घायल 40 साल के इरफान अंसारी की शनिवार दोपहर 1:20 बजे इलाज के दौरान मौत हो गई। वह 17 मार्च से इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज में भर्ती था। ▶10 पर

अजित पवार बोले-मुस्लिमों को आंख दिखाने वाले को बख्शेंगे नहीं

नागपुर में 17 मार्च को हुई हिंसा के बाद महाराष्ट्र के डिप्टी मुख्यमंत्री अजित पवार ने कहा- जो भी मुस्लिम भाइयों को आंख दिखाएगा, दो समूहों के बीच संघर्ष भड़काकर कानून व्यवस्था को बाधित करेगा और कानून को अपने हाथ में लेने की कोशिश करेगा। वह चाहे कोई भी हो, उसे किसी भी हालत में बख्शा या माफ नहीं किया जाएगा। पवार ने ये बयान पार्टी की ओर से मुंबई के इस्लाम जिमखाना में शुक्रवार को दी गई इफ्तार पार्टी के दौरान दिया। पवार ने ये भी कहा- रमजान हमें एकता और भाईचारे का संदेश देता है। छत्रपति शिवाजी महाराज, बाबा साहब अंबेडकर, महात्मा ज्योतिबा फुले ▶10 पर

यूएनएचआरसी में गूंजा पाकिस्तान में हिंदुओं और ईसाइयों पर अत्याचार का मुद्दा
वैश्विक समुदाय की इस ओर चुप्पी चिंताजनक

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)।

पाकिस्तान में गिनती के बचे हिन्दू समुदाय पर मजहबी कट्टरपंथियों ने अत्याचारों की हदें पार की हुई हैं। अनेक बार प्रमाण सहित हिन्दू और अन्य अल्पसंख्यकों पर वहां के शासन और कट्टरपंथियों के दमन का विषय अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने रखा जा चुका है। लेकिन पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। अब भारत ने एक बार फिर संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान में रह रहे हिंदुओं और ईसाइयों के उत्पीड़न का मुद्दा उठाया है। भारतीय कूटनीति का यह एक महत्वपूर्ण कदम है, जो मानवाधिकारों के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के 58वें सत्र के दौरान इस विषय को रखते हुए भारत के प्रतिनिधि जावेद बेग ने पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों की स्थिति को ङ्गभयावहफ की संज्ञा दी। पाकिस्तान में हिंदू और ईसाई समुदायों को देश की कुल आबादी का केवल 3 फीसदी बताया जाता है। इन समुदायों को जबरन कन्वर्जन, अपहरण, हिंसा और यहां तक कि हत्याओं का सामना करना पड़ता है। ▶10 पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 90,430/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 99,820/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 34°

न्यूनतम : 26°

आ. भा. प्रतिनिधि सभा का प्रस्ताव
बांग्लादेश के हिंदू समाज के साथ एकजुटता से खड़े रहने का आह्वान

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा, बांग्लादेश में हिंदू और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों पर इस्लामी कट्टरपंथी तत्वों द्वारा लगातार हो रही सुनियोजित हिंसा, अन्याय और उत्पीड़न पर गहरी चिंता व्यक्त करती है। यह स्पष्ट रूप से मानवाधिकार हनन का गम्भीर विषय है।

बांग्लादेश में वर्तमान सत्ता पलट के समय मठ-मंदिरों, दुर्गा पूजा पंडालों और शिक्षण संस्थानों पर आक्रमण, मूर्तियों का अनादर, नृशंस हत्याएँ , संपत्ति की लूट, महिलाओं के

अपहरण और अत्याचार, बलात् मतांतरण जैसी अनेक घटनाएँ लगातार सामने आ रही हैं। इन घटनाओं को केवल राजनीतिक बताकर इनके मजहबी पक्ष को नकारना सत्य से मुंह मोड़ने जैसा होगा, क्योंकि अधिकतर पीड़ित, हिंदू और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों से ही हैं।

बांग्लादेश में हिंदू समाज, विशेष रूप से अनुसूचित जाति तथा जनजाति समाज का इस्लामी कट्टरपंथी तत्वों द्वारा उत्पीड़न कोई नई बात नहीं है। बांग्लादेश में हिन्दुओं की निरंतर घटती जनसंख्या (1951 में 22 प्रतिशत से वर्तमान में 7.95 प्रतिशत) दर्शाती है कि उनके सामने अस्तित्व का संकट है। विशेषकर, पिछले वर्ष की हिंसा और घृणा को जिस तरह सरकारी और संस्थागत समर्थन मिला, वह गंभीर चिंता का विषय है। साथ ही, बांग्लादेश से लगातार हो रहे भारत-विरोधी वक्तव्य दोनों देशों के सम्बन्धों को गहरी हानि पहुँचा सकते हैं । कुछ अंतरराष्ट्रीय शक्तियाँ जानबूझकर भारत के पड़ोसी क्षेत्रों में अविश्वास और टकराव का वातावरण बनाते हुए एक देश को दूसरे के विरुद्ध खड़ा कर अस्थिरता फैलाने का प्रयास कर रही हैं।

▶10 पर

दावा- बांग्लादेशी सेना में तख्तापलट की साजिश!
कट्टरपंथी अफसर कर रहे भारत समर्थक आर्मी चीफ को हटाने का प्लान, इसमें पाकिस्तान भी शामिल

ढाका, 22 मार्च (एजेंसियां)।

बांग्लादेश में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के बाद अब वर्तमान सेना प्रमुख जनरल वकार-उज-जमान के तख्तापलट की भी साजिश रची जा रही है। इकोनॉमिक टाइम्स के मुताबिक बांग्लादेशी सेना के लेफ्टिनेंट जनरल मोहम्मद फैजुर रहमान सेना की बागडोर संभालने की तैयारियों में जुटे हैं। इस साजिश में कई कट्टरपंथी अफसर भी शामिल हैं। फैजुर रहमान ने पिछले हफ्ते ढाका में पाकिस्तान की सीक्रेट एजेंसी आईएसआई के प्रमुख और उसके प्रतिनिधिमंडल से बातचीत की थी। इसके साथ ही वो बांग्लादेश की खुफिया एजेंसी डीजीएफआई से समर्थन जुटाने की कोशिश कर सकते हैं। वकार-उज-जमान को पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना और भारत का समर्थक माना जाता है। उन्होंने 5 अगस्त को तख्तापलट के बाद ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

जेबीएन-वी कनेक्ट महिला व्यवसाय समूह का कार्यालय दर्शन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जेबीएन वी कनेक्ट महिला व्यवसाय समूह ने अपने तीसरे कार्यकाल में दूसरा ऑफिस दर्शन शुक्रवार को दीपिका जैन के निवास स्थान पर आयोजित किया।

इस आयोजन में जेएलडब्ल्यू अध्यक्ष लक्ष्मी बाफना, महामंत्री रक्षा छाजेड़, कोषाध्यक्ष एवं जेबीएन कन्वीनर तनुजा मेहता और सहमंत्री मीना बडेरा, जेएलडब्ल्यू समिति सदस्य नंदा बाफना, संगीता नागोरी, सारिका जैन एवं अन्य कई सदस्य उपस्थित रहे। बैठक का संचालन रेफरल हेड सीमा शाह, रेफरल लीड मीना जैन और रेफरल सचिव लीला पितलिया के मार्गदर्शन में हुआ। इस अवसर पर दीपिका जैन ने अर्हम पुरुषाकार विषय पर गहन जानकारी प्रदान की। उन्होंने नवकार मंत्र की प्रत्येक पंक्ति और उसके पाँच तत्वों से संबंध पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि अर्हम पुरुषाकार ज्ञान प्राप्ति, भावनात्मक संतुलन, स्थिरता, मजबूत संबंध और बेहतर योजना बनाने में सहायता करता है। उन्होंने इसे आत्म-प्रेम पर आधारित एक प्रभावी ध्यान विधि बताया, जो न केवल जैन समुदाय बल्कि संपूर्ण मानवता के लिए उपयोगी है। इस ध्यान से व्यक्ति के भीतर स्वाभाविक रूप से समाधान और परिवर्तन संभव हो जाता है। इस ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक आयोजन में अतिथियों सहित कुल 35 सदस्यों ने भाग लिया। सभी प्रतिभागियों ने इस सुंदर अनुभव के लिए दीपिका जैन का हृदय से आभार व्यक्त किया।

विश्व जल दिवस के उपलक्ष्य में पौधारोपण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भारतीय जैन संगठन वी.वी.पुरम चैप्टर ने अपने पहले कार्यक्रम अंजुली - विश्व जल दिवस का आयोजन निर्मला विहार धाम में किया, जहां विश्व जल दिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न प्रकार के पौधे लगाए गए। इस अवसर पर सभी सदस्यों ने मिलकर लगभग 50 पौधे लगाए। इस कार्यक्रम में बेंगलूरु रीजन के अध्यक्ष सुरेश कानूंगा, मेट्रिमोनियल स्टेट हेड पुष्पा लुंकड़, वैय्यावच्च स्टेट हेड मधु टाटेड़, वी.वी. पुरम चैप्टर की अध्यक्ष सारीका लुंकड़, सचिव रेशमा बडोला, परियोजना संयोजक पुष्पा सोनिगरा, सह-संयोजक मीना सोनिगरा, उपाध्यक्ष मोनिका पालरेचा, संयुक्त सचिव स्नेहा संचेति, कोषाध्यक्ष वंदना कोचर, संयुक्त कोषाध्यक्ष इशा वोरा, रिचा बम्बोली, रचना बेद मुथा, नीतू कटारिया संघवी, सविता फोलामुथा, कंचन आर. जैन, सविता फोलामुथा उपस्थित रहे। इस आयोजन के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण और जल संवर्धन का संदेश दिया गया।

अभ्युदय अंतराष्ट्रीय संस्था की राजस्थान शाखा का होली आई रे कार्यक्रम आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अभ्युदय अंतराष्ट्रीय संस्था की राजस्थान शाखा का होली आई रे विषय से होली मिलन का रंगारंग कार्यक्रम जूम से फेसबुक लाइव का आयोजन शुक्रवार दोपहर 4 बजे से किया गया। राजस्थान शाखा के सदस्यों ने अपनी शानदार प्रस्तुति से इसे यादगार बना दिया। सभी उपस्थित प्रतिभागियों ने इस कार्यक्रम का आनंद लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. इंदु झुनझुनवाला के दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। तत्पश्चात नलिनी पुरोहित ने भावपूर्ण सरस्वती वंदना की प्रस्तुति दी। अभ्युदय राजस्थान शाखा की अध्यक्ष डॉ.उषा श्रीवास्तव ने सभी को राजस्थान में होली के रंग एवं मस्ती की चर्चा करते हुए स्वागत किया। राजस्थान शाखा के सचिव छत्रमल छाजेड ने कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मनमोहन मधुकर, जो उदयपुर से जुड़े थे का परिचय देते हुए स्वागत किया। कार्यक्रम का सुंदर संचालन नलिनी पुरोहित एवं ज्योतिराज पुरोहित ने किया। कार्यक्रम में प्रतिभागिता करने वाले सदस्यों ने देश के विभिन्न प्रदेशों से जुड़कर इसे यादगार बना दिया। सपना व्यास- उदयपुर, अरुणा पालीवाल-उदयपुर, कमलेश मधुकर-उदयपुर, मंजू मेहता-उदयपुर, नलिनी दवे-इंदौर, पुष्पा पालीवाल इंदौर, डॉ. उषा श्रीवास्तव बेंगलूरु, सपना धाकड़ कोटा, नलिनी पुरोहित जोधपुर, ज्योति राजपुरोहित-अहमदाबाद, छत्र छाजेड दिल्ली ने होली, गणगोर, शीतला माता आदि पर गीत, घनाक्षरी, भजन, हास्य व्यंग्य की विविध प्रस्तुतियों से कार्यक्रम में चार चाँद लगा दिए। डॉ. इंदु झुनझुनवाला ने होली पर स्वरचित रचना एवं गणगोर गीत की सुंदर प्रस्तुति देकर सबकी वाह-वाही लूटी। मुख्य अतिथि मनमोहन मधुकर ने कार्यक्रम की भूरी-भूरी प्रसंशा की एवं होली पर अपनी रचनाएं सुनाकर भाव-विभोर कर दिया।

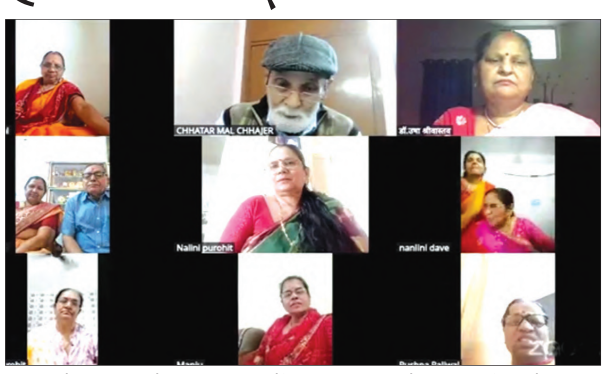

राज्यव्यापी बंद रहा सफल: वटाल नागराज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पूर्व विधायक और कन्नड़ समर्थक कार्यकर्ता वटल नागराज ने कहा कि पूरे राज्य में बंद सफल रहा है। मैं उन संगठनों को बधाई देता हूं जिन्होंने इसके लिए संघर्ष किया। कर्नाटक बंद के बारे में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि बंद सभी जिलों में एक ही रूप में हुआ। कुछ स्थानों पर बसें चल रही हैं, लेकिन लोग नहीं थे। बस स्टॉप पर कोई लोग नहीं थे। इस प्रकार कन्नड़ लोगों द्वारा आहूत बंद सफल रहा है। उन्होंने कहा कि हमने बंद की सभी मांगें जनता और सरकार के समक्ष रख दी हैं। उन्होंने हमें टाउन हॉल के पास से गिरफ्तार कर लिया। बेंगलूरु पुलिस कमिश्नर ने कन्नड़ संगठनों को रोकने के लिए कदम उठाए हैं। उन्होंने मुझे भी नोटिस दिया है। उन्होंने कहा कि केवल फ्रीडम पार्क में ही लड़ाई लड़ें। टाउन हॉल में कोई अनुमति नहीं थी। उनका कहना था कि बंद का कोई असर नहीं होना चाहिए। अगर ऐसा करते तो हमने जो लड़ाई लड़ी, उसमें हमें पानी की एक बूंद भी नहीं मिलती। हालांकि, उन्होंने कहा कि उन्हें सफलता मिल गई है और उनका संघर्ष जारी रहेगा तथा यहीं नहीं रुकेगा। कई लोगों ने षड्यंत्र रचा। अब नैतिक समर्थन पैदा हो गया है। हमें इस समर्थन की आवश्यकता नहीं है। सब कुछ पुलिस के हाथ में है। इसे इतना अधिक भारी नहीं होना चाहिए था। हालांकि बंद सफल रहा।

मुस्लिम तुष्टीकरण और हिंदुओं के अपमान के खिलाफ राज्यव्यापी जनजागरण अभियान: विजयेंद्र

अध्यक्ष राज्य सरकार के इशारे पर नाच रहे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेन्द्र ने शनिवार को कहा कि स्पीकर ने हमारे विधायकों को निलंबित कर दिया है और राज्य सरकार के इशारे पर नाच रहे हैं। यह निंदनीय है। उन्होंने अध्यक्ष से 18 विधायकों को निलंबित करने के आदेश को वापस लेने की अपील की।

मल्लेश्वरम स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में मीडिया कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए उन्होंने आपत्ति जताई कि 18 भाजपा विधायकों को 6 महीने के लिए निलंबित करने का निर्णय पूरी तरह से अवैध, असंवैधानिक, एकतरफा और मनमाना है। अध्यक्ष ने न केवल विधायकों बल्कि निर्वाचन क्षेत्र के लोगों के अपमान की भी निंदा की। उन्होंने घोषणा की कि भाजपा अल्पसंख्यकों को खुश करने के लिए आरक्षण देने के सरकार के फैसले का विरोध करेगी। उन्होंने घोषणा की कि वे सदन के अंदर और बाहर इसके खिलाफ लड़ेंगे तथा इसे तार्किक निष्कर्ष तक ले जाएंगे।

हमारा संविधान धर्म आधारित आरक्षण की अनुमति नहीं देता है। विजयेंद्र ने सवाल उठाया कि क्या यह घोषणा करना सही है कि शिक्षा के लिए विदेश जाने वाले मुस्लिम छात्रों को 20 लाख रुपये के बजाय 30 लाख रुपये दिए जाएंगे और बजट में मुस्लिम लड़कियों के लिए आत्मरक्षा प्रशिक्षण के लिए धन आवंटित किया जाएगा।

उन्होंने पूछा कि क्या हिंदुओं में गरीब लोग नहीं हैं? क्या उनका सपना उच्च शिक्षा के लिए विदेश जाने का नहीं है? देश व प्रदेश में हिंदू लड़कियां लव जिहाद का शिकार हो रही हैं। उन्होंने निर्माण क्षेत्र में मुस्लिम आरक्षण को असंवैधानिक बताया। संविधान में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं दिया जा सकता।

उन्होंने स्पष्ट किया कि हम इसका विरोध कर रहे हैं। उन्होंने इस संबंध में सर्वोच्च न्यायालय सहित विभिन्न अदालतों के निर्णयों का भी हवाला दिया। हमारे अनुभवी मुख्यमंत्री को इन फैसलों की जानकारी है। उन्होंने कहा कि भले ही वे जानते हैं कि यह संविधान के विरुद्ध है, लेकिन देश के हिंदुओं के खिलाफ अत्याचार और अपमान का निर्णय निश्चित रूप से अक्षम्य अपराध है। हमने पार्टी नेताओं के साथ संघर्ष पर चर्चा की है। हम बहुत जल्द संघर्ष की रूपरेखा की घोषणा करेंगे। सदन में दिन-रात के धरने को लेकर चर्चा हुई। सोमवार से जिलों में संघर्ष शुरू हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि राज्य में जन जागरूकता बढ़ाने के लिए अभियान चलाया जाएगा। किस कारण से स्पीकर ने हमारे 18 विधायकों को निलंबित करने का फैसला सुनाया है? उन्होंने कहा कि वित्त मंत्री, मुख्यमंत्री और कांग्रेस सरकार ने इस राज्य में मुसलमानों को सरकारी नौकरियों में 4 प्रतिशत आरक्षण देने का निर्णय लिया है। यहां तक कि बजट में भी उन्होंने अल्पसंख्यकों की चापलूसी और हिंदुओं का अपमान करने वाली कई घोषणाएं की हैं। सिद्धरामैया हिंदू विरोधी नीतियां अपना रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा और जेडीएस पार्टियां लगातार इसके खिलाफ मिलकर लड़ रही हैं। अध्यक्ष को हमारी सहायता के लिए आगे आना चाहिए था। स्पीकर द्वारा 18 प्रतिनिधियों को 6 महीने के लिए निलंबित करने का कदम सही नहीं है। उन्होंने कहा कि निलंबित किए गए लोग विधानसभा लॉबी या हॉल में प्रवेश नहीं कर सकते। विजयेंद्र ने पूछा यदि ऐसा है तो क्या वे आतंकवादी या नक्सलवादी हैं? उन्होंने कहा कि वह स्थायी समिति की बैठक में भाग नहीं ले सकेंगे। उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि यह विधायकों के अधिकारों को कम करने और छीनने का कार्य है।

निर्णय हिंदुओं का अपमान

सरकार क्षेत्र के विकास के लिए एक पैसा भी जारी करने की हकदार नहीं है। हमारे विधायकों को अचानक निलंबित कर दिया गया, जबकि वे सदन में बहस कर रहे थे। इस बात की आलोचना की गई कि यह पूरी तरह से अवैध है। डॉ. अंबेडकर के नाम का दुरुपयोग करने वाले मुख्यमंत्रियों और कांग्रेस नेताओं द्वारा बजट में लिए गए फैसले सिर्फ अल्पसंख्यकों को खुश करने के लिए नहीं हैं, बल्कि निर्णय हिंदुओं का अपमान है। विपक्ष के नेता आर. अशोक ने कहा कि हमने मुसलमानों के लिए आरक्षण के मुद्दे के खिलाफ लड़ाई लड़ी है क्योंकि यह असंवैधानिक है। अध्यक्ष का व्यवहार तुगलक दरबार जैसा है। उन्होंने आलोचना की कि हम हिटलर की संस्कृति देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने सिद्धरामैया को जूते से दरवाजा तोड़ते हुए तथा जमीर अहमद को सदन में अध्यक्ष पर हमला करने का प्रयास करते हुए देखा है। विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी ने विधान परिषद में पार्टियों की संख्या और उच्च सदन में संघर्ष के बारे में जानकारी दी।

सड़क किनारे छोड़े गए चार महीने के बच्चे को बचाया

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। एक दिल दहला देने वाली घटना में, बेलालू गांव में कोडोलुकेरे-मुंद्रोट्टू रोड के पास सड़क किनारे एक चार महीने की बच्ची को लावारिस हालत में पाया गया।

शनिवार सुबह स्थानीय लोगों ने बच्ची को देखा। तत्परता से कार्रवाई करते हुए, उन्होंने बच्ची को बचाया और उसकी देखभाल की और फिर उसे धर्मस्थल पुलिस और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को सौंप दिया। अधिकारियों ने बच्ची को अपने कब्जे में ले लिया है और उसे लावारिस हालत में छोड़ने के लिए जिम्मेदार लोगों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है।

कर्नाटक सुनिश्चित करेगा कि परिसीमन विवाद में उसकी सीटें कम न हों: उपमुख्यमंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने शनिवार को कहा कि केंद्र सरकार के परिसीमन प्रस्ताव का विरोध करने वाले सभी राज्य यह सुनिश्चित करने के लिए एकजुट होंगे कि कोई भी राज्य अपनी संसदीय सीटें न खो दे। चेन्नई में मीडिया को संबोधित करते हुए शिवकुमार ने अपना दृढ़ रुख व्यक्त करते हुए कहा हम एकजुट होकर लड़ेंगे। हम सुनिश्चित करेंगे कि हमारी कोई भी सीट कम न हो। आइए हम सब एक साथ आएं। मुझे उम्मीद है कि मीडिया हमारी चिंताओं को समझेगा। हम किसी व्यक्तिगत कारण से नहीं बल्कि इस देश के बड़े उद्देश्य के लिए लड़ रहे हैं। हम सबसे साक्षर राज्यों में से हैं और आर्थिक रूप से हम देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। हम कमा रहे हैं और राष्ट्रीय पूल में योगदान दे रहे हैं। उपमुख्यमंत्री ने भारत के संघीय ढांचे को बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया। शिवकुमार ने कहा मुझे बहुत गर्व है कि हम संघीय ढांचे को बनाए रख रहे हैं। मैं हमेशा कहता हूं कि एक साथ आना शुरुआत है, मुद्दों पर चर्चा करना प्रगति है और एक साथ काम करना सफलता है। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा 2002 में पेश किए गए 84वें संविधान संशोधन का भी उल्लेख किया, जिसके तहत लोकसभा में सीटों की संख्या तय की गई थी। शिवकुमार ने जोर देकर कहा किसी भी कीमत पर हम अपने देश या अपनी सीटों को निराश नहीं कर सकते। 2002 में दिवंगत वाजपेयी द्वारा पेश किए गए 84वें संविधान संशोधन को बदला नहीं जा सकता। उपमुख्यमंत्री ने इसके बाद दक्षिणी राज्यों के योगदान पर प्रकाश डाला, खासकर परिवार नियोजन, आर्थिक विकास और साक्षरता के क्षेत्र में। हमने दक्षिण भारत में हमेशा परिवार नियोजन को प्रभावी ढंग से लागू करके राष्ट्रीय हितों की रक्षा की है। हमारा क्षेत्र बहुत प्रगतिशील है।

हुब्बल्ली और होसपेट सेक्शन के बीच व्यापक विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। दक्षिण पश्चिम रेलवे (एसडब्ल्यूआर) के महाप्रबंधक मुकुल सरन माथुर ने शनिवार को हुब्बल्ली और होसपेट सेक्शन के बीच व्यापक विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया, जिसमें सुचारू और कुशल ट्रेन संचालन सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न परिचालन और सुरक्षा मापदंडों की समीक्षा की गई। होसपेट रेलवे स्टेशन पर पहुंचने पर मुकुल सरन माथुर ने चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण किया और उन्नत यात्री सुख-सुविधाओं की जांच की। उन्होंने यात्री सुविधा और आराम को बढ़ाने के लिए स्टेशन विकास परियोजनाओं के समय पर निष्पादन के महत्व पर जोर दिया। महाप्रबंधक ने होसपेट स्टेशन यार्ड का विस्तृत निरीक्षण भी किया, जहां उन्होंने कर्मचारियों द्वारा अपनाई जा रही सुरक्षा प्रक्रियाओं का आकलन किया। उन्होंने सुरक्षित रेलवे संचालन सुनिश्चित करने के लिए सभी सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करने के लिए रेलवे कर्मियों को आवश्यक मार्गदर्शन और परामर्श दिया। इसके अलावा मुकुल सरन माथुर ने होसपेट में कैरिज एंड वैगन इकाई का दौरा किया और कर्मचारियों के साथ बातचीत की, रखरखाव और परिचालन मानकों की समीक्षा की। उन्होंने होसपेट रेलवे स्टेशन पर क्रू लॉबी और रनिंग रूम का भी निरीक्षण किया, जहाँ उन्होंने सफाई और स्वच्छता मानकों का आकलन किया। उन्होंने कर्मचारियों को उच्च स्तर की सफाई बनाए रखने और बेहतर कार्य वातावरण के लिए स्वच्छता को प्राथमिकता देने के लिए प्रोत्साहित किया। निरीक्षण में हुब्बल्ली की मंडल रेल प्रबंधक बेला मीना के साथ दक्षिण पश्चिम रेलवे के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

बांग्लादेश में कट्टरपंथी इस्लामवादियों द्वारा हिंदुओं का उत्पीड़न चिंता का विषय: आरएसएस

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। आरएसएस ने शनिवार को बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के बाद कट्टरपंथी इस्लामी तत्वों के हाथों हिंदू और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों द्वारा कथित रूप से नियोजित हिंसा, अन्याय और उत्पीड़न का सामना करने पर गंभीर चिंता व्यक्त की। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा (एबीपीएस) की बैठक के दूसरे दिन बांग्लादेश पर एक प्रस्ताव पारित किया गया। आरएसएस ने कहा कि हिंदुओं का उत्पीड़न मानवाधिकारों के उल्लंघन का एक गंभीर मामला है। प्रस्ताव में कहा गया है अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा बांग्लादेश में कट्टरपंथी इस्लामी तत्वों के हाथों हिंदू और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों द्वारा लगातार और योजनाबद्ध तरीके से सामना की जा रही हिंसा, अन्याय और उत्पीड़न पर अपनी गंभीर चिंता व्यक्त करती है। इसमें कहा गया है कि बांग्लादेश में हाल ही में हुए सत्ता परिवर्तन के दौरान मठों, मंदिरों, दुर्गापूजा पंडालों और शैक्षणिक संस्थानों पर हमले, देवताओं का अपमान, बर्बर हत्याएं, संपत्तियों की लूट, महिलाओं का अपहरण और छेड़छाड़ और जबरन धर्मांतरण की कई घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। एबीपीएस ने कहा इन घटनाओं को केवल राजनीतिक बताकर इनके धार्मिक पहलू को नकारना सत्य को नकारना है, क्योंकि ऐसी घटनाओं के शिकार बहुत से लोग हिंदू और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों से हैं। प्रस्ताव में कहा गया है कि बांग्लादेश में कट्टरपंथी इस्लामी तत्वों के हाथों हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों, खासकर अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों का उत्पीड़न कोई नई बात नहीं है। एबीपीएस ने कहा बांग्लादेश में हिंदुओं की आबादी में लगातार गिरावट (1951 में 22 प्रतिशत से आज 7.95 प्रतिशत तक) उनके लिए अस्तित्व के संकट को दर्शाती है। इसने कहा कि पिछले साल हुई हिंसा और नफरत को सरकारी और संस्थागत समर्थन गंभीर चिंता का विषय है। एबीपीएस ने बांग्लादेश को आगाह किया कि लगातार भारत विरोधी बयानबाजी दोनों देशों के बीच संबंधों को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचा सकती है।

आरएसएस ने कहा कुछ अंतरराष्ट्रीय ताकतें एक देश को दूसरे देश के खिलाफ खड़ा करके अविश्वास और टकराव का माहौल बनाकर भारत के आसपास के पूरे क्षेत्र में अस्थिरता पैदा करने का एक ठोस प्रयास कर रही हैं। अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा ने अंतरराष्ट्रीय संबंधों के विचारकों और विद्वानों से ऐसे भारत विरोधी माहौल, पाकिस्तान और डीप स्टेट की गतिविधियों पर नजर रखने और उन्हें बेनकाब करने का आह्वान किया। अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा इस तथ्य को रेखांकित करना चाहती है कि पूरे क्षेत्र की एक साझा संस्कृति, इतिहास और सामाजिक बंधन है, जिसके कारण किसी एक स्थान पर कोई भी उथल-पुथल पूरे क्षेत्र में चिंता का विषय बन जाती है। अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा का मानना है कि सभी जागरूक लोगों को भारत और पड़ोसी देशों की इस साझा विरासत को मजबूत करने की दिशा में प्रयास करना चाहिए। अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा ने कहा कि इस अवधि के दौरान एक उल्लेखनीय तथ्य यह है कि बांग्लादेश में हिंदू समाज ने शांतिपूर्ण, सामूहिक और लोकतांत्रिक तरीके से इन अत्याचारों का साहसपूर्वक विरोध किया है। यह सराहनीय है कि इस संकल्प को भारत में हिंदू समाज से नैतिक और मनोवैज्ञानिक समर्थन मिला। अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा ने कहा कि भारत और विभिन्न देशों के विभिन्न हिंदू संगठनों ने इस हिंसा के खिलाफ अपनी चिंता व्यक्त की है और प्रदर्शनों तथा याचिकाओं के माध्यम से बांग्लादेश के हिंदुओं की सुरक्षा और सम्मान की मांग की है।

इसमें कहा गया है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय के कई नेताओं ने भी अपने स्तर पर इस मुद्दे को उठाया है। आरएसएस ने कहा कि भारत सरकार ने बांग्लादेश के हिंदू और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों के साथ खड़े होने और उनकी सुरक्षा की आवश्यकता पर अपना संकल्प व्यक्त किया है। भारत सरकार ने इस मुद्दे को बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के साथ-साथ कई वैश्विक मंचों पर भी उठाया है।

अमानवीय व्यवहार को गंभीरता से लें

प्रस्ताव में कहा गया है अभास प्रतिनिधि सभा भारत सरकार से आग्रह करती है कि वह बांग्लादेश में हिंदू समुदाय की सुरक्षा, सम्मान और भलाई सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करे और बांग्लादेश सरकार के साथ निरंतर और सार्थक बातचीत करे। अभास प्रतिनिधि सभा ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र संगठन (यूएनओ) जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठनों और वैश्विक समुदाय का यह दायित्व है कि वे बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों के साथ किए जा रहे अमानवीय व्यवहार को गंभीरता से लें और बांग्लादेश सरकार पर इन हिंसक गतिविधियों को रोकने के लिए दबाव डालें। एबीपीएस हिंदू समुदाय और विभिन्न देशों तथा अंतरराष्ट्रीय संगठनों के नेताओं से भी अपील करता है कि वे बांग्लादेश के हिंदू और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों के साथ एकजुटता में अपनी आवाज उठाएं।

उपमुख्यमंत्री शिवकुमार हैं हनी ट्रैप के संचालक: देवराज गौड़ा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा नेता देवराज गौड़ा ने आरोप लगाया कि उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने खुद हनी ट्रैप बिछाया है। वे इसके संचालक हैं।

उन्होंने सत्ता की चाहत में और अपने खिलाफ आवाज उठाने वालों को चुप कराने के लिए ऐसा किया है। शुक्रवार शाम को शहर में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा शिवकुमार के पास हनी ट्रैप बनाने वाली टीम है। हनी ट्रैप बनाकर गुप्त स्थान पर रखे जाते हैं। इनकी जांच करने वाले भी लोग होते हैं। उन्होंने मांग की कि 'हमारे पास हनी ट्रैप से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेज हैं।

जिन्हें इनकी जरूरत है, उन्हें इन्हें पहुंचा दिया गया है। शिवकुमार को तुरंत मंत्रिमंडल से बर्खास्त किया जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि 'मैंने एक साल पहले भी यही कहा था। डी.के. शिवकुमार हनीट्रैप गिरोह के सरगना हैं। अब उनकी पार्टी के मंत्रियों को सच्चाई पता चल गई है। उन्होंने उन लोगों को हनीट्रैप में फंसाया है, जो मुख्यमंत्री बनने से बचना चाहते थे। वे सत्ता के लिए खुद मुख्यमंत्री को ही हनीट्रैप में फंसा रहे हैं।

बेंगलूरु में बंद शांतिपूर्ण रहा, कोई अप्रिय घटना नहीं: बी. दयानंद

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के पुलिस आयुक्त बी. दयानंद ने कहा कि शहर में बंद शांतिपूर्ण रहा। यहां शनिवार शाम को पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि अभी तक किसी भी घटना की कोई रिपोर्ट नहीं है। उन्होंने बताया कि पूरे शहर में पुलिस की कड़ी तैनाती की गई है। वरिष्ठ अधिकारी गश्त पर हैं। कमिश्नर ने कहा कि वे भी शहर का दौरा कर रहे हैं और कहीं भी कोई अप्रिय घटना नहीं हुई है। टाउन हॉल के सामने विरोध प्रदर्शन करने की कोशिश करने वाले कन्नड़ समर्थक कार्यकर्ता वटल नागराज और सरगोविन्दु समेत 250 से ज्यादा लोगों को फ्रीडम पार्क ले जाया गया है। उन्होंने कहा कि वे घटनास्थल पर विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। एहतियात के तौर पर हमने किसी को हिरासत में नहीं लिया है। हमारे अधिकारी और कर्मचारी चौकसी बरतेंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि जबरन दुकानें और होटल बंद कराने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

हनी ट्रैप मामला बेहद संवेदनशील: गृह मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। गृहमंत्री डॉ. जी परमेश्वर ने कहा कि हनी ट्रैप मामला बेहद संवेदनशील है और वह इस पर कोई टिप्पणी नहीं करेंगे। यहां पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि हनीट्रैप मामले में बहुत संवेदनशील सवाल उठते हैं। अचानक सामने आए प्रश्नों का उत्तर देना उचित नहीं है। उन्होंने यह कहते हुए टिप्पणी करने से इनकार कर दिया कि यह मामला बहुत संवेदनशील है। वटल नागराज ने तीन दिन पहले बंद का आह्वान किया था। इस संदर्भ में कई बार अधिकारियों से चर्चा के बाद एहतियाती कदम उठाए गए हैं। जिला कलेक्टर और जिला पुलिस प्रमुख को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। पुलिस महानिदेशक और पुलिस आयुक्त स्थिति पर नजर रख रहे हैं और यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि कोई अप्रिय घटना न घटे। यदि कोई समस्या होगी तो पुलिस तत्काल कार्रवाई करेगी।

अभी तक कोई अप्रिय घटना नहीं घटी है। शांति और व्यवस्था अच्छी है। उन्होंने कहा कि वे बंद पर नजर रखेंगे और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए कार्रवाई करेंगे।

विधान सौधा के लिए स्थायी विद्युत प्रकाश की होगी व्यवस्था: अध्यक्ष खादर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विधानसभा अध्यक्ष यू.टी. खादर ने कहा कि विधानसभा को स्थायी विद्युत लाइटों से सजाया जाएगा। एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए उन्होंने कहा कि विधानसभा परिसर में पुस्तक मेले के आयोजन के साथ ही विधानसभा को स्थायी विद्युत लाइटों से सजाने का काम शुरू हो गया था और यह लगभग पूरा हो चुका है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया अप्रैल के पहले सप्ताह में इसका उद्घाटन करेंगे। प्रकाश व्यवस्था पर 5 करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं। प्रकाश समारोह प्रत्येक शनिवार और रविवार को शाम 6:30 बजे आयोजित किया जाएगा। स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस, गांधी जयंती और कन्नड़ राज्योत्सव जैसे राष्ट्रीय त्योहारों पर विद्युत प्रकाश का उपयोग किया जाता है। उन्होंने कहा कि इससे लोगों के लिए विधान सौधा देखना आसान हो जाएगा। विधान सौधा परिसर में पहली बार आयोजित पुस्तक मेले की व्यापक सराहना की गई तथा पुस्तक मेला हर वर्ष आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि बेलगावी में सत्र के दौरान पुस्तक मेला आयोजित करने की मांग की गई है और इसकी समीक्षा की जाएगी। सुरक्षा के नाम पर लोगों को विधानसभा देखने से दूर रखना उचित नहीं है। हमें हर किसी को शत्रु, दुश्मन या चोर के रूप में नहीं देखना चाहिए। हो सकता है कि 1 प्रतिशत असामाजिक ताकतें हों। हमें 99 प्रतिशत लोगों को उनके डर से वंचित नहीं करना चाहिए। पुस्तक मेले के दौरान कई लोगों ने विधान सभा भवन, विधानसभा लॉबी और सभागार का भ्रमण किया। उन्होंने कहा कि आगंतुकों को प्रत्येक रविवार को विधान सौधा देखने की अनुमति देने की भी योजना है। पुलिस असामाजिक तत्वों का पता लगाने के लिए मौजूद है। आइये आधुनिक तकनीक का उपयोग करके इसकी जांच करें। लेकिन इससे आम लोगों के देखने में बाधा नहीं आनी चाहिए। उन्होंने कहा कि विधानसभा भवन देखने आए किसी व्यक्ति ने कहा कि यह कुंभ मेले से भी अधिक आनंददायक था। शीतकालीन सत्र हर वर्ष बेलगावी में आयोजित किया जाता है। इरादा एक बहुउद्देश्यीय भवन बनाने का है जिसमें मुख्यमंत्री, मंत्री और अधिकारी बैठ सकेंगे। इरादा बेंगलूरु के कुमार कृपा गेस्ट हाउस की तर्ज पर 300 कमरों वाला विधायक भवन बनाने का है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में लोक निर्माण एवं पर्यटन मंत्री से चर्चा के बाद आगे निर्णय लिया जाएगा। विधान परिषद के अध्यक्ष बसवराज होराट्टी और हमारे बीच कोई मतभेद नहीं है। उन्होंने कहा कि वे एकजुट हैं।

2 साल तक संपत्ति कर बकाया रहने पर 100 प्रतिशत जुर्माना: बीबीएमपी

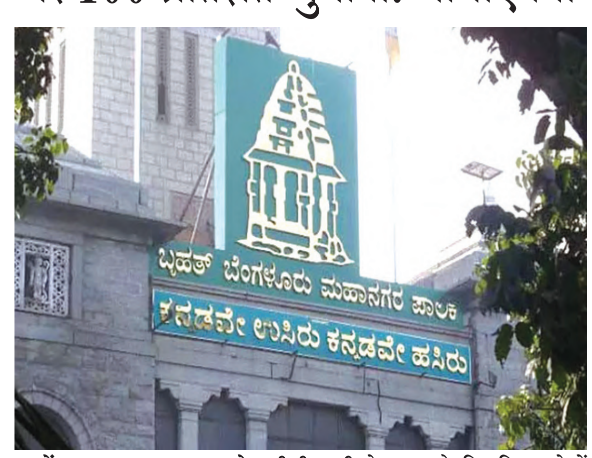

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बीबीएमपी ने कहा है कि जिन लोगों पर दो साल से अधिक समय से संपत्ति कर बकाया है, उन पर कर का 100 प्रतिशत जुर्माना लगाया जाएगा। जिन लोगों ने दो साल से अपना संपत्ति कर नहीं चुकाया है, उन्हें कई नोटिस, एसएमएस संदेश और विज्ञापन भेजे जा रहे हैं। हालांकि, जो लोग कर का भुगतान नहीं करते हैं, उन पर कर का 100 प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है। यदि 2024-25 के लिए संपत्ति कर का भुगतान नहीं किया जाता है, तो 1 अप्रैल, 2025 से 100 प्रतिशत जुर्माना नहीं लगाया जाएगा, बल्कि 15 प्रतिशत की दर से साधारण ब्याज लगाया जाएगा। यदि 1 अप्रैल, 2026 तक संपत्ति कर का भुगतान किया जाता है, तो 100 प्रतिशत जुर्माना लागू होगा।

पेश किया गया 4 लाख करोड़ रुपये का बजट एक ऐतिहासिक उपलब्धि: हरीश कुमार

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जिला कांग्रेस अध्यक्ष हरीश कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया द्वारा हाल ही में पेश किया गया 4 लाख करोड़ रुपये का बजट एक ऐतिहासिक उपलब्धि है, जिसमें विकास और आर्थिक मजबूती पर जोर दिया गया है। विपक्ष की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा विपक्ष ने इसे हलाल बजट करार दिया है। भाजपा 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' जैसे नारे लगाती है, लेकिन जब राज्य में इसे लागू करने की बात आती है, तो वे इसका विरोध करते हैं। बजट सभी समुदायों के कल्याण के लिए बनाया जाता है - एक विशेष समुदाय के प्रति इतनी नफरत क्यों? राज्य की गारंटी के बारे में चिंताओं को संबोधित करते हुए कुमार ने कहा भाजपा सरकार ने मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और हरियाणा में भी इसी तरह की गारंटी दी है, जिसे वे गर्व से 'मोदी गारंटी' कहते हैं। वक्फ संशोधन विधेयक को लेकर कांग्रेस के खिलाफ एसडीपीआई के विरोध पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने स्पष्ट किया इस विधेयक में राज्य सरकार की कोई भूमिका नहीं है। एसडीपीआई को इसके बजाय भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध करना चाहिए। एसडीपीआई भाजपा की 'बी-टीम' के रूप में काम करती है, क्योंकि उनकी शुरुआत ही भाजपा से प्रभावित थी। कांग्रेस को निशाना बनाने के बजाय, उन्हें भाजपा के खिलाफ अपना विरोध प्रदर्शन करना चाहिए। कांग्रेस खुद इस विधेयक को वापस लेने की मांग कर रही है, जो असंवैधानिक है।

दक्षिण कन्नड़, उडुपी में कर्नाटक बंद का कोई असर नहीं

सामान्य जनजीवन अप्रभावित

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कन्नड़ संघों द्वारा आहूत कर्नाटक बंद का दक्षिण कन्नड़ (डीके) और उडुपी जिलों में कोई असर नहीं पड़ा, क्योंकि दैनिक जीवन बिना किसी व्यवधान के जारी रहा। सरकारी और निजी दोनों बसें सामान्य रूप से चलती रहीं, जबकि ऑटो-रिक्शा और कैब सेवा में रहीं। दुकानें, बाजार और व्यावसायिक प्रतिष्ठान सामान्य रूप से काम करते रहे, बंद होने की कोई खबर नहीं है। क्षेत्र में किसी भी संगठन ने बंद का समर्थन नहीं किया, और शहरों में कोई विरोध प्रदर्शन नहीं हुआ। सभी गतिविधियाँ सुचारू रूप से चल रही थीं, निवासियों ने बिना किसी व्यवधान के अपनी दिनचर्या जारी रखी।

विस्फोटक सामग्री रखने के आरोप में होटल कर्मचारी गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के थानिसांद्रा में एक होटल के मालिक द्वारा यह सूचना दिए जाने पर कि उसके एक कर्मचारी के पास विस्फोटक पदार्थ है, संपीगेहल्ली पुलिस की एक टीम होटल पहुंची। टीम ने होटल के एक कर्मचारी अब्दुल रहमान (23) के पास से प्लास्टिक में लिपटा लाल पेस्ट जैसा पदार्थ बरामद किया। चूंकि उसके पास विस्फोटक सामग्री रखने का कोई लाइसेंस नहीं था, इसलिए उसके खिलाफ विस्फोटक पदार्थ अधिनियम, 1908 के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि विस्फोटक सामग्री सल्फर पाउडर है, जिसका इस्तेमाल अक्सर पटाखे बनाने में किया जाता है। अब्दुल के पास यह पदार्थ क्यों था और उसे यह कहां से मिला, इसका पता लगाने के लिए जांच की जा रही है।

हनीट्रैप विवाद मामला : मंत्री राजन्ना को पुलिस केस दर्ज कराना चाहिए: जारकीहोली

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। लोक निर्माण विभाग और जिला प्रभारी मंत्री सतीश जारकीहोली ने कहा कि उन्होंने सहकारिता मंत्री राजन्ना से कानूनी सलाह लेने और उन्हें हनीट्रैप में फंसाने की साजिश के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराने को कहा है। ऐसा प्रतीत होता है कि प्रमुख नेताओं को निशाना बनाया जा रहा है और उन्हें हनीट्रैप और सीडी के जरिए धमकाया जा रहा है। हमें संदेह है कि 40 से अधिक विधायकों को निशाना बनाया जा सकता है। जारकीहोली ने शनिवार को संवाददाताओं से कहा हनीट्रैप मुद्दे पर बोलने वाला मैं पहला व्यक्ति था। मंत्री राजन्ना से चर्चा हुई है और उन्हें कानूनी सलाह लेनी चाहिए और पुलिस में शिकायत दर्ज करानी चाहिए। मामले को सीबीआई को सौंपने की कोई जरूरत नहीं है, क्योंकि राज्य पुलिस जांच करने और आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज करने में सक्षम है। स्थिति इस बिंदु पर पहुंच गई है कि अज्ञात नंबरों से कॉल आने पर सभी को सतर्क रहना चाहिए और उचित तरीके से जवाब देना चाहिए। अनुभव, इच्छाशक्ति और दूसरों से जुड़ी पिछली हनीट्रैप घटनाओं के बारे में जागरूकता व्यक्तियों को ऐसे जाल में फंसने से बचाने में मदद कर सकती है। जारकीहोली ने कहा मुझे नहीं पता कि साजिशकर्ता कौन हैं। राजनीतिक और व्यापारिक लाभ के लिए लोगों को हनीट्रैप में फंसाया गया है। पिछले मामलों में यह बात सामने आई है कि आरोपियों ने राजनीतिक मकसद से काम किया।

रविवार, 23 मार्च, 2025
बेंगलूरु
शुभ लाभ DAILY

हनी ट्रैप मामले में विधायकों के निलंबन की भाजपा ने की निंदा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक भाजपा ने कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा अपने 18 विधायकों को निलंबित करने के फैसले की निंदा की है। आरोप लगाया है कि सहकारिता मंत्री के एन राजन्ना से जुड़े हनी ट्रैप मामले में न्याय की मांग करने के कारण उन्हें निलंबित किया गया है। विपक्षी नेता आर अशोक ने इस कदम की आलोचना करते हुए इसे निंदनीय और कांग्रेस पार्टी की दुर्भावनापूर्ण मंशा का प्रतिबिंब बताया। विधानसभा के बाहर संवाददाताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जब मंत्री राजन्ना ने विधानसभा में हनी ट्रैप कांड के बारे में बात की, तो न तो मुख्यमंत्री और न ही अन्य कांग्रेस मंत्रियों ने इस पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा अतीत में कांग्रेस नेताओं ने विधायकों के मोबाइल फोन देखने पर हंगामा किया था, लेकिन अब उन्हें हनी ट्रैप मामला अनुचित नहीं लगता। अशोक ने जोर देकर कहा कि भाजपा ने विधानसभा की गरिमा को बनाए रखने के लिए न्यायिक जांच की मांग की थी। यहां तक कि जब यह सुझाव दिया गया कि हनी ट्रैप कांड में कांग्रेस नेता शामिल हैं, तब भी सरकार चुप रही। उन्होंने स्पीकर यू टी खादर की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा स्पीकर

द्वारा इस तरह की कठोर कार्रवाई करना कैसे उचित है? 18 विधायकों को निलंबित करना अन्यायपूर्ण है।

हमने स्पीकर के साथ दुर्व्यवहार नहीं किया, हमने केवल न्याय की मांग की। यह कांग्रेस की दुर्भावनापूर्ण नीति है, और वे विपक्ष को दबाने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी वाई विजयेंद्र ने निलंबन को लोकतंत्र विरोधी कदम बताया। मीडिया से बात करते हुए उन्होंने बताया कि मंत्री राजन्ना ने विधानसभा में खुले तौर पर स्वीकार किया था कि वे हनी ट्रैप का शिकार हुए हैं और दावा किया कि देश भर में 48 से अधिक राजनेताओं को इसी तरह निशाना बनाया गया है। उन्होंने कहा कि सदन के नेता के रूप में मुख्यमंत्री मंत्री की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार थे, जबकि स्पीकर का कर्तव्य विधानसभा की गरिमा को बनाए रखना था। विजयेंद्र ने कहा अब, इस मुद्दे ने सभी 224 विधायकों को कलंकित कर दिया है। सदन की गरिमा की रक्षा करने के बजाय, स्पीकर ने चिंता जताने के लिए हमें निष्कासित कर दिया है। यह अस्वीकार्य है। उन्होंने मुख्यमंत्री पर अपने मंत्रियों की सुरक्षा करने में विफल रहने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा उनकी सुरक्षा करने के बजाय, जब हमने कार्रवाई की मांग की तो आपने हमारे विधायकों को निष्कासित कर दिया। यह स्वीकार्य नहीं है। विजयेंद्र ने आरोप लगाया कि विधायकों की गरिमा को देश के सामने ठेस पहुंचाई गई है। कांग्रेस सत्ता के नशे में चूर है। भ्रष्टाचार चरम पर है और मुख्यमंत्री पद के लिए आंतरिक सत्ता संघर्ष के कारण मंत्रियों और विधायकों को उनकी ही सरकार ने सड़कों पर फेंक दिया है। उन्होंने दलित और अनुसूचित जाति के मंत्रियों की सुरक्षा के लिए मुख्यमंत्री की प्रतिबद्धता पर भी सवाल उठाया और एक पुरानी घटना को याद किया जब दलित विधायक अखंड श्रीनिवास मूर्ति के घर को दंगाइयों ने आग के हवाले कर दिया था। उन्होंने कहा उस समय आप उनके साथ खड़े नहीं हुए।

अब इतिहास खुद को दोहरा रहा

अब इतिहास खुद को दोहरा रहा है। उन्होंने सरकार पर केवल तुष्टिकरण की राजनीति पर ध्यान केंद्रित करने का आरोप लगाया और सवाल किया कि अगर मुख्यमंत्री अपने मंत्रियों और विधायकों की सुरक्षा नहीं कर सकते तो क्या उन्हें पद पर बने रहना चाहिए। विजयेंद्र ने विधानसभा में हुई घटनाओं की पूरी जांच की भी मांग की। उन्होंने कहा कल नोट किसने पास किया? इसकी जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा और जद (एस) इस मुद्दे पर राज्यपाल से संपर्क करेंगे। भाजपा नेता ने विधायकों के निलंबन को लोकतंत्र की हत्या बताया और कहा कि हनी ट्रैप विवाद राष्ट्रीय बहस का विषय बन गया है। उन्होंने कहा कि मंत्री सतीश जारकीहोली ने खुद स्वीकार किया है कि यह घोटाला वास्तविक था। विजयेंद्र ने कहा मुख्यमंत्री को हनी ट्रैप मामले में शामिल विधायकों और मंत्रियों के नामों का खुलासा करना चाहिए था। उन्हें जांच का आदेश देने का साहस दिखाना चाहिए था। लेकिन वे विफल रहे।

कर्नाटक सरकार महाराष्ट्र द्वारा मराठियों को नौकरी देने के मामले पर विचार करेगी: जारकीहोली

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो। लोक निर्माण विभाग और जिला प्रभारी मंत्री सतीश जारकीहोली ने कहा कि राज्य सरकार और जिला प्रशासन महाराष्ट्र सरकार द्वारा पड़ोसी राज्य में मराठी माध्यम के छात्रों को नौकरी देने और प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने की अनुमति देने के फैसले पर विचार करेगा। राज्य सरकारों के लिए अपने लोगों को भी रोजगार देना मुश्किल है, इसलिए बाहरी लोगों को नौकरी देना एक चुनौती प्रतीत होती है। जारकीहोली ने शनिवार को संवाददाताओं से कहा एक राज्य सरकार के लिए दूसरे राज्य के लोगों को नौकरी देना मुश्किल है। जिला प्रशासन और राज्य सरकार इस बात की जांच करेगी कि जिले के मराठी माध्यम के छात्रों को महाराष्ट्र में सरकारी नौकरियों के लिए आवेदन करने और प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने की अनुमति कैसे दी गई। उन्होंने कहा कन्नड़-मराठी भाषाई मुद्दे का महत्व खत्म हो गया है और कुछ दशक पहले जो तीव्रता थी, वह अब नहीं रही। कर्नाटक-महाराष्ट्र सीमा विवाद एक बंद अध्याय है। मराठी भाषी लोग राज्य की मुख्यधारा में शामिल हो रहे हैं। महाराष्ट्र एकीकरण समिति (एमईएस) का कोई महत्व नहीं है और अगर इसे प्रतिबंधित भी कर दिया जाता है, तो इसके कार्यकर्ता किसी दूसरे नाम से फिर से उभर सकते हैं। एनडब्ल्यूकेआरटीसी के एक बस कंडक्टर पर हमले के विरोध में बुलाए गए कर्नाटक बंद के बारे में, जिसने यात्रियों से कन्नड़ में बात करने के लिए कहा था, क्योंकि वह मराठी नहीं बोल सकता था, जारकीहोली ने कहा हमने कार्यकर्ताओं से शांतिपूर्वक विरोध करने और स्कूल और कॉलेज के छात्रों को बाधित न करने के लिए कहा है। उन्होंने कहा जिले में विभिन्न विकास कार्यों के लिए धनराशि जारी की गई है। डिप्टी कमिश्नर कार्यालय परिसर का निर्माण चरणों में किया जाएगा। लोक निर्माण विभाग के तहत सड़कों और पुलों के लिए आवंटित धन का उपयोग करके एक एलिवेटेड कॉरिडोर बनाया जाएगा।

सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली राज्य सरकार शून्य विकास सरकार है: गोविंद करजोल

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। चित्रदुर्ग से सांसद गोविंद करजोल ने सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली राज्य सरकार को 'शून्य विकास' और अप्रभावी प्रशासन करार दिया है। उन्होंने कहा गारंटी योजना के नाम पर सरकार ने लोगों को बेवकूफ बनाया है। मुख्यमंत्री ने दलितों के पैसे का दुरुपयोग करके उन्हें धोखा दिया है। उनके कार्यकाल के दौरान अब तक 3,400 किसान, 12 ठेकेदार, 10 अधिकारी और 23 व्यक्ति माइक्रोफाइनेंस संस्थानों के उत्पीड़न के कारण आत्महत्या कर चुके हैं। करजोल ने भ्रष्टाचार, अवैध गतिविधियों और हनी ट्रैप मामले में उनके मंत्रिमंडल की कथित संलिप्तता के लिए मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के इस्तीफे और जनता से माफी मांगने की भी मांग की। उन्होंने 18 भाजपा विधायकों को छह महीने के लिए निलंबित किए जाने पर निराशा व्यक्त करते हुए कहा यह दुर्भाग्यपूर्ण है। जब कांग्रेस विपक्ष में थी, तो उन्होंने भी स्पीकर का अपमान किया था, लेकिन हमने कभी उनके नेताओं को निलंबित नहीं किया। जबकि 3 से 5 दिनों के लिए निलंबन स्वीकार्य है, उन्हें 6 महीने के लिए निलंबित करना निंदनीय है।

स्मार्ट मीटरों पर 7,500 करोड़ रुपये का घोटाला: निखिल कुमारस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जेडीएस नेता निखिल कुमारस्वामी ने राज्य की कांग्रेस सरकार पर राज्य में नए बिजली कनेक्शन के लिए स्मार्ट मीटर अनिवार्य करने और स्मार्ट मीटर के लिए महंगी दरें तय करके दिनदहाड़े लूट करने का आरोप लगाया है। उन्होंने इस संबंध में मीडिया में बयान जारी करते हुए कांग्रेस सरकार पर कड़ा हमला बोला है। 39 लाख स्मार्ट मीटर ऊंचे दामों पर खरीदे जा रहे हैं, जिससे राज्य के खजाने पर वित्तीय

बोझ पड़ रहा है। निखिल ने सवाल उठाया कि एक साधारण स्मार्ट मीटर जो बाजार में 1,500 रुपये में उपलब्ध है, उसे 4,998 रुपये में कैसे खरीदा जा रहा है। अतिरिक्त पैसा कहां जा रहा है? इस दिनदहाड़े लूट से किसे फायदा हो रहा है? केटीटीपी ने नियमों का उल्लंघन किया और अयोग्य व्यक्तियों को निविदाएं प्रदान कीं, जिससे 7,500 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। निखिल कुमारस्वामी ने मांग की कि इस बड़े घोटाले की जांच की जाए।

कर्नाटक बंद को मिली सुस्त प्रतिक्रिया

अधिकांश स्थानों पर विरोध प्रदर्शन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कन्नड़ समर्थक संगठनों के गठबंधन द्वारा शनिवार को आहूत कर्नाटक बंद को, जिसमें एमईएस गुंडों के हमले की निंदा की गई, कन्नड़ लोगों के विरुद्ध अत्याचारों का विरोध किया गया, तथा महादयी और मेकेदातु परियोजनाओं के कार्यान्वयन सहित 20 मांगें रखी गईं, फीका प्रतिसाद मिला है। बेलगावी, मांड्या, मैसूरु और रामनगर जिलों में बंद को समर्थन मिला, जबकि राजधानी बेंगलूरु, चिक्कबल्लापुर, चामराजनगर, कोल्लेगल, हासन, धारवाड़, चिकमंगलूरु, तुमकुरु, कोलार, गदग, कोप्पल, बल्लारी, हावेरी, दावणगेरे और शिवमोग्गा सहित विभिन्न स्थानों पर बंद को ठंडा प्रतिसाद मिला। कन्नड़ समर्थक संगठनों ने अधिकांश स्थानों पर विरोध प्रदर्शन किया और एमईएस गुंडों के खिलाफ अपना गुस्सा व्यक्त किया। कन्नड़ समर्थक कार्यकर्ताओं ने बेंगलूरु में आनंदराव सर्किल के पास बीएमटीसी और केएसआरटीसी बसों को रोककर विरोध प्रदर्शन किया।

उन्होंने लोगों से दुकानें बंद करके बंद में सहयोग करने की अपील भी की। अधिकांश स्थानों पर राज्य सड़क परिवहन की बसें, बीएमटीसी की बसें, ऑटो, टैक्सी, ओला और कैब चल रही थी। दुकानें और होटल सामान्य रूप से संचालित हो रहे थे। सुबह-सुबह केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के बंद होने से यात्रियों

को भीषण गर्मी का सामना करना पड़ा। सुबह के समय यात्री बस और कार से अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे की ओर जाते देखे गए, क्योंकि उन्हें डर था कि हड़ताल का कुछ असर हो सकता है। मैसूरु परिवहन बस स्टैंड के पास कन्नड़ समर्थक संगठनों के कार्यकर्ताओं द्वारा बसों पर लेटकर विरोध प्रदर्शन करने के कारण कुछ समय के लिए बस यातायात बाधित रहा। पुलिस ने बस यातायात में बाधा डाल रहे प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया। इसके बाद यातायात सामान्य हो गया। रामनगर के ऐजुरू सर्कल में कन्नड़ समर्थक संगठनों ने विरोध प्रदर्शन किया और मराठी गुंडों द्वारा की गई हिंसा की निंदा करते हुए नारे लगाए तथा अपना गुस्सा जाहिर किया।

मांड्या में गुस्साए कन्नड़ समर्थक संगठनों ने सड़क पर लेटकर विरोध प्रदर्शन किया। खास बात यह रही कि जेडीएस नेताओं ने भी इस विरोध प्रदर्शन का समर्थन किया। यहां संजयवृत्त में एकत्र हुए कार्यकर्ताओं ने एमईएस गुंडों के जघन्य कृत्य की निंदा करते हुए तथा सरकार के लापरवाह रवैये के खिलाफ नारे लगाकर अपना रोष व्यक्त किया।

चिक्कबल्लापुर शहर के एपीएमसी बाजार में कारोबार सामान्य रूप से जारी रहा। वाहन एवं रेल यातायात सामान्य रहा। कन्नड़ समर्थक कार्यकर्ताओं ने प्रमुख सड़कों पर मार्च निकाला और अधिकारियों को एक याचिका सौंपी। कन्नड़ जागृति वेदिके के अध्यक्ष मंजूनाथ देव के नेतृत्व में टायर जलाकर अट्टीबेले सीमा पर विरोध प्रदर्शन किया गया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को तुरंत हिरासत में ले लिया। करावे शिवरामेगौड़ा गुट के राज्य उपाध्यक्ष लोकेश गौड़ा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने सड़क पर लेटकर विरोध प्रदर्शन किया और एमईएस गुंडों को निर्वासित करने की मांग की। बाकी, अनेकल तालुका में सीमा पर कोई अप्रिय घटना नहीं हुई। जिले में स्कूल, कॉलेज और वाहन यातायात सामान्य रहा। कन्नड़ समर्थक संगठनों के कार्यकर्ताओं ने हनुमंथप्पा सर्किल से आजाद मैदान तक मार्च निकाला और बेलगावी में एक परिवहन बस चालक पर हमले की निंदा करते हुए जिला कलेक्टर को एक याचिका सौंपी।

महाराष्ट्र परिवहन की बसें राज्य में प्रवेश नहीं कर पाईं

बंद की धमकी के कारण महाराष्ट्र परिवहन की बसें राज्य में प्रवेश नहीं कर पाईं। पूरे राज्य में पुलिस सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए और छिटपुट घटनाओं को छोड़कर कहीं से भी किसी अप्रिय घटना की खबर नहीं आई। कर्नाटक बंद शांतिपूर्ण रहा। कानून व्यवस्था विभाग के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक आर हितेंद्र ने कहा कि अभी तक कोई अप्रिय घटना नहीं हुई है। उन्होंने बताया कि बेलगावी, मेंगलूरु, हुब्बल्ली, धारवाड़ और मैसूरु समेत विभिन्न जिलों में स्थिति शांतिपूर्ण है। संबंधित जिलों के सभी एसपी और जूनियर अधिकारी जिलों में विरोध स्थलों पर गश्त पर रहे। उन्होंने कहा कि पूरे राज्य में सुरक्षा के समुचित प्रबंध किये गये हैं। हमने एहतियात के तौर पर मांड्या, मैसूरु, कोप्पल, चामराजनगर और बेंगलूरु ग्रामीण जिलों में 250 से अधिक प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया है। उन्होंने कहा कि राज्य में बंद कुल मिलाकर शांतिपूर्ण रहा।

कन्नड़ कार्यकर्ताओं ने मराठी फिल्म फॉलोअर की स्क्रीनिंग रोकी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक रक्षण वेदिके (शिवरामेगौड़ा गुट) के कुछ सदस्यों ने शुक्रवार रात बेलगावी के आईनॉक्स सिनेमा में मराठी फिल्म फॉलोअर की स्क्रीनिंग रोक दी, उनका कहना था कि इससे शहर में शांति भंग होगी। केआरवी (एस) के संयोजक वाजिद हिरेकोडी और अन्य लोग थिएटर में घुस गए, कर्मचारियों से बहस की और स्क्रीनिंग रोक दी। उन्होंने मालिकों से दर्शकों को बाहर भेजने का आग्रह किया। पुलिस मौके पर पहुंची और समूह को तितर-बितर किया। इससे पहले, कन्नड़ कार्यकर्ताओं ने हर्षद नलवाडे द्वारा निर्देशित मराठी फिल्म पर प्रतिबंध लगाने की मांग की थी, और यह शहर में कन्नड़-मराठी विवाद के इर्द-गिर्द की राजनीति पर केंद्रित है। इसे फिल्म समारोहों में दिखाया गया है और इसे आलोचकों की प्रशंसा मिली है। कार्यकर्ताओं ने राज्य सरकार को मराठी फिल्म 'फॉलोअर' पर प्रतिबंध लगाने के लिए पत्र लिखा है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि इससे बेलगावी में कानून और व्यवस्था की स्थिति बिगड़ेगी।

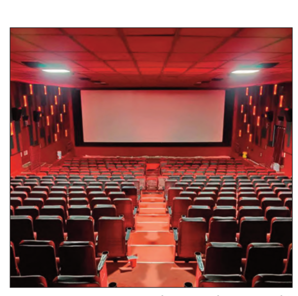

पुलिस आयुक्त को लिखे पत्र में कार्यकर्ता राजकुमार टोपननवर ने कहा कि फिल्म तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश करती है और एक भाषाई समुदाय को दूसरे के खिलाफ खड़ा करने की कोशिश करती है। उन्होंने कहा कि यह फिल्म कन्नड़ और मराठी समूहों के बीच विभाजन को बढ़ा सकती है, उन्हें भड़का सकती है और शांति को भंग कर सकती है। उन्होंने अपने अनुयायियों के लिए सोशल मीडिया हैंडल पर एक संदेश भी छोड़ा, जिसमें फिल्म के कथानक पर नाराजगी व्यक्त की गई, जो बेलगावी में भाषा और सीमा मुद्दे पर आधारित है। सहायक पुलिस आयुक्त ए शेखरप्पा ने कार्यकर्ताओं से शांत रहने और राज्य सरकार को निर्णय लेने देने की अपील की। इस बीच, फिल्म निर्माता के रिश्तेदारों ने कार्यकर्ताओं से इसे एक रचनात्मक प्रक्रिया के उत्पाद के रूप में देखने और इसके बारे में कोई राय बनाने से पहले इसे देखने की अपील की है। फिल्म पर काम करने वाले ज्यादातर लोग बेलगावी के हैं। उन्होंने सात साल तक काम किया है। फिल्म में सीमा विवाद के बारे में कुछ भी नहीं है। इस फिल्म की कहानी तीन दोस्तों के इर्द-गिर्द घूमती है। इस फिल्म का प्रीमियर रॉटरडैम इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में हुआ था। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि फिल्म की स्क्रीनिंग अचानक रद्द कर दी गई है। हम रविवार को इसे फिर से दिखाने की कोशिश करेंगे। उन्होंने कहा हम इसमें कन्नड़ भाषी लोगों का सहयोग चाहते हैं।

महाराष्ट्र के राज्यपाल राज्यपाल राधाकृष्णन बोले

तमिलनाडु का निर्माण अंग्रेजों ने किया था, तमिलों ने नहीं

मुंबई, 22 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने शनिवार को दावा किया कि तमिलनाडु और पंजाब में अलगाववादी ताकतें अलग-अलग तरीकों से सक्रिय हैं और कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार द्वारा प्रतिपादित एकता और एकीकरण के विचार आज पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हैं। राज्यपाल ने आरएसएस के साथ अपने जुड़ाव को याद किया और तमिलनाडु, विशेषकर तिरुपुर में आरएसएस द्वारा किए गए कार्यों पर प्रकाश डाला।

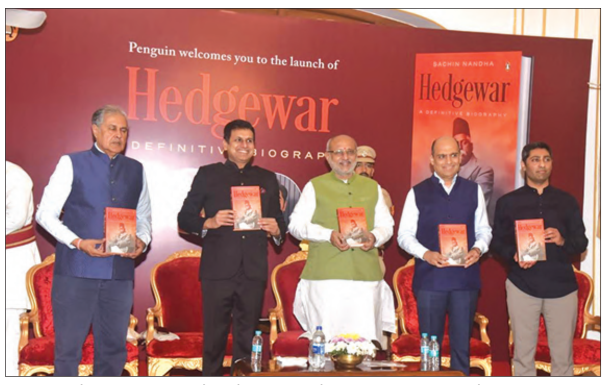

मुंबई के राजभवन में ब्रिटिश-भारतीय लेखक सचिन नंदा द्वारा लिखित पुस्तक हेडगेवार - ए डेफिनिटिव बायोग्राफी के विमोचन के अवसर पर बोलते हुए, श्री राधाकृष्णन ने विभाजनकारी आख्यानों के बारे में चिंता व्यक्त की और राष्ट्रीय एकता के महत्व पर बल दिया।

उन्होंने कहा कि आरएसएस संस्थापक डॉ. केबी हेडगेवार द्वारा प्रतिपादित एकता और एकीकरण के विचार आज पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हैं।

उन्होंने कहा, पंजाब में यह थोड़ा अलग है, लेकिन तमिलनाडु में कोई हथियार नहीं है - उनके शब्द हथियार के रूप में काम करते हैं जो युवाओं को गुमराह कर सकते हैं। उन्होंने उन आख्यानों की आलोचना की जो यह सुझाव देते हैं कि भारत का निर्माण अंग्रेजों ने किया था, और तर्क दिया कि भारत औपनिवेशिक शासन से बहुत पहले से ही कार्यात्मक और पारंपरिक रूप से एकजुट था। वे इतिहास नहीं जानते कि अशोक महान ने भी तमिलनाडु तक विजय प्राप्त की थी। मेरे तर्क जमीनी हकीकत पर आधारित हैं कि भारत का निर्माण राजनीतिक रूप से अंग्रेजों ने किया हो सकता है, लेकिन कार्यात्मक और पारंपरिक रूप से, हम औपनिवेशिक शासन से बहुत पहले से ही एक थे।

राज्यपाल ने तमिलनाडु के ऐतिहासिक विभाजन पर विचार किया, उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र कभी चेरा, चोल, पांड्या और कोंगुनाडु राज्यों में विभाजित था। जब जैन धर्म का जन्म हुआ, तो दो-तिहाई तमिलों ने इसका पालन किया। आज, केवल 40,000 तमिल जैन बचे हैं - लेकिन यह एक अलग कहानी है। जब जैन धर्म फैला, तो यह अपने आप फैला। तमिलनाडु में बौद्ध धर्म का भी व्यापक रूप से पालन किया जाता था। मैं उन्हें बताता हूँ कि तमिलनाडु को अंग्रेजों ने राजनीतिक रूप से बनाया था। किसी भी तमिल ने एक भी तमिलनाडु नहीं बनाया। ऐतिहासिक रूप से, तमिलनाडु चेरा, चोल, पांड्या और यहाँ तक कि कोंगुनाडु में विभाजित था - वे अलग-अलग राज्य थे। अगर हम इसे और विभाजित करते रहेंगे, तो यह एक शहर की बस में चढ़ने जैसा होगा जहाँ आपको चढ़ने और उतरने के लिए अपना पासपोर्ट दिखाना होगा। यही जमीनी हकीकत है।

उन्होंने चेतावनी दी कि इस तरह का विभाजन भारत की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खुद को साबित करने की क्षमता को कमजोर कर सकता है। हम कितने विभाजन कर सकते हैं? महाराष्ट्र में भी, विदर्भ अलग है, कोंकण अलग है, और मराठवाड़ा अलग है। अगर हम इसी तरह बंटते रहे, तो मांग करने के लिए सौदेबाजी की शक्ति किसके पास होगी? ऐसा इसलिए है क्योंकि हम भारत के रूप में एकजुट हैं, इसलिए हम अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपने हितों का दावा कर सकते हैं। अगर हम यूरोप के कई देशों की तरह एक छोटे देश होते, तो हमारे पास सौदेबाजी की उतनी शक्ति नहीं होती, उन्होंने कहा।

श्री राधाकृष्णन ने कहा कि वे 1973 में आरएसएस में शामिल हुए थे, जब स्वर्गीय सूर्यनारायण राव प्रचारक थे, और उन्होंने आरएसएस के संस्थापक डॉ. हेडगेवार के प्रभाव पर प्रकाश डाला, याद करते हुए कि कैसे उन्होंने स्कूली बच्चों के साथ संगठन की शुरुआत की थी। लोगों ने सवाल किया कि क्या ये छोटे लड़के हिंदू राष्ट्र का निर्माण कर सकते हैं, लेकिन उन्होंने कभी चिंता नहीं की। आज, आरएसएस सबसे बड़े राष्ट्रीय कोर में से एक है, जो समाज और देश के लिए जीने वाले लोगों को तैयार करता है, उन्होंने कहा।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हवाला देते हुए कहा कि श्री मोदी का दृष्टिकोण आरएसएस के प्रभाव से प्रेरित है। उन्होंने कहा, हमारे प्रधानमंत्री कहते हैं कि आरएसएस की वजह से ही वे दूसरों के लिए जीते हैं। यही सबसे बड़ा विचार और उत्साह है जो डॉक्टरजी (हेडगेवार) ने युवा दिमाग में डाला है।

राज्यपाल ने डॉ. हेडगेवार की विरासत की प्रशंसा करते हुए कहा, डॉक्टर जी हमेशा कहा करते थे, मआपको अपनी संस्कृति पर गर्व होना चाहिए, आपको अपनी मातृभूमि पर गर्व होना चाहिए।फ इसमें कोई सवाल नहीं है कि हम अपनी मां से प्यार करते हैं, लेकिन जब मातृभूमि की बात आती है, तो इससे अधिक महत्वपूर्ण कुछ नहीं है, उन्होंने कहा। उन्होंने कहा कि पुस्तक का विमोचन सही समय पर हुआ है। जब भारत उन्नति और समृद्धि की ओर अग्रसर होगा, तो इस महान व्यक्ति और आर.एस.एस. की विरासत भारत में लाखों लोगों को समानता, शांति और समृद्धि की ओर प्रेरित करती रहेगी।

पुस्तक का विमोचन आरएसएस की 100वीं वर्षगांठ के अवसर पर हो रहा है। डॉ. हेडगेवार आधुनिक भारत के लिए और भी अधिक प्रासंगिक होते जा रहे हैं, क्योंकि आरएसएस अपनी 100वीं वर्षगांठ के बाद भी लगातार आगे बढ़ रहा है। आधुनिक भारत को समझने के लिए हमें हेडगेवार की रचना - आरएसएस को समझना होगा। हेडगेवार के मन को समझने से बेहतर कोई शुरुआत नहीं हो सकती है, श्री नांधा कहते हैं, जो इंटरनेशनल सेंटर फॉर सस्टेनेबिलिटी के महानिदेशक भी हैं। उन्होंने कहा कि यह पुस्तक औपनिवेशिक शासन, बढ़ते सांप्रदायिक तनाव और आधुनिकता की जटिलताओं से जूझ रहे देश की पृष्ठभूमि पर आधारित है। यह हेडगेवार के सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के दर्शन, गांधी, नेहरू और सावरकर जैसे समकालीनों के साथ उनकी चुनौतियों और उनके परिवर्तनकारी नेतृत्व के बारे में अंतर्दृष्टि प्रदान करती है। यह हिंदू समाज के भीतर मुद्दों को समझने और संबोधित करने में उनके संघर्षों को भी देखती है। एक जीवनी से ज़्यादा, मैंने इसे भारत के सभ्यतागत लोकाचार की गहन खोज के रूप में देखा, जो आरएसएस की उत्पत्ति और आज के भारत पर इसके प्रभाव पर एक सूक्ष्म दृष्टिकोण प्रस्तुत करने की कोशिश कर रहा है, श्री नंदा ने कहा।

हिन्दी के साहित्यकार विनोद कुमार शुक्ल को मिलेगा ज्ञानपीठ पुरस्कार

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)। वर्ष 2024 के लिए प्रतिष्ठित ज्ञानपीठ पुरस्कार प्रसिद्ध हिंदी साहित्यकार विनोद कुमार शुक्ल को प्रदान किया जाएगा। यह सम्मान उन्हें हिंदी साहित्य में उनके अद्वितीय योगदान, सृजनात्मकता और विशिष्ट लेखन शैली के लिए दिया जा रहा है।

विनोद कुमार शुक्ल हिंदी के 12वें साहित्यकार हैं, जिन्हें यह सर्वोच्च साहित्यिक सम्मान प्राप्त हो रहा है। वह ज्ञानपीठ पुरस्कार पाने वाले छत्तीसगढ़ के पहले लेखक भी बन गए हैं।

ज्ञानपीठ प्रवर परिषद की बैठक में शनिवार को इसकी घोषणा की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रतिष्ठित लेखिका एवं ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित प्रतिभा राय ने की। इसमें परिषद के सदस्य माधव कौशिक, दामोदर मावजी, प्रभा वर्मा, डॉ. अनामिका, डॉ. ए. कृष्णा राव, प्रफुल्ल शिलेदार, डॉ. जानकी प्रसाद शर्मा और ज्ञानपीठ के निदेशक मधुसूदन आनंद शामिल थे। सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि हिंदी साहित्य में विनोद कुमार शुक्ल के योगदान को सम्मानित करने के लिए उन्हें ज्ञानपीठ पुरस्कार, 2024 प्रदान किया जाए।

विनोद कुमार शुक्ल का जन्म जनवरी 1937 में हुआ था। वह हिंदी साहित्य के प्रतिष्ठित लेखक, कवि और उपन्यासकार हैं, जो अपनी सरल भाषा, गहरी संवेदनशीलता और अनूठी लेखन शैली के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने आधुनिक हिंदी साहित्य में प्रयोगधर्मी लेखन की एक नई धारा स्थापित की है। उनकी पहली कविता संग्रह 'लगभग जय हिंद' वर्ष 1971 में प्रकाशित हुई थी। उनके प्रमुख उपन्यासों में 'नौकर की कमीज़', 'दीवार में एक खिड़की रहती थी' और 'खिलेगा तो देखेंगे' शामिल हैं।

उनकी कविताएं और कहानियां आम जीवन की बारीकियों को सहज भाषा में प्रस्तुत करती हैं। उनके लेखन में आम आदमी की भावनाएं, रोजमर्रा की जिंदगी और समाज की जटिलताओं का मार्मिक चित्रण मिलता है। इसके लिए उन्हें साहित्य अकादमी पुरस्कार सहित कई प्रतिष्ठित सम्मानों से नवाजा जा चुका है।

ज्ञानपीठ पुरस्कार देश का सर्वोच्च साहित्यिक सम्मान है, जो भारतीय भाषाओं में उत्कृष्ट साहित्य रचने वाले रचनाकारों को प्रदान किया जाता है। इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के अंतर्गत 11 लाख रुपये की पुरस्कार राशि, वाग्देवी की कांस्य प्रतिमा और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाता है। यह पुरस्कार भारतीय साहित्य के क्षेत्र में दिए जाने वाले सबसे प्रतिष्ठित सम्मानों में से एक है।

विनोद कुमार शुक्ल को ज्ञानपीठ पुरस्कार मिलने की घोषणा के साथ ही हिंदी साहित्य प्रेमियों में हर्ष की लहर दौड़ गई है।

यह पुरस्कार उनकी साहित्यिक साधना और सृजनशीलता का सम्मान है, जिसने हिंदी साहित्य को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। उनके लेखन की गहराई और सहज अभिव्यक्ति ने साहित्य प्रेमियों के मन में गहरी छाप छोड़ी है। उनकी इस उपलब्धि से हिंदी साहित्य जगत में गर्व और उत्साह का माहौल है। यह सम्मान न केवल विनोद कुमार शुक्ल के लेखन का सम्मान है, बल्कि यह हिंदी भाषा और साहित्य के प्रति उनकी अनवरत सेवा और समर्पण को भी प्रमाणित करता है।

झारखंड के चाईबासा में नक्सलियों के आईईडी विस्फोट में सीआरपीएफ के एसआई शहीद, जवान घायल

रांची, 22 मार्च (एजेंसियां)। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा) जिले के छोटानागरा थाना क्षेत्र में नक्सलियों के बिछाए गए आईईडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) की चपेट में आने से बुरी तरह जख्मी हुए सीआरपीएफ के सब इंस्पेक्टर सुनील कुमार मंडल ने दम तोड़ दिया। विस्फोट की घटना शनिवार दोपहर उस वक्त हुई थी, जब सुरक्षा बलों का दस्ता जंगली इलाके में नक्सलियों के खिलाफ सर्च ऑपरेशन पर था। जमीन के नीचे लगाए गए आईईडी में विस्फोट से सुनील कुमार मंडल के अलावा सीआरपीएफ 193 बटालियन के हेड कांस्टेबल पार्थ प्रतिम डे बुरी तरह जख्मी हो गए थे। दोनों को बेहतर इलाज के लिए एयरलिफ्ट कर रांची लाया गया था। रांची में डॉक्टरों ने सुनील कुमार मंडल को मृत घोषित कर दिया।

चाईबासा के दुरुह जंगलों और पहाड़ियों में पनाह लेकर हिंसक वारदातें अंजाम देने वाले माओवादी नक्सलियों के खिलाफ पुलिस और सुरक्षा बलों की ओर से लगातार अभियान चलाया जा रहा है। सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने और अपने ठिकानों तक पहुंचने से रोकने के लिए नक्सलियों ने पूरे इलाके में जमीन के नीचे जगह-जगह आईईडी लगा रखे हैं, जिन पर जवानों के पांव पड़ते या हल्का प्रेशर बनते ही विस्फोट हो जाता है।

इस मार्च महीने में आईईडी विस्फोट की तीन घटनाएं हुई हैं, जिसमें एक सब इंस्पेक्टर की शहादत के अलावा पांच अन्य जवान-अधिकारी घायल हुए हैं। इसके पहले 18 मार्च को जराईकेला थाना क्षेत्र के राधा-पोड़ा में आईईडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) के विस्फोट से सीआरपीएफ की 134 बटालियन के एक सब इंस्पेक्टर जख्मी हो गए थे।

इसी तरह 5 मार्च को भी इसी जिले में बलीबा जंगल के पास नक्सलियों की आईईडी की चपेट में आकर सीआरपीएफ कोबरा बटालियन के एक असिस्टेंट कमांडेंट सहित सुरक्षा बल के तीन जवान घायल हो गए थे।

बताया गया है कि भाकपा माओवादी नक्सली संगठन के शीर्ष नेता मिसिर बेसरा, अनमोल, मोछु, अनल, असीम मंडल, अजय महतो, सागेन अंगरिया, अश्विन अपने दस्ते के सदस्यों के साथ सारंडा और कोल्हान क्षेत्र में सक्रिय हैं। उनके खिलाफ सुरक्षाबलों द्वारा लगातार अभियान संचालित किया जा रहा है।

चाईबासा में पुलिस और सुरक्षा बलों ने पिछले एक माह के अंदर नक्सलियों के छह डंप को ध्वस्त करते हुए हथियारों का जखीरा बरामद किया है। जिले के टोंटो थाना क्षेत्र के हुसिपी जंगल में मार्च के पहले हफ्ते में सुरक्षा बलों ने नक्सलियों के एक कैंप को ध्वस्त किया था। इस दौरान 10-10 किलोग्राम क्षमता वाले दो आईईडी भी डिफ्यूज कर दिए गए थे। इस कैंप से एक देशी पिस्टल, दो कार्बाइन, एक राइफल, दस किलो आईईडी, 58 डेटोनेटर समेत अन्य सामान बरामद किए गए थे।

24 फरवरी को भी टोंटो थाना क्षेत्र में पुलिस और सुरक्षा बलों ने नक्सलियों के दो कैंप ध्वस्त किए थे और इस दौरान अमेरिका में निर्मित एम-16 राइफल सहित 10 हथियार और 500 से अधिक गोलियां बरामद की थी।

न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के खिलाफ आरोपों की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति गठित

नयी दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के खिलाफ आरोपों की जांच के लिए शनिवार को तीन सदस्यीय समिति का गठन किया है।

यह समिति न्यायमूर्ति वर्मा के नई दिल्ली स्थित आधिकारिक आवास पर 14 मार्च को आग लगने की घटना के दौरान कथित रूप से नकदी बरामद होने से संबंधित रिपोर्ट में सामने आए आरोपों की जांच करेगी।

शीर्ष अदालत की ओर से शनिवार को इस संबंध में एक विज्ञप्ति जारी कर जानकारी दी गई।

बयान में कहा गया है,भारत के मुख्य न्यायाधीश (न्यायमूर्ति संजीव खन्ना) ने दिल्ली उच्च न्यायालय के वर्तमान न्यायाधीश न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के खिलाफ आरोपों की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति का गठन किया है।

इस समिति में पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति शील नागू, हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति जी एस संधावालिया और कर्नाटक उच्च न्यायालय की न्यायाधीश सुश्री अनु शिवरामन शामिल हैं।

बयान में यह भी बताया गया,दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को फिलहाल न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा को कोई न्यायिक कार्य न सौंपने के लिए कहा गया है।

विज्ञप्ति के अनुसार,दिल्ली उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट, न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा का जवाब और अन्य दस्तावेज उच्चतम न्यायालय की वेबसाइट पर अपलोड किए जा रहे हैं।

इससे पहले 20 मार्च को शीर्ष अदालत ने न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ इन-हाउस जांच के लिए एक 'प्रक्रिया' शुरू की थी और एक प्रतिकूल रिपोर्ट के आधार पर उन्हें स्थानांतरित करने का फैसला किया था।

गौरतलब है कि न्यायमूर्ति वर्मा के आधिकारिक आवास पर आग की यह घटना 14 मार्च को रात करीब 11.30 बजे हुई। उस समय वह घर पर नहीं थे।

आग बुझाने के दौरान दमकल कर्मियों और पुलिस को एक कमरे में कथित तौर पर भारी मात्रा में नकदी मिलने की रिपोर्ट सामने आई थी।

कांग्रेस ने छत्तीसगढ में 11जिलाध्यक्षों की नियुक्ति की

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ के 11 जिलों में जिलाध्यक्षों की नियुक्ति की है।

कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने राज्य में 11 जिलाध्यक्षों की नियुक्ति को मंजूरी दी है और ये नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से लागू होंगी।

जिलावार कांग्रेस जिलाध्यक्षों की सूची में चंद्रेश हिरवानी (बालोद) , राकेश ठाकुर (दुर्ग ग्रामीण) , बसेल नाग (नारायणपुर) , बुधराम नेताम (कोंडागांव), नाथुलाल यादव (कोरबा शहरी) मनोज चौहान (कोरबा ग्रामीण , सुश्री सुमित्रा धृतलहरे (बलौदाबाजार) , ताराचंद देवांगन (सारंगढ़ बिलाईगढ़) , बालकृष्ण पाठक (सरगुजा),कृष्णप्रताप सिंह (बलरामपुर) और आशीष छाबड़ा(बेमेतरा) का नाम शामिल है।

उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों ने मणिपुर में राहत शिविरों का किया दौरा

इम्फाल, 22 मार्च (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय के पांच सदस्यीय न्यायाधीशों के प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को मणिपुर में विभिन्न राहत शिविरों का दौरा किया, जहां विस्थापित लोग ठहरे हुए हैं।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश, न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर भी कानूनी और मानवीय सहायता कार्यक्रमों की एक श्रृंखला में भाग लेंगे, जिनमें से कुछ वर्चुअल होंगे। मणिपुर उच्च न्यायालय का 12वां स्थापना दिवस समारोह भी रविवार को आयोजित किया जाएगा।

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (एनएए-लएसए) के कार्यकारी अध्यक्ष न्यायमूर्ति गवई ने सावोमबंग, इम्फाल पूर्व में कानूनी और चिकित्सा शिविरों का वर्चुअल उद्घाटन किया। इसके अलावा, इम्फाल पश्चिम और उखरुल जिलों में नए विधिक सहायता केंद्र भी खोले गए। लगभग 25 डॉक्टरों की एक टीम चिकित्सा शिविर भी लगाएगी।

न्यायाधीशों ने मुख्य सचिव पीके सिंह, पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव सिंह के साथ चुराचांदपुर का दौरा किया और डीसी कार्यालय में बैठक की। न्यायाधीशों ने विस्थापित व्यक्तियों के साथ बातचीत की और आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्तियों (आईडीपी) को राहत सामग्री वितरित की गई।

मीनाक्षी लेखी, रवि कुमार दहिया 'भारत गौरव रत्न श्री सम्मान' से पुरस्कृत

नयी दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)। गैर सरकारी संगठन भारत गौरव रत्न श्री सम्मान परिषद ने पूर्व विदेश एवं संस्कृति राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी, हरियाणा के कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद कुमार शर्मा तथा ओलंपिक पदक विजेता एवं भारतीय पेशेवर पहलवान रवि कुमार दहिया को समाज के विकास में योगदान के लिए सम्मानित किया है।

परिषद ने शनिवार को यहां एक समारोह में उन दूरदर्शी व्यक्तित्वों को सम्मानित किया गया जिनके योगदान ने समाज को गहराई से प्रभावित किया है।

इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम में नीति-निर्माताओं, उद्योग जगत के नेताओं और प्रभावशाली व्यक्तित्वों ने भाग लिया। इस वर्ष के सम्मानित व्यक्तित्व राजनीति, खेल, कानून प्रवर्तन और शिक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों से हैं।

समारोह में उपस्थित प्रमुख हस्तियों में श्रीमती लेखी, श्री शर्मा और श्री दहिया के अलावा दिल्ली विधानसभा के सदस्य चंदन कुमार चौधरी, वरिष्ठ राजनेता डॉ. विजय जोली, भारतीय विश्वविद्यालय संघ में संयुक्त सचिव डॉ. आलोक कुमार मिश्रा और दिल्ली पुलिस की वरिष्ठ अधिकारी किरण सेठी शामिल रही।

परिषद के निदेशक डॉ. तपन कुमार राउतराय ने कहा कि यह मंच उन लोगों को समर्पित है जिन्होंने अपने कर्तव्य से आगे बढ़कर समाज में स्थायी प्रभाव डाला है।

उनकी निष्ठा और समर्पण आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी।

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

पीएम मित्र पार्क इन्वेस्टर्स मीट में बोले सीएम योगी

दुनिया का सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार है यूपी

लखनऊ, 22 मार्च (एजेंसियां)। भारत सरकार की महत्वाकांक्षी पीएम मित्र योजना के तहत लखनऊ-हरदोई सीमा पर 1,000 एकड़ में प्रस्तावित मेगा टेक्सटाइल एवं अपैरल पार्क की स्थापना के लिए शनिवार को लखनऊ में एक भव्य इन्वेस्टर्स मीट का आयोजन किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश वस्त्र परिधान नीति 2017 के अंतर्गत राज्य के वस्त्र उद्योग में निवेश करने वाले 80 निवेशकों को 210 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि वितरित की। साथ ही, पीएम मित्र पार्क के लिए 700 करोड़ रुपए के दो एमओयू साइन किए गए। सीएम योगी ने इस अवसर पर कहा कि यह पार्क उत्तर प्रदेश को टेक्सटाइल हब के रूप में स्थापित करेगा और 50,000 से अधिक नए रोजगार सृजित करेगा।

सीएम योगी ने इन्वेस्टर्स मीट को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मेगा इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल रीजन एंड अपैरल (पीएम मित्र) योजना के तहत लखनऊ में स्वीकृत इस परियोजना के लिए आयोजित इन्वेस्टर्स मीट यूपी के वस्त्र उद्योग को नई उंचाई पर ले जाने में सहायक होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन ने गुजरात के सूरत को टेक्सटाइल हब बनाया और अब इस विजन को देशभर में लागू करने के लिए सात पीएम मित्र पार्क स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें से एक लखनऊ में है। यह देश का एकमात्र पीएम मित्र पार्क है जो किसी राज्य की राजधानी में स्थापित हो रहा है। 1,000 एकड़ में बनने वाले इस पार्क के लिए डीपीआर की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। सीएम योगी ने कहा कि यह पार्क लखनऊ सिटी से सटा हुआ है। आउटर रिंग रोड (सिक्स लेन) से इसकी

कनेक्टिविटी है और राज्य सरकार फोरलेन कनेक्टिविटी भी उपलब्ध कराएगी।

सीएम योगी ने निवेशको को उत्तर प्रदेश की ताकत का अहसास कराते हुए कहा कि 25 करोड़ की आबादी वाला यह राज्य देश का सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार है। न केवल उत्तर प्रदेश, बल्कि नेपाल, भूटान, बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तराखंड की बड़ी आबादी अपनी आवश्यकताओं के लिए यूपी पर निर्भर है। जीवन की तीन मूलभूत आवश्यकताओं में वस्त्र एक है। सीएम योगी ने बताया कि पीएम मित्र पार्क एक ही स्थान पर बुनाई, रंगाई, छपाई, डिजा-इनिंग और पैकेजिंग की सुविधा देगा, जो मार्केट की डिमांड को पूरा करने में मदद करेगा। उन्होंने निवेशकों को आश्वस्त किया कि यह पार्क टेक्सटाइल उद्योग की अनंत संभावनाओं को साकार करेगा।

सीएम योगी ने उत्तर प्रदेश वस्त्र परिधान नीति 2017 के तहत 80 निवेशकों को 210 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि वितरित की। इस दौरान गोरखपुर के अमर कुलसियान (9 लिमिटेड) और गौतम बुद्ध नगर के रजत जयपुरिया (राजलक्ष्मी) को मंच पर सम्मानित किया गया। योगी ने कहा, निवेशकों को मंच पर सम्मान करके हम यह संदेश देना चाहते हैं कि हमारी नीतियां केवल घोषणा तक सीमित नहीं हैं, बल्कि उनका ईमानदारी से क्रियान्वयन भी होता है। 2022 की नीति के तहत 44 निवेशकों को 768 करोड़ रुपए की परियोजनाओं के लिए लेटर ऑफ कम्फर्ट और 8 करोड़ रुपए के प्रोत्साहन भी वितरित किए गए।

इस इन्वेस्टर्स मीट में पीएम मित्र पार्क के लिए 700 करोड़ रुपए के दो एमओयू साइन किए गए। इसके अलावा, पहले से ही 83 एमओयू के तहत 3,800 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हो चुके हैं। सीएम योगी ने कहा कि हमने 1,000 से अधिक एमओयू साइन किए हैं, जिनमें से 225 का ग्राउंड ब्रेकिंग जल्द होगा। इससे 6,000 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश होगा और 50,000 से अधिक नए रोज-गार सृजित होंगे। उन्होंने निवेशकों को भरोसा दिलाया कि उत्तर प्रदेश में निवेश की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए सिंगल विंडो सिस्टम 'निवेश मित्र' के जरिए 500 से अधिक क्लीयरेंस एक प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। साथ ही, 'निवेश सारथी' के जरिए एमओयू की मॉनिटरिंग की जा रही है।

सीएम योगी ने उत्तर प्रदेश की प्राचीन टेक्सटाइल विरासत बताते हुए कहा कि जितनी प्राचीन सभ्यता होगी, उतनी ही टेक्सटाइल की संभावनाएं होंगी। काशी और अयोध्या जैसी प्राचीन नगरी केवल आध्यात्मिक केंद्र नहीं थीं, बल्कि समृद्धि का आधार भी थीं। उन्होंने बताया कि काशी, भदोही और मिर्जापुर सिल्क और कारपेट के लिए प्रसिद्ध हैं। वाराणसी की साड़ी हर भारतीय परिवार के मांगलिक अवसरों की शान है। अयोध्या और अंबेडकर नगर हैंडलूम के लिए जाने जाते हैं। गोरखपुर, संत कबीर नगर, आजमगढ़, मुबारकपुर और मऊ में भी टेक्सटाइल का समृद्ध इतिहास है। लखनऊ की चिकनकारी सैकड़ों वर्षों से घर-घर में फल-फूल रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट योजना ने इन पारंपरिक उद्योगों को प्रोत्साहित किया, जिसके परिणामस्वरूप आज ऑर्डर की कमी नहीं है।

सीएम योगी ने घोषणा की कि पीएम मित्र पार्क के अलावा राज्य सरकार 10 नए टेक्सटाइल पार्क संत कबीर दास के नाम पर स्थापित करेगी। साथ ही, दो नए लेदर पार्क संत रविदास के नाम पर विकसित किए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि ये पार्क पीएम मित्र पार्क के एक्सटेंशन सेंटर के रूप में काम करेंगे और टेक्सटाइल व लेदर उद्योग को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे। सीएम योगी ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी की मंशानुरूप पीएम मित्र पार्क को 5ऋमॉडल (फॉर्म टू फाइबर, फाइबर टू फैक्ट्री, फैक्ट्री टू फैशन, फैशन टू फॉरेन) के आधार पर विकसित किया जाएगा, जिससे उत्पादन से लेकर निर्यात तक की पूरी प्रक्रिया एक ही स्थान पर हो सके।

सीएम योगी ने उत्तर प्रदेश की बेहतरीन कनेक्टिविटी को निवेशकों के लिए आकर्षण का केंद्र बताते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य है, जहां सर्वाधिक एक्सप्रेस-वे हैं। गंगा एक्सप्रेस-वे के बाद 55 प्रतिशत एक्सप्रेस-वे यूपी में होंगे। देश के रेलवे का सबसे अच्छा नेटवर्क हमारे पास है।

उन्होंने कहा कि वाराणसी से हल्दिया तक देश का पहला इन्लैंड वॉटरवे शुरू हो चुका है। लखनऊ से कानपुर तक डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर और ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे की सुविधा भी जल्द उपलब्ध होगी। सीएम योगी ने कहा कि लखनऊ में पहले से ही इंटरनेशनल एयरपोर्ट है। अब लैंडलॉक्ड स्टेट की पुरानी धारणा टूट चुकी है। हम बंदरगाहों तक आसान पहुंच दे रहे हैं।

सीएम योगी ने निवेशकों से उत्तर प्रदेश की आर्थिक प्रगति पर गर्व जताते हुए कहा कि आज यूपी देश की नंबर दो की अर्थव्यवस्था है। 2029 तक हम इसे वन ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बनाएंगे। उन्होंने कहा कि वस्त्र उत्पादन में उत्तर प्रदेश 13 प्रतिशत योगदान के साथ देश में तीसरे स्थान पर है और 20 लाख से अधिक लोगों को रोजगार दे रहा है। रायबरेली में एनआईएफटी, कानपुर में टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट और वाराणसी में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ अपैरल टेक्नोलॉजी जैसे संस्थान इस क्षेत्र को मजबूती दे रहे हैं। सीएम योगी ने कहा कि अरविंद मिल, टीटी ग्रुप, गणेशा इकोस्फीयर, भारत ओवरसीज और नाइन जैसी कंपनियां यूपी में कार्य कर रही हैं।

सहारनपुर में सनसनीखेज वारदात

भाजपा नेता ने पत्नी और तीन बच्चों को गोली मारी

तीनों बच्चों की मौत, पत्नी गंभीर हालत में

सहारनपुर, 22 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में भाजपा नेता योगेश रोहिला ने अपनी पत्नी और तीन बच्चों को गोली मार दी।

तीनों बच्चों ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। पत्नी की हालत गंभीर है। भाजपा नेता ने अपने घर में ही चारों के सिर में गोली मारी। हत्यारे भाजपा नेता को पुलिस ने मौके से गिरफ्तार कर लिया है।

सहारनपुर जनपद के गंगोह में भाजपा जिला कार्यसमिति के सदस्य योगेश रोहिला ने अपनी पत्नी नेहा (32) और तीन बच्चों शिवांश (4), देवांश (7) और श्रद्धा (8) को अपनी लाइसेंसी पिस्तौल से गोली मार दी। चारों गंभीर रूप से घायल हो गए।

गोली की आवाज सुनकर व शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। तीनों बच्चों को अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया। पत्नी की हालत गंभीर बनी हुई है।

केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने कहा

रामनगरी अयोध्या देश की आस्था का केंद्र

अयोध्या, 22 मार्च (एजेंसियां)। अयोध्या पहुंचे केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडवीया ने कहा कि रामनगरी देश की आस्था एवं श्रद्धा का केंद्र है।

यहां सरयू, हनुमान गढ़ी, रामलला के दर्शन से अलौकिक अनुभूति हुई। रामनगरी अयोध्या में महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडवीया का शनिवार को आगमन हुआ। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ के समन्वयक प्रो. अनुज कुमार पटेल ने उनका स्वागत किया। एनएसएस के पदाधिकारियों और स्वयंसेवकों ने केंद्रीय मंत्री को तिलक लगाकर अभिनंदन किया।

इस मौके पर केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडवीया ने स्वयंसेवकों के उत्साह को देखते हुए मोदी सरकार के युवा कार्यक्रम से परिचित कराया एवं आशीर्वाद प्रदान किया। मीडिया से बातचीत में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अयोध्या भारतवर्ष की आस्था और श्रद्धा का केंद्र है। केंद्रीय मंत्री ने परिवार के साथ सरयू की पूजा की और हनुमानगढ़ी के दर्शन किए। उसके बाद केंद्रीय मंत्री ने रामलला के दर्शन किए। उन्होंने कहा कि जब भी कोई अयोध्या आता है तो रामलला के दर्शन कर पावन होने की भावना होती है। उनके दर्शन से अलौकिक अनुभूति होना स्वाभाविक है। इस अवसर पर राजा मोहन गर्ल्स डिग्री कॉलेज की प्राचार्या प्रो. मंजूषा मिश्रा, कार्यक्रम अधिकारी डॉ. पूनम शुक्ला, डॉ. ज्योत्सना सिंह, डॉ. सुजीत सहित अन्य स्वयंसेवक मौजूद रहे।

संभल जामा मस्जिद की पुताई हुई, अब लगेगी रंग-बिरंगी लाइट

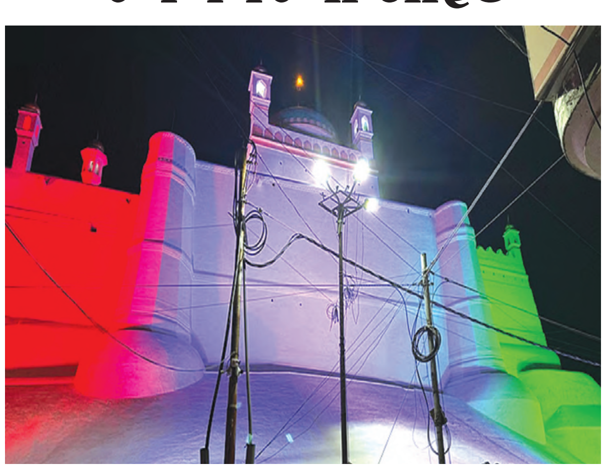

संभल, 22 मार्च (एजेंसियां)। संभल की जामा मस्जिद की पुताई का काम एएसआई ने पूरा करवा लिया है। अब मस्जिद की सजावट के तहत रंग-बिरंगी 300 लाइटें लगाने की योजना है। संभल की जामा मस्जिद की पुताई का काम शनिवार को पूरा हो गया है। एएसआई की टीम ने भी पुताई पूरी होने के बाद निरीक्षण कर अपनी रिपोर्ट तैयार की है। जामा मस्जिद कमेटी के सदर जफर अली एडवोकेट ने बताया कि पुताई का काम पूरा हो गया है। अब सजावट का काम किया जाना है। रंग-बिरंगी लाइट लगाई जाएंगी।

उन्होंने बताया कि करीब 300 लाइट लगने की उम्मीद है। इसमें कई अलग-अलग रंग की लाइट शामिल हैं। कमेटी के सदर ने कहा कि हाईकोर्ट के आदेश एएसआई द्वारा पुताई कराई गई है। शनिवार को पुताई का काम पूरा हो गया है। मस्जिद के सभी बाहरी हिस्से में यह पुताई की गई है। अब सजावट की जानी है। मालूम हो जामा मस्जिद की पुताई सफेद रंग से एएसआई द्वारा कराई गई है। जामा मस्जिद कमेटी के सदर ने कहा, हाईकोर्ट ने आदेश दिया था। इसलिए हमने अपनी ओर से कोई भी रंग करने के लिए नहीं कहा। एएसआई ने सफेद रंग से पुताई की है। इसपर हमने कोई एतराज नहीं जताया।

2.47 करोड़ के जाली नोटों के साथ पीएसी सिपाही समेत चार गिरफ्तार

अलीगढ़, 22 मार्च (एजेंसियां)। पुलिस ने गंगीरी क्षेत्र से जाली नोट से ठगी करने और गांजा तस्करी करने वाले गिरोह के चार सदस्य पकड़े हैं। आरोपियों में आगरा पीएसी का एक निलंबित सिपाही भी शामिल है, जिस पर जिले में कई मुकदमे दर्ज हैं। आरोपियों की कार से 2.47 करोड़ रुपए के 500 के जाली नोट, हथियार और गांजा बरामद हुआ है।

पुलिस को गंगीरी थाना क्षेत्र में गांव मलसई व बिलौना के बीच कीया कार (यूपी 24-एवाई 3434) संदिग्ध हालत में खड़ी दिखाई दी। टीम ने कार की तलाशी ली तो उसमें 500 के दो करोड़ 47 लाख रुपए की जाली करंसी, तीन तमंचे, कारतूस और साढ़े छह किलो गांजा बरामद हुआ। कार में सवार हसनैन अली और सलीम निवासी ककराला थाना अल्हापुर जिला बदायूं, अतीक अहमद निवासी 27/11 मेन फर्स्ट क्रास दरगाही मस्जिद एमके डीके रोड, थाना मंडी जिला मैसूर कर्नाटक और आगरा पीएसी के निलंबित सिपाही मुकेश निवासी कोडरा थाना हरदुआगंज

पकड़े गए।

पूछताछ में इन चारों ने बड़े खुलासे किए। आरोपियों में से निलंबित सिपाही मुकेश पर पहले से ही थाना खैर, महुआखेड़ा और हरदुआगंज में करीब एक दर्जन मुकदमे दर्ज हैं। इसमें बलवा, धोखाधड़ी, जान से मारने की धमकी देने, गैंगस्टर एक्ट के मुकदमे शामिल हैं। वह डेढ़ वर्ष से निलंबित है। अब उसकी बर्खास्तगी की भी प्रक्रिया विच-ाराधीन है। इस कार्रवाई में सीओ छर्रा महेश कुमार, एसओ सुमित गोस्वामी, एसआई सुनील त्रिपाठी, एसआई धरेंद्र सिंह की टीम शामिल रही। चारों को शुक्रवार को जेल भेज दिया गया।

पूछताछ में उजागर हुआ कि दिल्ली के सदर इलाके से ये लोग जाली करंसी लेकर आते थे। लोगों को जाली करंसी देने के नाम पर ठगी करते थे। किसी ने अगर इनसे करंसी मांगी तो ये वीडियो कॉल पर उसे सूटकेस में माल दिखाते थे। ऊपर के नोट असली होते थे। एक करोड़ की जाली करंसी के बदले 33 लाख रुपए लेते थे। गड्डी में ऊपर और नीचे एक नोट असली लगाते थे। अधिकांश डील में रुपया एडवांस खातों में मंगवाते थे। बाद में किसी को बुलाकर सूटकेस थमा देते थे। पिछले दो वर्ष से यह धंधा चल रहा था। वहीं कर्नाटक का पकड़ा गया आरोपी इन्हें उड़ीसा से गांजा लाकर देता था, जिसे ये अलीगढ़, कासगंज व बदायूं से बेच रहे थे।

इसी तरह के अपराध में दिसंबर में दो आरोपियों हसनैन अली व सलीम को दो अन्य साथियों के साथ सिविल लाइंस पुलिस ने दो करोड़ से अधिक की जाली करंसी सहित दबोचकर जेल भेजा था। जिसमें इन्हें पिछले दिनों जमानत मिल गई। इसके बाद फिर से सक्रिय हो गए। चारों के ठाठ का अंदाजा इसी से लगा सकते हैं कि हसनैन अली ने अलीगढ़ के मेडिकल रोड पर एक फ्लैट खरीद रखा था। उसी के पिता के नाम की कीया कार से व्यापार चल रहा था। साथ में कर्नाटक वाले तस्कर ने केला नगर में एक फ्लैट किराये पर ले रखा था, जिसमें सलीम उसका खाना बनाने के साथ व्यापार में हाथ बंटाने का काम करता था। वहीं पीएसी का निलंबित सिपाही रहता था। कई बार आने जाने के समय इन्हें पुलिस की मदद की जरूरत होती तो उसमें मुकेश सहयोग करता था।

मिशन रोजगार के तहत 73 युवाओं को मिली नौकरी

लखनऊ, 22 मार्च (एजेंसियां)। मिशन रोजगार योजना के तहत आज लखनऊ के राजकीय आईटीआई, अलीगंज में आयोजित रोजगार मेले में देश की प्रतिष्ठित पांच कंपनियों ने भाग लिया और 73 युवाओं को रोजगार प्रदान किया। वहीं राजकीय पॉलिटेक्निक में आयोजित रोजगार मेले में प्रदेश के छह पॉलिटेक्निक संस्थानों के 95 अभ्यर्थियों का चयन कर जॉब ऑफर दिया गया।

सरकार ने प्रदेशभर के आईटीआई और पॉलिटेक्निक कॉलेजों को आधुनिक सुविधाओं से लैस किया है, जिससे छात्रों को नवीनतम तकनीकों की जानकारी और उद्योगों की मांग के अनुरूप प्रशिक्षण दिया जा सके। इसी का परिणाम है कि आज सरकारी आईटीआई से पास होने वाले छात्रों को तुरंत रोजगार के अवसर मिल रहे हैं। इस रोजगार मेले में पेडगेट इलेक्ट्रॉनिक्स (सेक्टर-63 व सेक्टर-68, नोएडा), डिस्कॉन इलेक्ट्रो एप्लायंसेस (सेक्टर-85, नोएडा), प्रीत ग्रुप (पंजाब) और इलेन्टेक इंडिया (सेक्टर-80 व सेक्टर-83, नोएडा) ने साक्षात्कार के माध्यम से युवाओं का चयन किया। चयनित अभ्यर्थियों को 19,000 रुपए से 30,000 रुपए तक के मासिक वेतन के साथ अन्य सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। वहीं राजकीय पॉलिटेक्निक में मारुति द्वारा आयोजित कैंपस ड्राइव में प्रदेश के छह पॉलिटेक्निक संस्थानों के 150 अभ्यर्थियों ने हिस्सा लिया जिसमें 95 अभ्यर्थियों का चयन कर जॉब ऑफर दिया गया।

आईटीआई के ट्रेनिंग काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट अफसर एमए खां ने बताया कि प्रदेश सरकार का यह प्रयास उत्तर प्रदेश को रोजगार के हब के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व में मिशन रोजगार योजना को गति मिली है, जिसके तहत हर जिले में रोजगार मेले आयोजित किए जा रहे हैं। इस पहल का मुख्य उद्देश्य युवाओं को उनके कौशल के अनुसार नौकरी उपलब्ध कराना और राज्य में उद्योगों को कुशल कार्यबल प्रदान करना है। उन्होंने बताया कि यह रोजगार मेला युवाओं को निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनियों में रोज-गार दिलाने की दिशा में एक प्रभावी कदम साबित हुआ है। उन्होंने कहा कि सरकार के इस प्रयास से प्रदेश के आईटीआई एवं पॉलिटेक्निक से पास आउट होने वाले छात्रों को सीधे कंपनियों से जोड़ने का अनूठा अवसर मिल रहा है।

काशी में डॉल्फिन सफारी का आनंद लेंगे पर्यटक

वाराणसी, 22 मार्च (एजेंसियां)। वाराणसी में अब वन विभाग अपनी नाव से पर्यटकों को डॉल्फिन सफारी की सैर कराएगा। एक बार में सात पर्यटक भ्रमण कर सकेंगे। इसके लिए वन विभाग पर्यटन विभाग की भी मदद लेगा।

डॉल्फिन की अठखेलियां देखने के लिए वन विभाग ने टाइगर सफारी की तर्ज पर वाराणसी में डॉल्फिन सफारी बनाने की शुरुआत की है। इसमें लोग वन विभाग की नाव से सफारी का आनंद ले सकेंगे। वन संरक्षक डॉ. रवि सिंह ने बताया कि एक बार में सात पर्यटक नौका में आधे घंटे तक भ्रमण कर सकेंगे। भ्रमण करने के लिए उनको रजिस्ट्रेशन कराना

होगा। रजिस्ट्रेशन के लिए विभाग जल्द ही अपनी वेबसाइट बनाएगा। विभाग के अधिकारी पर्यटकों को डॉल्फिन के बारे में जानकारी भी देंगे।

प्रतिदिन तीन से चार बार नाव का संचालन किया जाएगा। एक बार भ्रमण के लिए समय निर्धारित किया गया है। कैथी से ढकवां गांव के बीच में अभी डॉल्फिन की संख्या 50 से 60 तक होने का अनुमान है।

डॉल्फिन की संख्या का बढ़ना गंगाजल की गुणवत्ता में सुधार से संभव हुआ है। साथ ही यह मौसम विज्ञानियों और डॉल्फिन प्रेमियों के लिए एक राहत भरी बात है। डॉल्फिन दो से तीन मिनट में सांस लेने के लिए पानी के ऊपर आती हैं।

गंगाजल की गुणवत्ता में सुधार होने से कैथी के निकट इनकी संख्या में बढ़ोतरी होने की संभावना बढ़ गई है। वन विभाग के अधिकारी ने बताया कि कैथी में डॉल्फिन देखने के लिए लगातार पर्यटक आते है।

बढ़ते पर्यटकों की संख्या को ध्यान में रखते हुए विभाग इसकी शुरुआत कर रहा है। गंगा में इन दिनों बड़ी डॉल्फिन के साथ उनके बच्चों को भी देखा जा सकता है। मछुआरों को डॉल्फिन के बारे में जागरूक किया जा रहा, जिससे इनको बचाया जा सके।

सुरों के साथ भरें भविष्य की उड़ान

पहले म्यूजिक को सिर्फ मनोरंजन का साधन माना जाता था, लेकिन समय के बदलते ही म्यूजिक कॅरियर का बहुत अच्छा साधन बन गया है। दुनिया में शायद ही कोई ऐसा इंसान होगा जिसे गीत-संगीत में रुचि न हो। भारतीयों को तो संगीत से हमेशा से ही विशेष लगाव रहा है। भारतीय शास्त्रीय संगीत की विविधता तथा प्रचुरता का सारा विश्व कायल है। गीत-संगीत बॉलीवुड फिल्मों का हमेशा सबसे अहम अंग रहा है।

म्यूजिक के उस्ताद बनने के लिए

म्यूजिक के जरिए इंसान अपनी इमोशन, फीलिंग्स को पेश कर सकते हैं और यही नहीं इंसान अपने मन के भावों को भी बयान कर सकता हैं। इस क्षेत्र में उस्ताद बनना कोई आसान काम नहीं है इसके लिए सच्ची लगन और हॉर्ड वर्क की जरूरत होती हैं। साथ ही इस क्षेत्र में कामयाबी हासिल करने के लिए आपके पास नेचुरल टैलेंट होना बेहद जरूरी है। नैचुरल टैलेंट के जरिए ही आपको इस क्षेत्र में कामयाबी मिलेगी और आप आगे बढ़ेंगे।

कोर्स करवाने वाले कुछ प्रमुख संस्थान...

- डिपार्टमेंट ऑफ म्यूजिक, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
- श्रीराम भरतिया, दिल्ली कला केंद्र, दिल्ली
- बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, बनारस, उत्तर प्रदेश
- भातखंडे म्यूजिक इंस्टीट्यूट, लखनऊ, उत्तर प्रदेश

आखिर क्या चाहिए योग्यता...?

अगर आप ने 12वीं कक्षा पास कर ली हैं तो आप आसानी से म्यूजिक फील्ड से जुड़े कोर्सेज में एडमिशन ले सकते हैं और आप इसमें सर्टिफिकेट कोर्स, बैचलर कोर्स, डिप्लोमा कोर्स और पोस्ट ग्रेजुएट लेवॅल के कोर्स भी कर सकते हैं। आपकी आवाज अच्छी है तो आप अपना म्यूजिक एलबम जारी कर सकते हैं, पार्श्व गायक बन सकते हैं, फिल्मों में गाने गा सकते हैं, टेलीविजन पर म्यूजिक-शो होस्ट कर सकते हैं, जिंगल्स और विज्ञापनों के लिए अपनी आवाज दे सकते हैं या फिर स्टेज-शो भी कर सकते हैं । अगर आप संगीत में रुचि रखते हैं पर गाना गाने में खुद को असमर्थ पाते हैं तो आप इन ऑफबीट करियर क्षेत्रों में आगे बढ़ सकते हैं। इनके जरिए आप हमेशा संगीत के संपर्क में बने रहेंगे।

...तो कितने 'टैक स्मार्ट' हैं आप

आज की दुनिया का हर पहलू तेजी से इंटरनेट से जुड़ता जा रहा है। सोशल नैटवर्किंग वेबसाइट्स की लोकप्रियता भी इनमें शामिल हो चुकी है। ऐसे में कंपनियों का आधुनिक तकनीकों तथा रुझानों से भली प्रकार अवगत कर्मचारियों की तलाश करना स्वाभाविक हो गया है।

ऐसे कर्मचारियों को अधिक महत्व

जानकार कहते हैं कि इन दिनों संस्थान तकनीकी रूप से सक्षम कर्मचारियों का महत्व समझते हैं और वे अपने यहां नियुक्तियों के लिए आवेदन करने वाले कर्मचारियों में संबंधित कौशल की अपेक्षा भी रखते हैं। कंपनियां मानती हैं कि कर्मचारियों में तकनीकी समझ को ग्रहण करने की कुदरती खूबी होनी चाहिए तभी वे भविष्य में कंपनी में या कामकाज में होने वाले तकनीकी विकास के साथ कदम से कदम मिला कर कम्पनी के हित में कार्य कर सकेंगे। वैसे भी हर कंपनी अपनी प्रतियोगी कंपनी से आगे रहने की कोशिश करती है, जिसके लिए उसके कर्मचारियों में गहन तकनीकी ज्ञान होना अनिवार्य हो जाता है। इतना ही नहीं, बहुराष्ट्रीय कंपनियों में तो यह कौशल और भी जरूरी है।

बेहतर ढंग से दे सकते हैं अंजाम...

आज के दौर में तकनीकी दक्षता कौशल ही नहीं, एक जरूरत बन चुकी है। यह भी माना जाता है कि आज के दौर में अच्छा प्रदर्शन तथा करियर में तरक्की के लिए तकनीकी दक्षता बेहद महत्वपूर्ण है। तकनीकी रूप से सक्षम व्यक्ति अपने काम को और अधिक बेहतर ढंग से अंजाम दे सकता है जो उसके साथ-साथ कम्पनी के लिए भी लाभदायक स्थिति साबित होती है। यह सवाल भी उठ सकता है कि भला कोई कंपनी किस तरह से किसी के टीएसक्यू का आकलन लगा सकती है। इसके लिए इंटरव्यू के दौरान पूछे जाने वाले सवालों से ही प्रार्थी की तकनीकी दक्षता तथा तकनीकों से उसके लगाव के बारे में काफी कुछ पता चल सकता है। अंत में निष्कर्ष यही निकलता है कि आज के प्रतियोगी दौर में सफल होना है तो युवाओं को नवीनतम तकनीक के प्रति सजग रहते हुए अपने 'टैक-स्मार्ट क्वोशन्ट' को उम्दा बनाए रखना चाहिए।

आएगा किलोबोट का जमाना...

रोबोट आर्मी यानी छोटे रोबोट का झुंड निकट भविष्य में 'रोबोटिक्स' में नया अध्याय जोड़ेगी. हॉर्वर्ड स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड एप्लाइड साइंसेज, मैसाच्युसेट्स के वैज्ञानिकों ने एक हजार सूक्ष्म रोबोटों की मजबूत 'आर्मी' इन्हें किलोबोट नाम दिया गया है बनाने में कामयाबी हासिल की है। इस रोबोट आर्मी से ऐसे कई कामों में बड़ी मदद मिलने की उम्मीद है, जिनमें मनुष्य अब तक खुद को लाचार महसूस कर रहा था। क्या है यह किलोबोट, कैसे काम करता है और किस तरह उपयोगी होगा, ऐसे ही पहलुओं पर नजर डालते हैं।

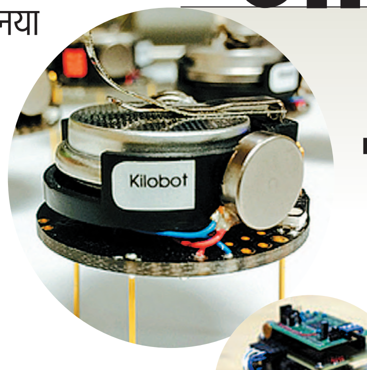

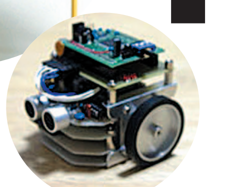

इंसान की हमेशा से यह ख्वाहिश रही है कि उसका जीवन ज्यादा से ज्यादा सुखी हो और उसके सभी काम आसानी से पूरे हो जाएं इसके लिए वह लगातार नई-नई सुविधाओं की तलाश में रहा है। निरंतरता, सुगमता और उत्पादकता ने ही इंसान को मशीन जैसे अविष्कारों के लिए प्रेरित किया। सीधे-सपाट शब्दों में कहा जाये तो मशीनों के आविष्कार ने धीरे-धीरे इंसान के हर काम को बेहद आसान बना दिया है। विज्ञान की भाषा में बात करें तो एक साधारण मशीन, बल की दिशा या परिमाण को परिवर्तित करने का सबसे सरल माध्यम है। मशीन की तकनीक को सतत रूप से बेहतर बनाते हुए इंसान 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' की तकनीक तक पहुंचा और इसी तकनीक का परिणाम है 'रोबोट'। आज रोबोट ने इंसान के लिए दुष्कर समझे जाने वाले कई तरह के कार्यो को बेहद आसान बना दिया है। अब इससे एक कदम और आगे बढ़ते हुए 'रोबोट आर्मी' दुनिया के सामने होगी।

कॉम्पलेक्स-शेप

रोबोट आर्मी यानी ढेर सारे रोबोट का झुंड। इसका सिद्धांत निकट भविष्य में 'रोबोटिक्स' यानी विज्ञान की वह शाखा जिसमें रोबोट का अध्ययन होता है में एक नया अध्याय जोड़ेगी। हॉर्वर्ड स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड एप्लाइड साइंसेज, मैसाच्युसेट्स के वैज्ञानिकों ने एक हजार सूक्ष्म रोबोटों की मजबूत आर्मी बनाने में कामयाबी हासिल की। इसका नाम 'किलोबोट' दिया गया है। प्रत्येक सूक्ष्म रोबोट को इन्फ्रा-रेड सेंसर और दो मोटरों जिनसे उनके पैर वाइब्रेट होते हैं, यानी वे सक्रिय होते हैं से सुसज्जित किया गया। ये रोबोट एक-दूसरे से संचालित होते हैं और आसानी से अलग-अलग तरह के कॉम्पलेक्स-शेप बनाने में सक्षम होते हैं।

क्या है 'किलोबोट'

बेहद छोटे आकार वाले यानी लगभग सिक्के जितने रोबोट आपस में मिल कर आसानी से थ्री-डी आकार बना लेते हैं। ये किलोबोट आपस में महज दो सेंटीमीटर की दूरी पर खड़े किये जा सकते हैं। ये किलोबोट चींटियों, मधुमक्खियों या सूक्ष्मजीवों की तरह जटिल संरचना बना पाने में सक्षम होते हैं। सैकड़ों की संख्या में किलोबोट एक साथ काम कर सकते हैं। वैज्ञानिकों ने एडवांस्ड एल्गोरिथम यानी उच्च गणितीय कलन विधि के माध्यम से प्रत्येक रोबोट के लिए प्रोग्रामिंग तैयार की। इस प्रोग्रामिंग की मदद से किलोबोट स्वतः संचालित होते हैं और आसपास के रोबोटों के बीच कमांड यानी दिशानिर्देश ट्रांसफर करते हैं।

भविष्य में किलोबोट

किलोबोट की तकनीक निश्चित तौर पर आने वाले समय में रोबोटिक्स के क्षेत्र में वैज्ञानिकों के सामने नई संभावनाएं लाएगी। शोधकर्ताओं के अनुसार, जब आप प्रोग्रामेबल रोबोट पर काम कर रहे होते हैं, तो रोबोट एक संवाहक तार की तरह काम करता है। दूसरे शब्दों में कहें तो इन रोबोट्स का झुंड आपके द्वारा दिए गए कमांड के मुताबिक आकार लेने में सक्षम होता है। किलोबोट एक साथ मिल कर थ्री-डी वस्तु का निर्माण कर सकते हैं। प्रोग्रामेबल रोबोट औसत थ्री-डी प्रिंटर की क्षमता में आसानी से बढ़ोतरी कर सकते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इन्हीं वजहों से एक समय ऐसा आयेगा, जब किलोबोट का इस्तेमाल अंतरिक्ष में भी किया जा सकेगा। अंतरिक्ष विज्ञान के रिसर्च क्षेत्र में और अंतरिक्ष में जाने वाले एस्ट्रोनॉट के लिए यह काफी मददगार साबित होगा। मंगल आदि ग्रहों पर जानेवाले अंतरिक्ष यात्रियों को अपने साथ टूल-बॉक्स ले जाना जरूरी होता है। सामान्य तौर पर अंतिरक्ष यात्री जरूरतों के मुताबिक बहुत बड़े टूल-बॉक्स को साथ ले जाते हैं। यदि बड़े टूल-बॉक्स को ले जाने के बजाय रोबोट का एक छोटा बॉक्स ही काफी हो और इन रोबोट की मदद से अपने काम को बेहद आसानी से अंजाम दिया जा सके, तो इसकी महत्ता और बढ़ जायेगी। फिलहाल, कई वैज्ञानिक ऐसी एल्गोरिथम को विकसित करने में लगे हैं, जिससे किलोबोट अंतरिक्ष यात्र को और भी आसान बना सके।

जिंदगी से जुड़ेगा

'ऑर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' तकनीक भविष्य की विभिन्न जरूरतों के लिए एक सशक्त माध्यम साबित होगी। रोबोट एक ओर जहां ऑर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का साकार रूप है, तो वहीं किलोबोट 'कलेक्टिव ऑर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' की मजबूत तकनीक है। इस तकनीक से ऑर्टिफिशियल कॉम्पलेक्स मशीन का सपना साकार होगा। खास बात यह है कि इस कॉम्पलेक्स मशीन का निर्माण छोटे रोबोट मिल कर खुद कर लेंगे। वैज्ञानिकों के अनुसार, रोबोटों की संख्या को बढ़ा कर अन्य अपेक्षित परिणाम भी हासिल किये जा सकते हैं। मसलन, सैकड़ों रोबोट एक साथ मिल कर पर्यावरण सफाई और आपदा से निपटने में सक्षम हो सकते हैं। इसके अलावा इनकी मदद से राजमार्गो पर लाखों सेल्फ ड्राइविंग कारों के सपने साकार होने की उम्मीदें जगी हैं।

रोबोट ऑर्मी की ताकत

गणितीय कलन पर आधारित रोबोट आर्मी किलोबोट की संरचनात्मक प्रकृति इसे खास बनाती है। रोबोट समूहों के साथ काम करने के कारण समस्याओं को मूल रूप से अलग तरीके से हल किया जा सकता है। रोबोटिक्स के रिसर्च की कड़ी का अगला लक्ष्य सामान्य पारस्परिक क्रियाओं और जटिल सामूहिक क्रियाओं के बीच के संबंधों को समझना है। अकेले और टीम प्लेयर, दोनों तरीकों से काम कर सकनेवाले रोबोट केवल अकेले काम कर पाने वाले रोबोट की तुलना में ज्यादा ताकतवर और बहुपयोगी साबित होगा। जैसे, टीम के रूप में काम करनेवाले रोबोट का अपेक्षाकृत मुश्किल कामों के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। इस प्रकार के रोबोट पानी के भीतर जाकर जांच-पड़ताल करने के साथ-साथ बेहद मुश्किल क्षेत्रों में होनेवाले अनुसंधान कार्यक्रमों के लिए उपयोगी साबित हो सकते हैं। इसके अलावा, भूकंप या अन्य आपदा प्रभावित क्षेत्रों में पीड़ितों या हताहतों को खोजने और राहत कार्यो के लिए ये अच्छा माध्यम बनेंगे। हालांकि, रोबोट आर्मी के लिए कुछ काम मुश्किल भी हैं- जैसे बड़े भौगोलिक दुर्गम क्षेत्रों में अन्वेषण का कार्य, निर्माण संबंधी कार्य।

कैसे काम करता है

प्रत्येक किलोबोट संरचना की दृष्टि से बहुत ही छोटा होता है। किलोबोट आसानी से अपने पैरों को घुमा सकता है और अन्य रोबोटों से इन्फ्रारेड ट्रांसमीटरोंऔर रिसीवरों के माध्यम से संपर्क स्थापित कर सकता है। सैकड़ों-हजारों की संख्या वाले झुंड में किसी एक किलोबोट का महत्व बहुत ज्यादा नहीं होता है। ऐसे में अगर एकाध रोबोट काम करना बंद कर दे या खराब हो जाए, तो इसका ज्यादा असर नहीं होता है, क्योंकि इससे उनका सामूहिक कार्य तकरीबन अप्रभावित रहता है। दूसरी सबसे अहम बात है कि एक साथ सैकड़ों रोबोट को व्यवस्थित व संचालित करने के लिए सॉफ्टवेयर और इंफ्रास्ट्रक्चर की जरूरत होती है। कुछ रोबोटों को सामूहिक रूप से संचालित करने में ज्यादा दिक्कत नहीं आती है, लेकिन अगर संख्या हजारों में हो, तो तेजी से प्रबंधन कर पाना मुश्किल होता है। खासकर एक साथ हजारों रोबोटों को चार्ज करने की समस्या सामने आ सकती है। एक हजार रोबोट को मैनुअली चार्ज करने के लिए एक हजार प्लग की जरूरत होगी।

आसान व सस्ते

किलोबोट प्रोजेक्ट में शामिल रहे हॉर्वर्ड विश्वविद्यालय के मुख्य शोधकर्ताओं के मुताबिक, रोबोट अन्य उपकरणों की तरह स्टेट-ऑफ-द-आर्ट हार्डवेयर से बने होते हैं और विभिन्न संसरों से मुक्त होते हैं, जबकि किलोबोट के फंक्शन बहुत सीमित होते हैं, ये सीधी लाइन में नहीं चल सकते हैं। इसी वजह से इनका निर्माण आसान व सस्ता होता है। किलोबोट एक साथ मिल कर थ्री-डी आकार बना सकते हैं। इस पर रिसर्च अभी शुरुआती दौर में है, लेकिन भविष्य में इनके कई तरह के अत्यंत उपयोगी व्यावहारिक प्रयोग सामने आएंगे।

बढ़ेगी समझ

वास्तविक दुनिया में भौतिक रूप से पारस्परिक प्रभाव और विभिन्नताएं अंतर पैदा करती हैं। उम्मीद है कि किलोबोट के आविष्कार के साथ वास्तविक रोबोट पर एल्गोरिथम कुछ नए और आश्चर्यजनक परिणाम सामने लाएगी। खासकर बड़ी समस्याओं से निपटने और दुश्वारियों से बचने के लिए हमारी समझ बढ़ेगी। फिलहाल, छोटे रोबोटों के इस झुंड से विभिन्न आकार बनाने में कामयाबी मिली है। अगले चरण में इंटेलीजेंस की इस प्रक्रिया को बेहतर बनाते हुए और भी छोटे रोबोट को विकसित किया जा सकता है।

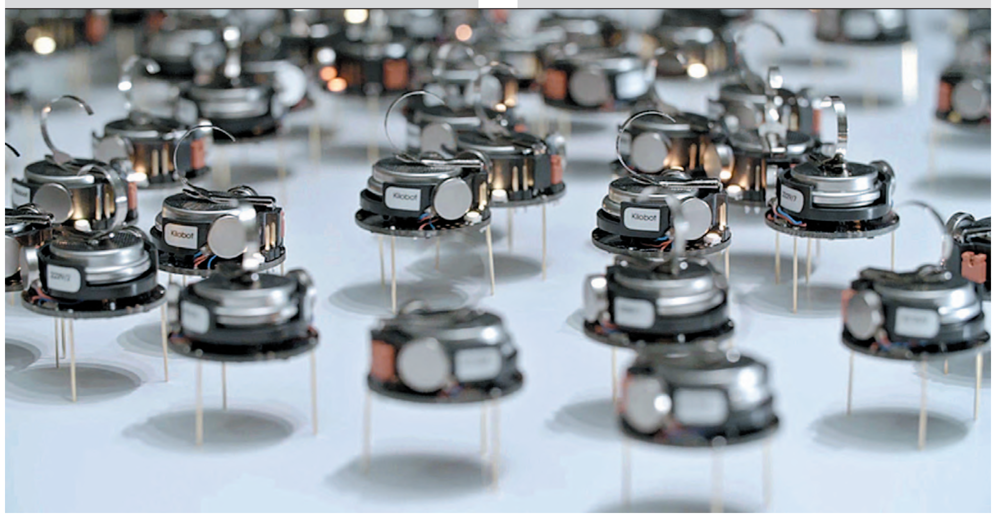

स्नैक-बोट

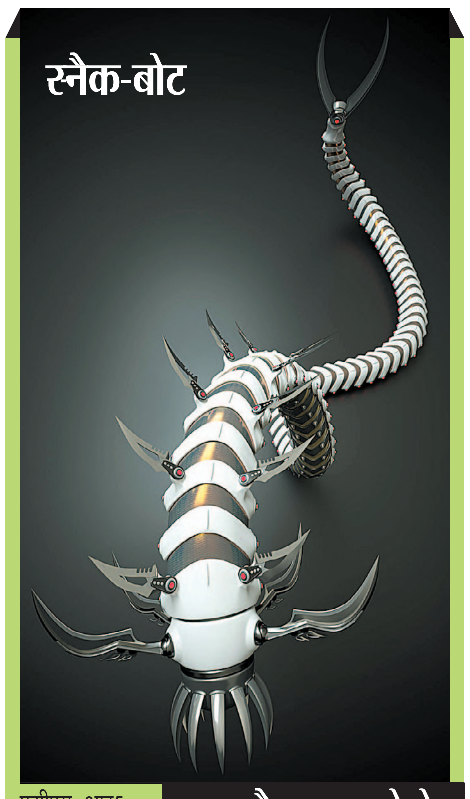

कुछ और खास रोबोट

एसीएम-आर5 नामक यह एक सांप की तरह का रोबोट है, जो सूखी सतह पर रेंग सकता है और पानी में तैर सकता है। जमीन और पानी दोनों ही पर मूव करने में सक्षम इस रोबोट का विकास जापान की एक कंपनी हाइबोट ने किया है। जरूरत के मुताबिक यह पानी में खुद को मोड़ने में भी सक्षम है।

नाओ रोबोट

फ्रांस की कंपनी एल्डबेरन रोबोटिक्स ने इस स्वायत्त और प्रोग्रामैबल रोबोट का विकास किया है, जिसे नाओ के नाम से जाना जाता है। इस रोबोट में दृश्य और श्रव्य की क्षमता होने के साथ इसकी गति भी तेज है। यह रोबोट विभिन्न सतहों पर चल सकता है, वस्तुओं की पहचान करने के साथ उसे खोज भी सकता है। साथ ही छूने पर या मौखिक कमांड देने पर अपनी ओर से प्रतिक्रिया देने में भी सक्षम है। इतना ही नहीं, यह गंगनम स्टाइल में डांस भी कर सकता है।

कुराता रोबोट

रोबोटिक्स की दुनिया में कुछ आविष्कार कल्पना के मुकाबले ज्यादा विचित्र रहे हैं। जापान की सुइडोबाशी हेवी इंडस्ट्री द्वारा निर्मित यह रोबोट एक 13 फीट ऊंचे मशीन के सहारे खड़ी की जाती है और यह मशीन गन तथा रॉकेट लॉन्चर से लैस है। इस तरह के कुराता रोबोट को हॉलीवुड की कुछ प्रख्यात फिल्मों 'ट्रांसफॉर्मर्स' और 'रीयल स्टील' में देखा जा सकता है। इसके हाथों में हथियार होने से देखने में यह खतरनाक प्रतीत होता है। इस बड़े रोबोट को इसके भीतर बने कॉकपिट में बैठ कर मैनुअली या फिर स्मार्टफोन की सहायता से रिमोट के माध्यम से नियंत्रित किया जा सकता है। इस रोबोट रूपी मशीन की कीमत 1.35 मिलियन बताई गई है।

बिग डॉग

बोस्टन डाइनामिक्स ने चार पैरों वाले इस रोबोट का आविष्कार किया, जिसे बिग डॉग नाम दिया गया। अमेरिकी रक्षा विभाग की एक शाखा डिफेंस एडवांस्ड रिसर्च प्रोजेक्ट एजेंसी द्वारा प्रायोजित इस रोबोट को सेना की सहायता के लिए विकसित किया गया था। चार पैरों वाला यह रोबोट सेना को उस प्रकार की सतह पर चलने में मदद करने के लिए बनाया गया था, जिस पर सेना के वाहन नहीं चल सकते। यह रोबोट अपने साथ डेढ़ क्विंटल तक का वजन ढोने में सक्षम है।

HEALTH | अखरोट में नाड़ी तंत्र की रक्षा करने वाले यौगिक मौजूद

ब्रेन फूड बनाएगा आपके दिमाग को और तेज

आमतौर पर हमेशा हमारा जोर ऐसे खाने पर रहता है, जिससे हम अपने दिमाग को और भी तेज बना सकें। ऐसे में हम ड्राई फ्रूट्स खाने पर ज्यादा जोर देते हैं। इसके अलावा दूध का भी लोग खूब इस्तेमाल करते हैं। मगर शायद आपको नहीं मालूम कि दिमाग के लिए सबसे ज्यादा फायदेमंद कौन सी चीज होती है? तो आइए आज हम आपको बताते है उस ब्रेन फूड के बारे में, जिससे आप अपने दिमाग को और भी तेज बना सकते हैं।

डीजेनरेशन को कम करता है

यदि भोजन की दिखावट और यह शरीर के लिए क्या करता है, इन दोनों में कोई संबंध है तो अखरोट जिसे ब्रेन फूड कहा जाता है, वह इस मामले में सबसे पहले आता है। विशेषज्ञों के अनुसार मानवीय दिमाग को उच्च क्वालिटी फैट्स जैसे ओमेगा थ्री फैटी एसिड्स की जरूरत होती है ताकि यह सही ढंग से काम कर सके। अखरोट में नाड़ी-तंत्र की रक्षा करने वाले कई यौगिक शामिल होते हैं जैसे विटामिन ई, फोलेट, मैलाटोनिन, ओमेगा-3 फैटी एसिड्स तथा एंटी ऑक्सीडैंट्स। यह सब उम्र बढ़ने के साथ-साथ कोग्नीटिव लाइन की डीजेनरेशन को कम करने के लिए जाने जाते हैं ।

बढ़ाता है मैलाटोनिन का स्तर

इनके साथ ही मैगनीका, कॉपर, आयरन, फास्फोरस, मैगनीशियम तथा कैल्शियम भी अखरोटों में पाए जाते हैं जो रक्त में मैलाटोनिन के स्तर को बढ़ाने में सहायक होते हैं। मैलाटोनिन का स्तर शरीर में निद्रा को नियंत्रित करने वाले हार्मोन्स का मुख्य कारक है। अच्छी नींद यकीनन अच्छे स्वास्थ्य के लिए जरूरी है। इस बारे में जानकार कहते हैं। अधिकतर मेवों की तरह अखरोट कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम करने तथा हृदय के स्वास्थ्य को सुधारने में सहायक होता है। प्रतिदिन 3 या 4 अखरोटों का सेवन आपके शरीर के लिए बहुत जरूरी है। इन्हें रात भर भिगो कर रखा जाए और फिर इनका सेवन किया जाए।

इजराइल ने गाजा में हमास की सैन्य खुफिया इकाई प्रमुख ओसामा तबाश को मार गिराया

गाजा पट्टी, 22 मार्च (एजेंसियां)।
इजराइली डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने दक्षिणी गाजा में आतंकी समूह हमास को तहस-नहस करने के अपने अभियान के दौरान उसके सैन्य खुफिया इकाई के प्रमुख ओसामा तबाश को मार गिराया। तबाश हमास में विभिन्न वरिष्ठ पदों पर पदस्थ रहा है। उसे खान यूनिस ब्रिगेड में बटालियन कमांडर भी बनाया गया था।

आईडीएफ ने एक्स हैंडल पर यह घोषणा करते हुए बताया कि तबाश हमास की युद्ध रणनीति तैयार करता रहा है। आईडीएफ ने एक्स पोस्ट में ओसामा तबाश का फोटो भी जारी किया है। इस बीच द टाइम्स अखबार की एक खबर के अनुसार आतंकी समूह हूती ने इजराइल को उसके बेन गुरियन हवाई अड्डा को निशाना बनाने की धमकी दी है। हूती ने कहा कि गाजा के खिलाफ इजराइली आक्रामकता का बदला लिया जाएगा। एक अन्य खबर के अनुसार, आईडीएफ ने सीरियाई सैन्य हवाई अड्डों पर हवाई हमला किया है।

खबरों में कहा गया है कि कुछ समय पहले लेबनान से मेटुला के उत्तरी सीमावर्ती समुदाय पर तीन रॉकेट दागे गए।

आईडीएफ ने दावा किया है कि तीनों रॉकेटों को उसकी हवाई सुरक्षा इकाई ने रोक दिया। किसी के घायल होने या नुकसान की तत्काल कोई रिपोर्ट नहीं है। इस हमले की अभी तक किसी आतंकी समूह ने जिम्मेदारी नहीं ली है।

आईडीएफ ने अपनी वेबसाइट पर कहा कि गाजा पट्टी से वापस लौटे बंधक हिशाम अल-सईद को इजराइली वायु सेना के हेलीकॉप्टर से अस्पताल भेजा जा रहा है। वहां वह अपने परिवार के सदस्यों से मिलेंगे और उन्हें चिकित्सा उपचार मिलेगा। इसके अलावा वापस लौटने वाले दो बंधकों- एलिया कोहेन और ओमर शेम टोव को भी इजरायली वायुसेना के हेलीकॉप्टरों से अस्पताल भेजा गया है।

न्यूज़ ब्रीफ

नेपाल में राजनीतिक दलों के चंदा लेने पर रोक का प्रस्ताव

काठमांडू। नेपाल निर्वाचन आयोग ने संसद को चुनाव संबंधी कानून में व्यापक फेरबदल की सलाह देते हुए राजनीतिक दलों के किसी भी प्रकार के चंदा लेने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव किया है। नए प्रस्तावित कानून में कहा गया है कि सरकार ही चुनाव खर्च का प्रबंधन करे। प्रमुख निर्वाचन आयुक्त दिनेश थपलिया ने इसकी पुष्टि की है। संसद की राज्य व्यवस्था संसदीय समिति के समक्ष आयोग के पदाधिकारियों ने इस संबंध में चुनाव संबंधी कानून में संशोधन विधेयक पर अपना पक्ष रखा। साथ ही विधेयक को संसद में पेश करने का आग्रह किया। समिति के समक्ष प्रमुख निर्वाचन आयुक्त थपलिया ने कहा कि राजनीतिक दलों को किसी भी व्यक्ति, संस्था, व्यापारी या अन्य किसी से भी आर्थिक सहायता लेने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाए। सभी राजनीतिक दलों का चुनाव खर्च के लिए निर्धारित धन सरकार उपलब्ध कराए, जिससे चुनाव के दौरान होने वाले धन के दुरुपयोग पर अंकुश लगाया जा सके। उन्होंने चुनाव में धन के दुरुपयोग को रोकने के लिए आयोग को और अधिक अधिकार देने का भी प्रस्ताव किया है। इसके अलावा निर्वाचन आयोग ने पूरे कार्यकाल में किसी भी सांसद को दल विभाजन का अधिकार नहीं देने का भी प्रस्ताव किया गया है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्र रूप से निर्वाचित होकर आने वाले सांसदों को पूरे कार्यकाल के दौरान किसी भी राजनीतिक दल में सहभागी होने पर भी प्रतिबंध लगाया जाए। हालांकि पार्टी की आधिकारिक केंद्रीय समिति के 40 प्रतिशत सदस्य और उस दल के संसद में निर्वाचित कुल सांसदों की संख्या के 40 प्रतिशत सांसदों द्वारा एक साथ आग्रह करने के बाद नए दल की मान्यता देने का प्रस्ताव भी रखा गया है। थपलिया का मानना है कि जनता के मत का सम्मान करने के लिए भी दल विभाजन और दल बदल पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए। आयोग ने प्रत्यक्ष चुनाव में 33 प्रतिशत महिलाओं की उम्मीदवारी अनिवार्य करने, समावेशी सिद्धांत को लागू करने के लिए आदिवासी, जनजाति, अल्पसंख्यक, दलित को भी प्रत्यक्ष निर्वाचन में सहभागी कराने का प्रस्ताव किया है।

उड़ानों को वापस बुलाएं और निर्वासित न करें, ट्रंप ने नहीं सुनी, अब जांच करेंगे जज

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर अदालती आदेशों की अवहेलना के आरोप लग रहे हैं।अमेरिका के एक जज जेम्स बोआस्बर्ग यह जांच करेंगे कि क्या डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन ने उनके आदेश को नजरअंदाज कर वेनेजुएला के प्रवासियों को एल साल्वाडोर भेज दिया है। ट्रंप प्रशासन ने एक पुराने युद्धकालीन कानून का उपयोग कर इन प्रवासियों को अमेरिका से बाहर भेजने के लिए उड़ानें भरी थीं। 16 मार्च को जब कुछ विमान हवा में थे, तब जज बोआस्बर्ग ने आदेश दिया कि इन उड़ानों को वापस बुलाया जाए और लोगों को निर्वासित न किया जाए। लेकिन ट्रंप प्रशासन का कहना है कि जज का यह आदेश मौखिक था, इसलिए उसे नहीं माना गया। अब जज यह जांच करेंगे कि किसने आदेश को नजरअंदाज किया और इसके क्या परिणाम होंगे। इस मामले में ट्रंप प्रशासन के अधिकारी राज्य गोपनीयता का दावा कर सकते हैं। इस दावे के तहत राज्य की जानकारी सार्वजनिक नहीं की जा सकती है। इस विवाद के चलते ट्रंप और उनके समर्थकों ने जज बोआस्बर्ग को उनके पद से हटाने (महाभियोग) की मांग की।

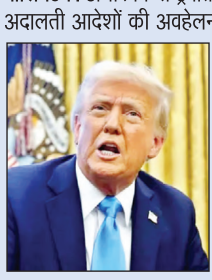

ट्रंप के दबाव में नीतियों को बदलेगा कोलंबिया विश्वविद्यालय

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पूरी दुनिया पर दबाव बना रहे हैं। ऐसे ही दबाव के चलते अमेरिका के कोलंबिया विश्वविद्यालय ने ट्रंप प्रशासन के दबाव में कई नीतियों में बदलाव करने का फैसला किया है। इनमें प्रदर्शन के नियमों में सख्ती, मध्य पूर्व (पश्चिम एशिया) अध्ययन विभाग की समीक्षा और परिसर में चेहरा ढकने (मास्क पहनने) पर रोक जैसे बदलाव शामिल हैं। ये बदलाव विश्वविद्यालय की अंतरिम प्रमुख कटरीना आर्मस्ट्रांग के पत्र के जरिए सामने आए, जो प्रशासन के उस आदेश के बाद आया जिसमें कहा गया था कि यदि बदलाव नहीं किए गए तो विश्वविद्यालय को मिलने वाली सरकारी फंडिंग बंद कर दी जाएगी। ट्रंप प्रशासन ने पहले ही विश्वविद्यालय के 400 मिलियन डॉलर का अनुसंधान अनुदान और अन्य सरकारी फंड रोक दिए थे और चेतावनी दी थी कि अगर विश्वविद्यालय ने अपनी नीतियों में बदलाव नहीं किया, तो और अधिक कटौती होगी। ट्रंप प्रशासन ने विश्वविद्यालय पर इजरायल के खिलाफ प्रदर्शनों को ठीक से न संभाल पाने का आरोप लगाया था।

विमान में 100 एमएल से ज्यादा पानी ले जाने की इजाजत नहीं

लंदन एयरपोर्ट पर घटी एक घटना ने बदल दिए नियम

लंदन, 22 मार्च (एजेंसियां)।

दुनिया के किसी भी एयरपोर्ट पर 100 एमएल से अधिक लिक्विड प्लेन में ले जाने की इजाजत क्यों नहीं दी जाती हैं। इसकी वजह है 19 साल पहले लंदन के हीथ्रो एयरपोर्ट पर हुई एक आतंकी घटना। दरअसल, यह मामला 2006 का है, जब एक आतंकी विस्फोट को पानी की बोतल में छिपाकर ले जा रहा था।

गनीमत रही कि सुरक्षा एजेंसियों इसकी भनक लग गई और आतंकी को वारदात को अंजाम देने से पहले ही दबोच लिया। इस घटना को इंटरनेशनल सिविल एविएशन ऑर्गनाइजेशन ने बड़ी गंभीरता से लिया था। भविष्य में ऐसी घटना को फिर से अंजाम न दिया जाए, लिहाजा 100 एमएल तक ही लिक्विड प्लेन में ले जाने की इजाजत देने का नियम बनाया गया।

इंटरनेशनल सिविल एविएशन ऑर्गनाइजेशन द्वारा बनाए गए इस नियम को दुनिया के सभी एयरपोर्ट ने अपने यहां लागू किया। इसके बाद से दुनिया के सभी एयरपोर्ट पर यात्रियों को अपने साथ लाए 100 एमएल लिक्विड को ही सिक्योरिटी होल्ड एरिया में ले जाने की इजाजत दी। भले ही यात्री अपने साथ सील्ड पैक बोतल में पानी ही क्यों ना लाया हो। इससे ज्यादा लिक्विड को सुरक्षा जांच के बाद चेकइन बैगेज में रखने का नियम भी बनाया गया था।

2006 में ब्रिटिश एयरवेज़ की एक फ्लाइट में यात्रा करने वाले कुछ यात्रियों ने एयरपोर्ट सुरक्षा चेक से पहले अपनी पानी की बोतलें अपने बैग में रख ली थीं। सुरक्षा अधिकारियों ने जब इन बोतल को चेक किया, तो पाया कि इनमें कुछ अजीब सा है और संदिग्ध पदार्थ है। इस पर सुरक्षा अधिकारियों ने छानबीन की और पाया कि कुछ बोतलें असल में विस्फोटक पदार्थों से भरी हुई थीं, जो पानी की बोतल की पैकिंग में छिपाई गई थीं।

यह मामला आतंकवादी साजिश का हिस्सा था, जिसमें कुछ आतंकी समूह पानी की बोतलें और अन्य साधारण सामान के जरिए विस्फोटक पदार्थों को एयरपोर्ट के भीतर ले जाने की साजिश को अंजाम देने की कोशिश कर रहे थे।

मस्क के मुरीद हुए ट्रंप बोले- सुनीता विलियम्स को मैं अपनी जेब से दूंगा ओवरटाइम

वॉशिंगटन। अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विलमोर को धरती पर सकुशल उतारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले अरबपति एलन मस्क की पूरी दूनिया में सराहना हो रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी उनके मुरीद हो गए है। उन्होंने मस्क की प्रशंसा करते हुए कहा कि नासा के अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विलमोर को उनके द्वारा अंतरिक्ष में अधिक समय तक रहने के लिए ओवरटाइम का भुगतान अपने निजी खजाने से करेंगे। ट्रंप ने कहा कि अगर मुझे जरूरत पड़ी तो मैं इसे अपने ही पैसे से भुगतान करूंगा। मैं एलन मस्क का धन्यवाद करना चाहता हूं क्योंकि सोचिए अगर वह नहीं होते तो क्या होता। नासा के अंतरिक्ष यात्री विलमोर और विलियम्स सरकारी कर्मचारियों की तरह ही एक मानक वेतन प्राप्त करते हैं। वे हफ्ते में 40 घंटे काम करते हैं और ओवरटाइम, सप्ताहांत या छुट्टियों के लिए अतिरिक्त भुगतान नहीं मिलता है। पिछले साल नासा के अंतरिक्ष यात्रियों ने 152,000 डॉलर से अधिक कमाए।अंतरिक्ष में भी अंतरिक्ष यात्री अपना नियमित वेतन प्राप्त करते हैं। उन्हें सरकारी कर्मचारियों के रूप में आधिकारिक यात्रा पर माना जाता है। इसका मतलब है कि नासा उनके परिवहन, ठहरने और भोजन का खर्च उठाता है। इसके अतिरिक्त उन्हें रोजमर्रा के छोटे खर्चों के लिए अतिरिक्त राशि मिलती है जिसे इंसीडेंटल्स कहा जाता है। वर्तमान में यह राशि 5 डॉलर प्रति दिन है। विलमोर और विलियम्स ने अंतरिक्ष में 286 दिन बिताए। दोनों को 1,430 डॉलर मिलते हैं।

फ्लाइट में नहीं चढ़ने दिया तो महिला ने कुत्ते को डुबो-डुबोकर मार डाला, गिरफ्तार

वॉशिंगटन, 22 मार्च (एजेंसियां)।

अमेरिका के फ्लोरिडा एयरपोर्ट पर एक महिला को पुलिस ने अरेस्ट कर लिया है। आरोप था कि महिला ने एयरपोर्ट के वॉशरूम में कुत्ते को डुबो-डुबोकर मार डाला। वजह ये थी कि कागजी कार्यवाही में गड़बड़ी के कारण अपने पेट को अंतरराष्ट्रीय उड़ान में ले जाने की इजाजत महिला को नहीं मिली थी। फिर वो फ्लोरिडा हवाईअड्डे के बाथरूम में पहुंची और मौका पाकर कुत्ते को डुबो दिया और उसकी डेड-बॉडी को डस्टबीन में फेंककर अपनी फ्लाइट पकड़कर चलती बनी।

अब इस महिला को लेक काउंटी के अधिकारियों ने पशु दुर्व्यवहार के आरोप में अरेस्ट कर लिया है। बाद में उसे यूएसडी 5,000 की जमानत पर रिहा कर दिया गया।

ऑरलैंडो पुलिस विभाग ने कहा, यह कार्य जानबूझकर किया गया था और इससे जानवर की नृशंस और अनावश्यक मौत हुई।

जानकारी के मुताबिक टाइविन नामक 9 साल के पेट डॉग की हत्या की जांच पिछले साल दिसंबर में शुरू हुई थी। एयरपोर्ट के वॉशरूम में सफाई कर्मचारी ने कूड़ेदान की थैली में कुत्ते का शव पाया था। सफाई कर्मचारी ने महिला को वॉशरूम के अंदर फैला हुआ कुछ सामान उठाते हुए पेट डॉग के साथ देखा था।

इसके बाद वो एक इमरजेंसी कॉल पर चला गया। 20 मिनट बाद लौटा तो टाइविन को कूड़ेदान में मरा पड़ा था। कुत्ते के साथ टंगे टैग पर महिला का नाम और फोन नंबर लिखा था। सीसीटीवी फुटेज की जांच से पता चला कि लैटम एयरलाइंस के काउंटर पर महिला कुत्ते के साथ मौजूद थी और बातचीत कर रही थी।

अमेरिका ने चीनी रिफाइनरी पर लगाया प्रतिबंध

चीन एक रिफाइनरी पर अमेरिका ने प्रतिबंध लगा दिया। आरोप है कि इस रिफाइनरी ने ईरान से लाखों बैरल तेल खरीदा है। साथ ही अवैध रूप से तेल का व्यापार करने वाले ईरान के जहाजों के छद्म बेड़े पर भी प्रतिबंध लगा दिया है। ये प्रतिबंध ईरान के परमाणु कार्यक्रम को रोकने की कोशिश का हिस्सा हैं। साथ ही ईरान द्वारा आतंकी गुटों को फंडिंग देने से रोकने का प्रयास है। अमेरिका के विदेश विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि अमेरिका ने चीन के तेल भंडारण टर्मिनल पर भी प्रतिबंध का एलान किया है। विदेश विभाग ने कहा कि ईरान से तेल खरीदकर इसी तेल भंडारण टर्मिनल में इकट्ठा किया गया है। यह टर्मिनल एक तरह से चीन के बाजार में ईरान के तेल का गेटवे है।

नेपाल सरकार की फेसबुक, एक्स इंस्टाग्राम पर प्रतिबंध लगाने की चेतावनी

काठमांडू, 22 मार्च (एजेंसियां)।

नेपाली सरकार ने विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्म- फेसबुक, एक्स, इंस्टाग्राम को पत्र लिखकर चेतावनी दी है कि अगर वे एक महीने में पंजीकरण करने में विफल रहते हैं तो इन तीनों पर प्रतिबंध लगा दिया जाएगा।

संचार और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने शनिवार को एक नोटिस जारी करते हुए अपंजीकृत प्लेटफार्मों को सोशल मीडिया दिशानिर्देशों के खंड 3, उप-खंड (7) के तहत प्रतिबंधों का सामना करने की चेतावनी दी है। नोटिस को लेकर सरकार के प्रवक्ता पृथ्वी सुब्बा गुरुंग ने बताया कि बार-बार सभी सोशल मीडिया साइट्स को पंजीकरण का आग्रह किया गया था जिसके बाद अब तक सिर्फ वाइबर और टिकटॉक ने नेपाल में पंजीकरण करवाया है।

गुरुंग ने कहा कि यह अंतिम बार एक महीने का नोटिस दिया गया है। यदि इस बार भी इन प्लेटफार्मों का पंजीकरण नहीं कराया जाता है तो नेपाल में इसके उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया जाएगा। फेसबुक, एक्स, टिकटॉक और लिंक्डइन जैसे प्लेटफार्मों से सोशल मीडिया उपयोग विनियमन दिशानिर्देशों का पालन करने का बार-बार आग्रह किया गया है।

इसके अतिरिक्त सरकार ने संसद में एक सोशल मीडिया विधेयक पेश कर सोशल मीडिया के सभी प्लेटफार्मों को कानून के अधिनियमन के छह महीने के भीतर सोशल मीडिया विभाग के साथ पंजीकरण करना होगा। अनुपालन में विफल रहने पर प्रतिबंध लगाया जाएगा। विधेयक में साइबरबुलिंग, हैकिंग और गलत सूचना जैसे अपराधों के उल्लंघन के लिए पांच साल तक की जेल की सजा के साथ-साथ 5 लाख रुपये तक का जुर्माना भी शामिल है।

हीथ्रो एयरपोर्ट पर परिचालन पूरी तरह से शुरू, आग लगने से बिजली हो गई थी गुल

लंदन, 22 मार्च (एजेंसियां)। लंदन के हीथ्रो एयर पोर्ट ने शनिवार को कहा कि बिजली आपूर्ति बाधित होने के बाद उड़ानें फिर से शुरू हो गई हैं और हवाई अड्डा अब 'पूरी तरह से चालू' है। हवाई अड्डे ने एक बयान में कहा, हम पुष्टि कर सकते हैं कि हीथ्रो आज खुल गया है और पूरी तरह से चालू है। एयरपोर्ट पर टीमें कल हवाई अड्डे के बाहर स्थित बिजली सबस्टेशन में हुई खराबी से प्रभावित यात्रियों की मदद के लिए हर संभव प्रयास कर रही हैं। इसने कहा कि उड़ानों के लंबित मामलों को निपटाने में मदद के लिए सैकड़ों अतिरिक्त कर्मचारियों को तैनात किया गया है।बयान में कहा गया, हमने एयरपोर्ट से यात्रा करने वाले अतिरिक्त 10,000 यात्रियों की सुविधा के लिए आज के शेड्यूल में उड़ानें जोड़ी हैं। यात्रियों को अपनी फ्लाइट के बारे में नवीनतम जानकारी के लिए अपनी एयरलाइन से संपर्क करने का सुझाव दिया है। हवाई अड्डे के मुख्य कार्यकारी अधिकारी

थॉमस वोल्डबाय ने कहा कि उन्हें शनिवार को 'बड़ी मात्रा में' देरी और रद्दीकरण की उम्मीद नहीं है, लेकिन एयरलाइनों को उन यात्रियों से निपटना होगा जो बिजली कटौती के कारण हुई रुकावट से फंसे हुए हैं।द गार्जियन की रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया के सबसे व्यस्त हवाई अड्डों में से एक हीथ्रो के बंद होने से 200,000 लोगों का ट्रैवल प्लान बाधित होने का अनुमान है। इस बीच, मेट्रोपॉलिटन पुलिस (मेट) के आतंकवाद-रोधी अधिकारी पास के बिजली सबस्टेशन में लगी आग की जांच का नेतृत्व कर रहे हैं, जिसके कारण हवाई अड्डे को बंद कर दिया गया। उन्होंने कहा कि आतंकवाद निरोधी कमान कारण जांच का नेतृत्व कर रहा है।प्रवक्ता ने कहा कि 'फिलहाल किसी गड़बड़ी का कोई संकेत नहीं है', लेकिन अधिकारी आग लगने के कारण के संबंध में 'इस समय खुले दिमाग से' काम कर रहे हैं। अनुसार, गुरुवार रात को पश्चिमी लंदन के हेस में एक बिजली सबस्टेशन में दो विस्फोटों और आग लगने के बाद उड़ानें रद्द कर दी गईं। लोगों को उनके घरों से निकाला गया और स्थानीय स्कूल बंद कर दिए गए। कुछ विमानों को लंदन गैटविक एयरपोर्ट, पेरिस और आयरलैंड के शैनन एयरपोर्ट सहित अन्य हवाई अड्डों पर भेजा गया।पिछले साल रिकॉर्ड 83.9 मिलियन यात्रियों को संभालने वाले एयरपोर्ट ने कहा कि उसके बैक-अप डीजल जनरेटर उम्मीद के मुताबिक काम कर रहे थे... लेकिन उन्हें पूर्ण संचालन की अनुमति देने के लिए डिजाइन नहीं किया गया है। वैकल्पिक उड़ानों की व्यवस्था जल्द की जा रही है। एयरपोर्ट के अंदर आवश्यक सुविधाओं को भी चालू कर दिया गया है ताकि यात्रियों को अधिक परेशानी न हो।

चूहे अपने बेहोश साथियों की मदद का करते है प्रयास: शोध

कैलिफोर्निया। चूहे अपने बेहोश साथियों की मदद करने के लिए सक्रिय रूप से प्रयास करते हैं। वे न केवल अपने साथियों के चेहरे को चाटते हैं, बल्कि कई बार उनकी जुबान और मुंह को खींचते भी हैं। हाल ही में एक शोध में शोधकर्ताओं ने पाया कि जो चूहे अपने साथियों के साथ अधिक समय बिताते हैं, वे अधिक तीव्रता से उनकी देखभाल करते हैं। यह व्यवहार बेहोश चूहे की रिकवरी को तेज करने में सहायक साबित हुआ। यूनिवर्सिटी ऑफ साउदर्न कैलिफोर्निया के शोधकर्ता वेनजियान सुन ने इसे इंस्टिंक्टिव इमरजेंसी रिस्पॉन्स बताया। सुन ने कहा कि यह पहली बार है जब किसी अध्ययन में यह प्रमाणित हुआ है कि बिना किसी प्रशिक्षण के चूहे अपने बेहोश साथियों की मदद करने की कोशिश करते हैं। दूसरे जानवरों में भी देखभाल करने वाला व्यवहार देखा गया है। डॉल्फिन, हाथी और प्राइमेट्स घायल साथियों की सहायता करते हैं। हालांकि, चूहों में टंग-बाइटिंग और टंग-पुलिंग जैसा व्यवहार पहली बार दर्ज किया गया है। रिसर्च में यह भी पाया गया कि चूहे अपने जागे हुए साथियों की तुलना में बेहोश चूहों के साथ अधिक समय बिताते हैं। 13 मिनट के परीक्षण के दौरान चूहों ने औसतन 47 प्रतिशत समय अपने बेहोश साथी के साथ गुजारा। शुरुआत में वे हल्के से चाटते थे, लेकिन धीरे-धीरे उनकी गतिविधियां अधिक तीव्र हो गईं। चूहों ने अपने बेहोश साथी को पहचानने के लिए विजुअल संकेतों की जरूरत नहीं समझी। यहां तक कि अंधेरे में भी उन्होंने देखभाल करने वाला व्यवहार दिखाया। जिन चूहों को अधिक तीव्र ग्रूमिंग मिली, वे तेजी से होश में आ गए। दिलचस्प बात यह थी कि जैसे ही साथी चूहा होश में आया, देखभाल करने वाले चूहे ने अपनी गतिविधि रोक दी। एक अन्य अध्ययन में, यूसीएलए के शोधकर्ताओं ने इस व्यवहार के न्यूरोलॉजिकल कारणों को समझने की कोशिश की। उन्होंने पाया कि चूहों का यह व्यवहार ऑक्सीटोसिन हार्मोन से जुड़ा है, जो सोशल बॉन्डिंग, ट्रस्ट और स्नेह में अहम भूमिका निभाता है।

मियामी ओपन 2025 : डेविड गॉफिन ने दूसरे दौर में कार्लोस अल्कराज को चौंकाया

नई दिल्ली,22 मार्च (एजेंसियां) ।

विश्व नंबर 3 कार्लोस अल्कराज को मियामी ओपन के दूसरे दौर में बेल्जियम के डेविड गॉफिन के हाथों अप्रत्याशित हार का सामना करना पड़ा। हार्ड रॉक स्टेडियम में शुक्रवार को खेले गए इस मुकाबले में गॉफिन ने अल्कराज को तीन सेटों में 5-7, 6-4, 6-3 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया।

2022 में मियामी ओपन खिताब जीतने वाले 21 वर्षीय अल्कराज इस बार अपनी लय में नजर नहीं आए। दूसरी ओर, पूर्व विश्व नंबर 7 गॉफिन ने शानदार खेल दिखाया और लगभग ढाई घंटे तक चले इस संघर्षपूर्ण मुकाबले में अपना अनुभव साबित किया।

गॉफिन, जो पहले दौर में ऑस्ट्रेलिया के एलेक्जेंडर वुकिक के खिलाफ भी एक सेट से पिछड़ गए थे, ने अल्कराज के खिलाफ भी वही जुझारूपन दिखाया। बेल्जियन स्टार ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया और स्पैनियार्ड को उनके खेल में स्थापित होने का मौका नहीं दिया।

गॉफिन ने तीनों सेटों में शुरुआती ब्रेक हासिल किए और फिर बढ़त बनाए रखते हुए मुकाबला अपने नाम किया। दुनिया के 55वें नंबर के खिलाड़ी ने मैच के दौरान अपने दूसरे सर्व रिटर्न पॉइंट्स का 45त्न (15/33) जीता और नेट पर भी आक्रामक रुख अपनाते हुए 24 में से 17 पॉइंट्स अपने नाम किए।

दूसरी ओर, अल्कराज ने कई अनफोर्स्ड एरर किए, जिनमें फ़ोरहैंड से 28 गलतियां शामिल थीं, जो उनकी हार की एक प्रमुख वजह बनीं।

मैच के बाद गॉफिन ने अपनी रणनीति के बारे में कहा, मैंने सोचा था कि रिटर्न पर आक्रामक रहना जरूरी होगा, खासकर उनके दूसरे सर्व पर। अगर मैं बहुत ज्यादा निष्क्रिय रहता, तो उनके पास फ़ोरहैंड और अन्य कई हथियार थे, जिससे वापसी करना मुश्किल हो जाता। गॉफिन अब राउंड ऑफ़ 16 में अमेरिका के ब्रैंडन नकाशिमा से भिड़ेंगे। मैच के बाद अल्कराज ने माना कि वह अपनी सर्वश्रेष्ठ लय में नहीं थे। उन्होंने कहा, मेरा प्रदर्शन खराब था। मैंने अच्छा टेनिस नहीं खेला। मेरे पैरों में थोड़ी भारीपन की अनुभूति हो रही थी। उन्होंने कहा, मुझे लगा था कि मैं अच्छा खेलूंगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। तीसरे सेट में जब मैं ब्रेक डाउन हुआ, तो मैं शारीरिक रूप से भी सहज महसूस नहीं कर रहा था और आत्मविश्वास की भी कमी थी, जिससे वापसी करना मुश्किल हो गया।

न्यूज ब्रीफ

इंडोनेशिया 3×3 राष्ट्रीय टीम 2025 फीबा एशिया कप के लिए तैयार, मुख्य ड्रॉ में क्वालीफाई करने का लक्ष्य

जकार्ता। इंडोनेशिया की 3×3 राष्ट्रीय बास्केटबॉल टीम के कोच फंदी एंडिका रमाधानी ने आशा व्यक्त की है कि उनकी टीम 2025 फीबा 3×3 एशिया कप के मुख्य ड्रॉ में क्वालीफाई करेगी। कोच ने शुक्रवार को इंडोनेशियाई बास्केटबॉल संघ द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा,हमें उम्मीद है कि पुरुष और महिला दोनों टीमें मुख्य ड्रॉ में जगह बना सकेंगी। 2025 फीबा 3×3 एशिया कप 26 से 30 मार्च तक सिंगापुर के ओसीबीसी स्क्वायर में आयोजित किया जाएगा। रमाधानी ने बताया कि टीम की तैयारी को अधिकतम स्तर पर ले जाने के लिए वे रक्षात्मक मजबूती और शॉट सटीकता पर विशेष ध्यान दे रहे हैं, क्योंकि ये दोनों पहलू टीम की सफलता के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि वह इस साल के टूर्नामेंट में कड़ी मेहनत करेंगे और मुख्य ड्रॉ में जगह बनाने के लक्ष्य को हासिल करने का प्रयास करेंगे। इंडोनेशिया की पुरुष 3×3 राष्ट्रीय टीम क्वालीफाइंग राउंड के ग्रुप ए में मलेशिया, चीन के हांगकांग, बहरीन और गुआम के खिलाफ मुकाबला करेगी। वहीं, इंडोनेशिया की महिला 3×3 राष्ट्रीय टीम ग्रुप डी में तुर्कमेनिस्तान, चीन के मकाओ और पापुआ न्यू गिनी के खिलाफ खेलेगी।

अफ्रीका कप ऑफ नेशंस अंडर 17: युगांडा ने घोषित की 22 सदस्यीय फाइनल टीम

कंपाला। युगांडा की अंडर-17 राष्ट्रीय फुटबॉल टीम (कब्स) के मुख्य कोच ब्रायन सेन्योंडो ने

आगामी अफ्रीका कप ऑफ नेशंस अंडर 17 टूर्नामेंट के लिए अंतिम 22 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। यह टूर्नामेंट 30 मार्च से 19 अप्रैल 2025 तक मोरक्को में आयोजित किया जाएगा। युगांडा को ग्रुप ए में मेजबान मोरक्को, तंजानिया और जाम्बिया के साथ रखा गया है। यह टूर्नामेंट फीफा अंडर 17 वर्ल्ड कप 2025 (कतर) के लिए क्वालिफिकेशन का माध्यम भी है, जिसमें शीर्ष 10 अफ्रीकी टीमें वैश्विक टूर्नामेंट में जगह बनाएंगी। युगांडा की टीम अपना पहला मुकाबला 30 मार्च को मोरक्को के खिलाफ एल बाचिर स्टेडियम में खेलेगी। गुरुवार शाम टीम युगांडा से मोरक्को के लिए रवाना हुई, जहां वे आगे की ट्रेनिंग और कुछ प्री-टूर्नामेंट फ्रेंडली मुकाबले खेलेंगे। युगांडा अंडर 17 टीम की अंतिम 22 सदस्यीय सूची: गोलकीपर: एड्रियन मुकवांगा, जोवन नसेरेको मुकिसा। डिफेंडर: हमजा सेनगूबा, एथन अडेलेक अफुगा एंड्रियास ओयेडेले, जोसेफ लैंगोल, एल्विस तोराच, डेरिक सोजी थॉमस ओगेमा। मिडफील्डर: इसिमा मुलाला मगाला, रिचर्ड ओकेलो, स्टीवन ओयिरवोथ, ट्रेवर मुबिरु, साइमन वान्यामा, शकूर बागियो लकी मागोगो। फॉरवर्ड: ब्रायन ज्जारा, जॉन ब्रायन ओविनो, मार्विन कबीतो, मुहम्मद मसाबो, अशरफ लुक्यमुजी, अशरफ क्याकुवा, अब्दुल लुकेनजेन्टेगे, जेम्स बोगेरे।

ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज हैरी कॉनवे ने नॉर्थम्पटनशायर के साथ करार किया

लंदन। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज हैरी कॉनवे ने काउंटी चैम्पियनशिप में खेलने के लिए नॉर्थम्पटनशायर के

साथ करार किया है। 32 वर्षीय कॉनवे वॉन्टेज रोड में चार डिवीजन टू मुकाबलों में नॉर्थम्पटनशायर का प्रतिनिधित्व करेंगे। उनका पहला मैच 2 मई को लीसेस्टरशायर के खिलाफ होगा, इसके बाद लंकाशायर, ग्लैमॉर्गन और ग्लॉस्टरशायर के खिलाफ खेलेंगे। कॉनवे ने इस सर्दी में शेफील्ड शील्ड फाइनलिस्ट दक्षिण ऑस्ट्रेलिया के लिए तीन मुकाबले खेले, जिसमें उन्होंने 27.12 की औसत से आठ विकेट झटके। एक तेज गेंदबाज के रूप में वह अच्छी उछाल हासिल करने की क्षमता रखते हैं और नॉर्थम्पटनशायर के सीम आक्रमण को मजबूती प्रदान करेंगे, जो पिछले सत्र के अंत में जैक व्हाइट के यॉर्कशायर जाने से कमजोर हो गया था। पूर्व ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 खिलाड़ी कॉनवे ने अपने करियर की शुरुआत न्यू साउथ वेल्स से की थी, लेकिन 2022 में एडिलेड ओवल में दक्षिण ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलने का फैसला किया। उनके फर्स्ट-क्लास करियर में 46 मुकाबलों में 119 विकेट हैं और उनका गेंदबाजी औसत 28.86 है।

एक युद्ध का मैदान जहां नायक बनते हैं : शाहरुख

-आईपीएल ओपनिंग सेरेमनी में शाहरुख, कोहली और रिंकू का डांस
-दिशा पाटनी ने मलंग-मलंग पर परफॉर्म किया
-करण ने हुस्न तेरा तौबा-तौबा गाया

कोलकाता, 22 मार्च (एजेंसियां)। आईपीएल के 18वें सीजन का शनिवार को धमाकेदार आगाज हुआ। कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में आयोजित ओपनिंग सेरेमनी में बॉलीवुड स्टार शाहरुख खान, विराट कोहली और रिंकू सिंह ने एक साथ डांस किया। कोहली ने झूमे जो पठान और रिंकू सिंह ने मैं लुट गया...गाने पर शाहरुख के साथ स्टेप किए।

सेरेमनी को शाहरुख खान ने होस्ट किया। उन्होंने पठान फिल्म के डायलॉग- 'पार्टी पठान के घर में रखोगे... तो मेहमान नवाजी के लिए पठान तो आएगा और साथ में पटाखे भी लाएगा...' से शुरुआत की। पहली प्रस्तुति श्रेया घोषाल ने दी। उन्होंने भूल भुलैया फिल्म के गाने मेरे ढोलना सुन...पहला गाना गाया। उसके बाद घूमर-घूमर और कर हर मैदान फतह...जैसे गाने गए। फिर बॉलीवुड एक्ट्रेस दिशा पाटनी ने मलंग-मलंग गाने पर डांस किया। पंजाबी सिंगर करण औजला ने माहौल पूरा वेवी..., हुस्न तेरा तौबा-तौबा...गाया। औजला की प्रस्तुति पर दिशा पाटनी ने भी परफॉर्म किया।

मेगास्टार और कोलकाता नाइट राइडर्स के मालिक शाहरुख खान ने शनिवार को यहां ईडन गार्डन्स में 2025 इंडियन प्रीमियर लीग सीजन के उद्घाटन समारोह में कार्यवाही की शुरुआत की। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) अब अपने 18वें सीजन में प्रवेश कर रहा है, इस सदाबहार अभिनेता, जिन्हें अपने दशकों के काम के माध्यम से प्रशंसकों को झूमने पर मजबूर करने का हुनर है, ने टॉस से पहले सिटी ऑफ जॉय को संबोधित किया। शाहरुख ने कहा, यह सिर्फ एक लीग के रूप में नहीं बल्कि एक आंदोलन के रूप में सामने आया है। खेल का उत्सव, जुनून का त्योहार, एक युद्ध का मैदान जहां नायक बनते हैं। हम यहां 'जॉय के शहर' कोलकाता में हैं। तो चलिए इस भव्य तमाशे को उसी ऊर्जा, उसी पागलपन, उसी प्यार के साथ प्रज्वलित करते हैं जो आईपीएल है, दुनिया की सबसे बड़ी क्रिकेट लीग। कोलकाता! क्या आप तैयार हैं?शाहरुख खान के खास अंदाज में, अभिनेता ने अपनी एक फिल्म 'पठान' का संदर्भ देते हुए भीड़ को उन्माद में डाल दिया। उन्होंने कहा, पार्टी पठान के घर पे रखोगे तो मेहमान नवाजी के लिए पठान खुद आएगा और पटाखे भी लाएगा।

हालांकि 59 वर्षीय अभिनेता ने उस दिन कोई प्रस्तुति नहीं दी, लेकिन उन्होंने गायिका श्रेया घोषाल, अभिनेत्री दिशा पटानी और हिप-हॉप कलाकार करण औजला के लिए मंच तैयार किया।

हालांकि, घटनाओं के अप्रत्याशित मोड़ में, शाहरुख मैदान पर वापस आए और टूर्नामेंट के 18 सत्रों में एक टीम का प्रतिनिधित्व करने वाले एकमात्र खिलाड़ी विराट कोहली और युवा खिलाड़ी रिंकू सिंह को 'गोल्ड बनाम बोल्ड बहस' में शामिल होने के लिए पेश किया।कोहली ने कहा, बोल्ड पीढ़ी तेजी से आगे बढ़ रही है, लेकिन पुरानी पीढ़ी यहीं रहने वाली है।रिंकू ने कहा, हम निश्चित रूप से उन्हें टक्कर दे सकते हैं।रिंकू और कोहली दोनों ने हंसी-मजाक किया और इस सेगमेंट को खत्म करने के लिए बॉलीवुड के बादशाह के साथ डांस किया। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया, आईपीएल चेयरमैन अरुण धूमल, बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला और बीसीसीआई कोषाध्यक्ष प्रभतेज सिंह भाटिया को भी मंच पर आमंत्रित किया गया था। बीसीसीआई अध्यक्ष रोजर बिन्नी ने कोहली को आईपीएल सीजन 18 का विशेष स्मृति चिन्ह भेंट किया।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) दो टीमें हैं जो सीजन की शुरुआत करेंगी और दिलचस्प बात यह है कि दोनों टीमें नए नेतृत्व के तहत अपना अभियान शुरू करेंगी, जिसमें अजिंक्य रहाणे कोलकाता की कप्तानी करेंगे जबकि रजत पाटीदार आरसीबी की कमान संभालेंगे।एक और दिलचस्प तथ्य यह है कि इन दोनों टीमों का पहले संस्करण के शुरुआती मैच में आमना-सामना हुआ था। केकेआर अपने खिताब की रक्षा के लिए मजबूत शुरुआत की उम्मीद कर रही होगी, जबकि पाटीदार की अगुवाई वाली आरसीबी इस बार पिछले प्रदर्शन को खत्म करने की कोशिश करेगी। पिछले साल टी20 विश्व कप में भारत की जीत के बाद खेल के सबसे छोटे प्रारूप से संन्यास की घोषणा करने वाले भारतीय दिग्गज विराट कोहली को पहली बार टी20 प्रारूप में देखना घरेलू प्रशंसकों के लिए भी एक शानदार नजारा होगा।दोनों टीमें आईपीएल इतिहास में 34 बार आमने-सामने हुई हैं, लेकिन संयोग से, दोनों टीमें 2008 में उद्घाटन संस्करण के उद्घाटन मैच में खेली थीं, जिसमें केकेआर ने 20 जीत के साथ बढ़त हासिल की थी। दोनों पक्षों के बीच पिछले पांच मैचों में, रुझान कोलकाता के पक्ष में बदल गया है क्योंकि उन्होंने चार मौकों पर जीत हासिल की है। केकेआर के खिलाफ आरसीबी की आखिरी जीत आईपीएल 2022 सीजन में आई थी।

विराट और सॉल्ट की साझेदारी से आरसीबी ने जीता पहला मैच, केकेआर को सात विकेट से हराया

कोलकाता,22 मार्च (एजेंसियां) । रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने जीत के साथ आईपीएल 2025 का आगाज किया है। डिफेंडिंग चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ आरसीबी ने 7 विकेट से जीत हासिल की। इस जीत से आरसीबी ने 17 साल पहले मिली हार का बदला भी ले लिया है। आईपीएल के पहले सीजन का मुकाबला भी इन्हीं दोनों टीमों के बीच हुआ था। तब केकेआर को जीत मिली थी। अब 18वें सीजन में जाकर पहले मैच में इन दोनों टीमों की टक्कर हुई थी। पहले खेलते हुए केकेआर ने 174 रन बनाए थे। आरसीबी ने दो विकेट खोकर मैच को 17वें ओवर में ही अपने नाम कर लिया।

अजिंक्य रहाणे ने कोलकाता नाइट राइडर्स की कप्तानी में शानदार शुरुआत करते हुए 25 गेंद में अर्धशतक जड़ा। सुनील नारायण ने 26 गेंद में 44 रन की पारी के साथ उनका शानदार साथ दिया। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 10 रन प्रति ओवर से अधिक की गति से 55 गेंद में 103 रन की साझेदारी कर बड़े स्कोर की नींव रखी। 10 ओवर के बाद टीम का स्कोर 2 विकेट पर 107 रन था।

इसके बाद क्रुणाल पंड्या के तीन विकेट की बदौलत गत चैम्पियन टीम 200 रन के आंकड़े से काफी दूर रह गई। भारत के लिए अपना पिछला टी20 मैच 2016 में खेलने वाले 36 वर्षीय अनुभवी रहाणे को श्रेयस अय्यर की जगह केकेआर का कप्तान बनाया गया है। उन्होंने 31 गेंदों पर 56 रनों की बेखौफ पारी खेली। क्रुणाल ने हालांकि बीच के ओवरों में 29 रन पर तीन विकेट झटक कर केकेआर की रणगति पर अंकुश लगा दिया। इस हाथ के स्पिनर ने रहाणे को आउट करने के बाद अपने लगातार ओवरों में वेंकटेश अय्यर (छह) और रिंकू सिंह (12) को पवेलियन की राह दिखायी।

केकेआर के निचले मध्यक्रम के बल्लेबाजों ने निराश किया। इसमें उनके सबसे महंगे 23.75 करोड़ रुपये के खिलाड़ी वेंकटेश अय्यर, रिंकू सिंह और आंद्रे रसेल शामिल थे। इन बल्लेबाजों की नाकामी से टीम आखिरी चार ओवर में दो विकेट गंवाकर 23 रन ही बना सकी। पारी के पहले ओवर में क्विंटन डिकॉक (चार) को चलता करने वाले जोश हेजलवुड ने चार ओवर में 22 रन देकर दो सफलता हासिल की। हेजलवुड और यश दयाल की शानदार गेंदबाजी के सामने केकेआर ने शुरुआती तीन ओवर में सिर्फ नौ रन बनाये थे।विराट और साल्ट ने पावरप्ले में खत्म किया मैचविराट कोहली और फिल साल्ट ने आरसीबी को विस्फोटक शुरुआत दी। केकेआर को इसी शुरुआत की उम्मीद भी नहीं थी। पिछले सीजन केकेआर का हिस्सा रहे फिल साल्ट आते ही गेंदबाजों की कुटाई शुरू कर दी।

बॉक्सिंग के बादशाह जॉर्ज फोरमैन का 76 साल की आयु में निधन

वाशिंगटन,22 मार्च (एजेंसियां) ।

हैवीवेट बॉक्सिंग चैंपियन और ग्रिलिंग के दिग्गज जॉर्ज फोरमैन का 76 साल की आयु में शुक्रवार को निधन हो गया। उन्होंने 45 साल की उम्र में असंभव को संभव में बदलकर खिताब वापस पाने के लिए वापसी की। उन्होंने अकूत पैसा कमाया। उनके परिवार ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर उनकी मृत्यु की घोषणा की। परिवार ने इसके लिए कोई कारण नहीं बताया है।

फोरमैन 10 साल दूर रहने के बाद जब रिंग में लौटे तो संदेह था कि उनके जैसे उम्र के फाइटर किसी भी युवा फाइटर को हरा सकते हैं। 1994 में उन्होंने अपराजित माने जाने वाले माइकल मूरर को हराकर विश्व खिताब हासिल कर बॉक्सिंग की दुनिया को चौंका दिया। लास एजेंल्स टाइम्स अखबार के

अनुसार, जॉर्ज फोरमैन रंबल इन द जंगल हैवीवेट चैम्पियनशिप फाइट में मोहम्मद अली से मुकाबला किया था। जॉर्ज लीन मीन इलेक्ट्रिक ग्रिल को बढ़ावा देने में इतने सफल रहे कि एक पूरी पीढ़ी उन्हें टेलीविजन ग्रिल वाले व्यक्ति के रूप में पहचानती हुई बड़ी हुई। उन्होंने अपने 81 मुकाबलों में से 76 में जीत हासिल की। जॉर्ज ने इनमें 68 मुकाबलों में नॉकआउट रहे। उन्होंने पांच शादी की। इनसे 12 बच्चे हुए। उन्होंने अपने सभी पांच बेटों का नाम जॉर्ज रखा। काफी पहले उन्होंने अपनी वेबसाइट पर स्पष्ट किया था, मैंने अपने सभी बेटों का नाम जॉर्ज एडवर्ड फोरमैन रखा, ताकि उनमें हमेशा कुछ न कुछ समानता रहे। मैं उनसे कहता हूं कि अगर हममें से कोई ऊपर जाता है, तो हम सब एक साथ ऊपर जाते हैं, और अगर कोई नीचे जाता है, तो हम सब एक साथ नीचे जाते हैं। जॉर्ज के जैविक पिता लेरॉय मूरहेड थे। जॉर्ज का बचपन घोर अभाव में बीता। उनके स्कूल के लंच में अकसर मेयोनेद सैंडविच होते थे। उन्होंने स्थिति को सुधारने के लिए दुकानों से सामान चुराया। छात्रों से उगाही की। सड़क पर लोगों को लूटा। उन्होंने एक बार कहा था कि उनका लक्ष्य जेल जाना था। इसके बाद अपने गृहनगर ह्यूस्टन में सबसे भयंकर गिरोह बनाना था। बड़े होने पर जॉर्ज ने शौकिया तौर पर मुक्केबाजी को चुना और प्रशिक्षण के लिए बे एरिया चले गए। उन्होंने शौकिया रैंक के माध्यम से आगे बढ़ते हुए 1968 में मैक्सिको सिटी में ग्रीष्मकालीन ओलंपिक के लिए अर्हता प्राप्त की। उन्होंने सोवियत संघ के लिए लड़ रहे लिथुआनियाई जोनास सेपुलिस को स्वर्ण पदक हेवीवेट मैच में 1ड्ड राउंड तक खून से लथपथ किया। रेफरी के लड़ाई रोकने पर उन्होंने जीत हासिल की।फोरमैन ने एक लघु अमेरिकी ध्वज लहराते हुए रिंग के चारों ओर परेड की। फोरमैन ने पूर्व हेवीवेट चैंपियन सोनी लिस्टन के साथ मुकाबला किया। जब वह पेशेवर बने तो लिस्टन की प्रबंधन टीम के साथ से जुड़ गए। फोरमैन ने जनवरी 1973 में किंग्स्टन, जमैका में चैंपियन जो फ्रेजियर के खिलाफ मुकाबला करते हुए हैवीवेट डिवीजन में जगह बनाई थी। उन्होंने फ्रेजियर को गिराया और हॉवर्ड कॉसेल के उत्साहित आह्वान के बीच दूसरे राउंड में तकनीकी नॉकआउट पर जीत हासिल की। वह रिंग में पूर्व चैंपियन मोहम्मद अली से भी भिड़े। अली ने 1960 के दशक के मध्य में हैवीवेट डिवीजन पर अपना दबदबा बनाया था। वियतनाम युद्ध के दौरान अमेरिकी सैन्य मसौदे का जवाब देने से इनकार करने के बाद उनसे खिताब छीन लिए गए और उन्हें मुक्केबाजी से प्रतिबंधित कर दिया गया। तमाम झंझावात का मुकाबला करते हुए उन्होंने 1974 में शानदार वापसी की। साल 2022 में उन पर दो महिलाओं ने यौन शोषण का आरोप भी जड़ा। जीवन के अंतिम वर्षों में फोरमैन और उनकी पत्नी मैरी टेक्सास के हफमैन में अपना आशियाना (45 एकड़ परिसर) बनाया।

डिक्सन टेक्नोलजीज की बाजार हिस्सेदारी 11 फीसदी पर पहुंची

मुंबई, 22 मार्च (शुभ लाभ ब्यूरो)।

इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण बनाने वाली कंपनी डिक्सन टेक्नोलजीज तेजी से अपनी उत्पादन क्षमता बढ़ाने पर काम कर रही है। काउंटरपॉइंट रिसर्च के आंकड़ों के अनुसार 2024 में स्मार्टफोन उत्पादन में डिक्सन टेक्नोलजीज की बाजार हिस्सेदारी बढ़कर 11 फीसदी पहुंच गई।

कंपनी की बाजार हिस्सेदारी वर्ष 2023 में 8 फीसदी थी

जो 2023 में 8 फीसदी थी। इसकी तुलना में ऐपल इंक के लिए भारत और वैश्विक बाजार के लिए ठेके पर आईफोन बनाने वाली कंपनी फॉक्सकॉन होन हई की बाजार हिस्सेदारी पिछले साल 12 फीसदी रही, जो 2023 में 11 फीसदी थी।

इसी तरह चीन के डीबीजी समूह की 2023 में बाजार हिस्सेदारी 9 फीसदी थी जो 2024 में बढ़कर 12 फीसदी पहुंच गई। डीबीजी श्याओमी तथा अन्य कंपनियों के लिए स्मार्टफोन बनाती है।

ऐपल के लिए टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स भी आईफोन बनाती है जिसका उत्पादन में हिस्सा 2024 में दोगुना बढ़कर 4 फीसदी हो गया। वर्ष 2023 में कुल स्मार्टफोन उत्पादन में उसकी हिस्सेदारी 2 फीसदी थी। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स ने विस्ट्रोन का अधिग्रहण किया था और हाल ही में पेगाट्रॉन में बहुलांश हिस्सेदारी खरीदी है।

ये दोनों कंपनियां ऐपल के लिए आईफोन बनाती थीं। काउंटरपॉइंट के अनुसार टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स का स्मार्टफोन उत्पादन 2023 की तुलना में 107 फीसदी बढ़ा है।

आईफोन 15 और आईफोन 16 के उत्पादन में उसका अहम योगदान है। दूसरी ओर फॉक्सकॉन का उत्पादन 2023 के मुकाबले 2024 में 19 फीसदी और डीबीजी का उत्पादन इस दौरान 35 फीसदी बढ़ा है। मोबाइल उपकरणों के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना का लाभ उठाते हुए डिक्सन ने कई वैश्विक ब्रांडों को अपने साथ जोड़ा है, जिनके लिए वह स्मार्टफोन बनाती है। इन कंपनियों में श्याओमी, नोकिया एचएमडी, मोटोरोला आदि शामिल हैं।

न्यूज़ब्रीफ

सेबी ने 10 संस्थाओं पर लगाया 50 लाख का जुर्माना

मुंबई। भारतीय पूंजी बाजार नियामक सेबी ने बीएसई के इलिक्विड स्टॉक ऑप्शंस सेगमेंट में गैर-प्रामाणिक ट्रेडिंग में शामिल 10 संस्थाओं पर 50 लाख रुपए का जुर्माना लगाया। प्रत्येक इकाई पर 5-5 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया, जिनमें सचिन जैन एचयूएफ, मोतीलाल बैद, अजय नोपानी, दिवाकर झा, बागदेवी सप्लायर्स प्राइवेट लिमिटेड, रीता आर ठक्कर, काला सप्लायर्स प्राइवेट लिमिटेड, मेघा निभवानी, सीताराम जयंती और अमित शॉ शामिल हैं। सेबी ने पाया कि इन संस्थाओं ने अप्रैल 2014 से सितंबर 2015 के बीच बीएसई के इलिक्विड स्टॉक ऑप्शंस सेगमेंट में रिवर्सल ट्रेड्स किए, जिससे कृत्रिम वॉल्यूम बना। सेबी ने कहा कि रिवर्सल ट्रेड्स का कोई वित्तीय तर्क नहीं होता और यह बाजार में नकली वॉल्यूम बढ़ाकर निवेशकों को गुमराह करने का काम करता है। इसके अलावा सेबी ने कॉरपोरेट स्ट्रैटेजिक एलायंज प्राइवेट लिमिटेड का मर्चेंट बैंकर लाइसेंस रद्द कर दिया। सेबी की अप्रैल 2022 से सितंबर 2023 तक चली जांच में नियमों के उल्लंघन की पुष्टि हुई। नियामक के अनुसार कंपनी ने नियामकीय दिशानिर्देशों का पालन नहीं किया, जिसके चलते उसका पंजीकरण रद्द करने का निर्णय लिया गया।

भारत में खपत 2034 तक बढ़कर दोगुनी हो जाएगीः रिपोर्ट

नई दिल्ली। भारत में खपत में लगातार बढ़ोतरी होती जा रही है। देश की कुल जीडीपी में 56 फीसदी का योगदान देने वाला यह एक ऐसा क्षेत्र है, जिसकी विकास की रफ्तार सबसे तेज है। जिससे भारत जल्द ही प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं को पछाड़कर दुनिया की खपत राजधानी बन जाएगा। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ते उपभोक्ता आधार की वजह से भारत में खपत 2034 तक बढ़कर दोगुनी हो जाएगी। इसमें एकल परिवार के चलन की महत्वपूर्ण भूमिका है, जिसकी वजह से भारत में घरेलू विकास जनसंख्या वृद्धि से आगे निकल रहा है और यह बढ़ती खपत का प्रमुख चालक बनकर उभर रहा है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में टैक्स के मोर्चे पर करदाताओं को दी राहत से एक लाख करोड़ रुपये प्राप्त होंगे, जिससे 3.3 लाख करोड़ रुपये की वृद्धिशील खपत को बढ़ावा मिलेगा। इसमें भारतीय जीडीपी को एक फीसदी तक बढ़ाने की क्षमता है।

डीएलएफ ऑफिस और रिटेल स्पेस में 20,000 करोड़ का निवेश करेगी, यह निवेश कंपनी आने वाले मध्यम अवधि में करेगी

मुंबई। रियल एस्टेट क्षेत्र की बड़ी कंपनी डीएलएफ (डीएलएफ) ने ऑफिस और रिटेल स्पेस जैसी कमर्शियल प्रॉपर्टी के विकास के लिए करीब 20,000 करोड़ निवेश करने की योजना बनाई है। यह निवेश कंपनी आने वाले मध्यम अवधि में करेगी। शेयर बाजारों में पेश की गई कॉरपोरेट प्रेजेंटेशन में डीएलएफ ने अपने किराये के कारोबार की विस्तार रणनीति साझा की। कंपनी ने कहा कि ग्रोथ के लिए बड़े स्तर पर पूंजीगत व्यय की योजना है। कंपनी ने कहा कि वृद्धि के लिए हमारी महत्वपूर्ण पूंजीगत व्यय की प्रतिबद्धता है। इन वाणिज्यिक प्रोजेक्ट्स का विकास डीएलएफ लिमिटेड और उसकी संयुक्त उद्यम कंपनी डीएलएफ साइबर सिटी डेवलपर्स लिमिटेड के जरिये किया जाएगा। रियल एस्टेट कंपनी डीएलएफ का किराये पर आधारित कारोबार लगातार विस्तार कर रहा है। कंपनी के पास फिलहाल करीब 4.4 करोड़ वर्ग फुट क्षेत्रफल की वाणिज्यिक संपत्तियों का पोर्टफोलियो है, जिसमें 93 प्रतिशत ऑक्यूपेंसी यानी किरायेदारों की मौजूदगी बनी हुई है। डीएलएफ का यह पोर्टफोलियो मध्यम अवधि में बढ़कर करीब 7.3 करोड़ वर्ग फुट तक पहुंचने की उम्मीद है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

चीन का अवैध...

उन्होंने कहा कि सरकार को पता है कि चीन सीमावर्ती क्षेत्रों में बुनियादी ढाँचे का विकास कर रहा है।

विदेश राज्यमंत्री ने कहा, सरकार सीमावर्ती क्षेत्रों में बुनियादी ढाँचे के सुधार पर सावधानीपूर्वक और विशेष ध्यान दे रही है, ताकि इन क्षेत्रों के आर्थिक विकास को सुविधाजनक बनाया जा सके। इसके साथ ही भारत की रणनीतिक और सुरक्षा आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके। मंत्रालय के अनुसार, सीमावर्ती बुनियादी ढाँचे के लिए बजट आवंटन में पिछले दशक (2014-2024) में वृद्धि की गई है।

मंत्रालय की ओर से जवाब में आगे कहा गया, अकेले सीमा सड़क संगठन ने पिछले दशक की तुलना में इस पर तीन गुना अधिक व्यय किया है। सड़क नेटवर्क, पुलों की लंबाई और सुरंगों की संख्या में पहले की तुलना में काफी वृद्धि हुई है। इससे स्थानीय समुदायों के लिए कनेक्टिविटी बढ़ी है और हमारे सशस्त्र बलों के लिए बेहतर रसद सहायता प्रदान की गई है।

बता दें कि लद्दाख के कुछ हिस्सों को शामिल करते हुए चीन द्वारा अपने शिनजियान के होतान इलाके में दो नए कस्बे बसाए गए हैं। इनमें से एक का नाम हेआन और दूसरे का नाम हेकांग रखा गया है। चीन में काउंटी एक प्रशासनिक इकाई है, जिसे ङ्मश्येनफ कहा जाता है। यह नगरपालिका से नीचे की ईकाई है। इसे आम भाषा में कस्बा कहा जा सकता है। काउंटी ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्र आ सकते हैं।

भेदभावपूर्ण...

बैठक को ऑडियो-वीडियो माध्यम से संबोधित करते हुये ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने केन्द्र सरकार को सुझाव दिया कि परिसीमन के मामले पर सभी दलों के साथ विस्तृत चर्चा की जाये और इस महत्वपूर्ण मुद्दे को लेकर किसी भी आशंका को दूर किया है क्यों कि हमारे देश के लोकतंत्र से जुड़ा अहम मुद्दा है।उन्होंने कहा कि यह बैठक इस बात को सुनिश्चित करने के मामले में एक महत्वपूर्ण बैठक है कि जिन राज्यों ने जनसंख्या नियंत्रण और स्थिरता के प्रयास में अच्छा काम किया है, वहां रहने वाले लोगों के लोकतांत्रिक प्रतिनिधित्व और अधिकार सुरक्षित रहें। उन्होंने कहा कि जनसंख्या नियंत्रण हमारे देश के विकास का एक महत्वपूर्ण लक्ष्य है, ओडिशा ने इस दिशा में अच्छा काम किया है।कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने बैठक में कहा कि केंद्र की भाजपा नीत सरकार द्वारा प्रस्तावित परिसीमन दक्षिणी राज्यों पर राजनीतिक हमला है। तमिलनाडु सरकार द्वारा अगली कार्ययोजना पर चर्चा और रूपरेखा तैयार करने के लिए आयोजित पहली संयुक्त कार्रवाई समिति की बैठक में उन्होंने कहा कि एक साथ आना शुरुआत है, चर्चा ही प्रगति है और हम सब मिलकर काम करेंगे, यही सफलता होगी। उन्होंने कहा, प्रस्तावित परिसीमन कोई तकनीकी समायोजन नहीं है, यह दक्षिणी राज्यों पर राजनीतिक हमला है।

वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष एवं आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वाई एस जगनमोहन रेड्डी ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को एक पत्र लिखकर यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि आगामी परिसीमन प्रक्रिया से किसी भी राज्य का लोकसभा या राज्यसभा में प्रतिनिधित्व कम न हो। श्री रेड्डी ने प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में कहा, मैं आपका ध्यान राष्ट्रीय नीति निर्माण और विधायी प्रक्रिया में दक्षिणी राज्यों की भागीदारी में महत्वपूर्ण कमी की ओर आकर्षित करता हूं, यदि परिसीमन प्रक्रिया राज्य की वर्तमान जनसंख्या के आधार पर की जाती है। उन्होंने कहा, मैं प्रत्येक राज्य के लिए सीटों में इस तरह की आनुपातिक वृद्धि को प्रभावी बनाने के लिए संविधान में संशोधन की आवश्यकता पर जोर देता हूं। इससे यह सुनिश्चित होगा कि किसी भी राज्य को कुल सीटों में उस राज्य को आवंटित सीटों के हिस्से के संदर्भ में लोक सभा में प्रतिनिधित्व में किसी भी तरह की कमी का सामना नहीं करना पड़ेगा।

वाईएसआरसीपी प्रमुख के निर्देशानुसार पार्टी के संसदीय दल के नेता वाई वी सुब्बा रेड्डी ने द्रमुक नेताओं को भी पत्र भेजा है, जिसमें परिसीमन प्रक्रिया में निष्पक्ष और संतुलित दृष्टिकोण की आवश्यकता पर जोर दिया गया है।

तेलंगाना कांग्रेस के अध्यक्ष महेश गौड़ ने कहा कि निष्पक्ष परिसीमन के लिए दबाव बनाने के वास्ते अगले महीने हैदराबाद में एक विशाल जनसभा आयोजित की जाएगी। उन्होंने कहा कि तेलंगाना को किसी भी तरह का नुकसान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

केंद्र ने 357...

इसलिए जनता को सलाह दी जाती है कि वे सतर्क रहें और ऑफशोर ऑनलाइन मनी गेमिंग प्लेटफॉर्म से न जुड़ें, क्योंकि यह उनके पैसे को खतरे में डाल सकता है और अप्रत्यक्ष रूप से ऐसी गतिविधियों का समर्थन कर सकता है, जो वित्तीय अखंडता और राष्ट्रीय सुरक्षा को कमजोर करती हैं।

यूएनएचआरसी ...

हिन्दुओं के अनेक मंदिर और चर्च लगातार तोड़े, क्षतिग्रस्त किए जाते हैं। इतना ही नहीं, हिन्दू और ईसाइयों की बालिग, नाबालिग लड़कियों का अपहरण कर जबरन निकाह पढ़ा दिया जाता है।

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद की बैठक में भारत के प्रतिनिधि जावेद ने इस मुद्दे पर अंतरराष्ट्रीय ईसाई समुदाय की चुप्पी पर भी सवाल उठाया। जावेद ने कहा कि ब्राजील, अमेरिका और रूस जैसे ईसाई बहुल देशों ने इस पर सार्वजनिक रूप से कोई प्रतिक्रिया नहीं की, न ही पाकिस्तान की ऐसी मानसिकता पर कोई सवाल ही उठाया है। यह चुप्पी मानवाधिकारों के प्रति अंतरराष्ट्रीय समुदाय की लापरवाही को दर्शाती है।भारत ने स्पष्ट किया कि पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों की स्थिति केवल एक आंतरिक मामला नहीं है, बल्कि यह अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकारों का उल्लंघन है। भारत ने संयुक्त राष्ट्र से इस मुद्दे पर ध्यान देने और कार्रवाई करने की अपील की।

इसमें संदेह नहीं है कि भारत इस विषय पर अनेक मंचों से पाकिस्तान की असलियत सामने रख चुका है। लेकिन अपनी अपनी कूटनीतिक मजबूरी की वजह से अनेक देश इसका संज्ञान तक लेने से कतराते हैं। यह बात पाकिस्तान और वहां के कट्टरपंथियों को उनकी करतूतों को जारी रखने की शह देती है। लेकिन संयुक्त राष्ट्र जैसे मंच पर भारत का मानवाधिकार संरक्षण का यह ताजा प्रयास न केवल पाकिस्तान में हिन्दुओं और अन्य अल्पसंख्यकों की दयनीय स्थिति को उजागर करता है, बल्कि यह भी दिखाता है कि भारत मानवाधिकारों के प्रति कितना गंभीर है। यह मुद्दा अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए एक चेतावनी है कि मानवाधिकारों की रक्षा के लिए ठोस कदम उठाए जाएं।

नुकसान की भरपाई ...

वेल्डर अंसारी सोमवार रात करीब 11 बजे नागपुर रेलवे स्टेशन से इटारसी के लिए ट्रेन पकड़ने के लिए घर से निकला था। हिंसा से प्रभावित इलाकों में से एक नागपुर रेलवे स्टेशन भी है।एक और गिरफ्तारी, जांच क्राइम ब्रांच को इस बीच नागपुर हिंसा के मामले में शुक्रवार देर रात हामिद इंजीनियर को गिरफ्तार किया गया। हामिद माइनॉरिटीज डेमोक्रेटिक पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष है। रिपोर्ट्स के मुताबिक महाराष्ट्र सरकार ने हिंसा की जांच क्राइम ब्रांच को सौंप दी है।शुक्रवार शाम तक 105 आरोपी गिरफ्तार नागपुर हिंसा केस में शुक्रवार शाम तक पुलिस ने 14 और लोगों को गिरफ्तार किया गया। इसके बाद गिरफ्तार किए गए लोगों की कुल संख्या 105 हो गई, जिनमें 10 किशोर भी शामिल हैं। इसके अलावा 17 लोगों को लोकल कोर्ट ने 22 मार्च तक पुलिस कस्टडी में भेज दिया है। वहीं, पुलिस ने इस मामले में 3 नई मामला दर्ज की हैं।पुलिस ने 2 थाना क्षेत्रों से कर्फ्यू हटा लिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, नंदनवन और कपिलनागर पुलिस थाना क्षेत्रों में संचारबंदी (इंटरनेट सर्विस बंद) खत्म कर दी गई है। इसके अलावा, अन्य थाना क्षेत्रों में दोपहर 2 से 4 बजे तक कर्फ्यू में राहत दी गई है। 9 थाना क्षेत्रों में हिंसा के छठे दिन यानी शनिवार को भी कर्फ्यू बरकरार रखा गया है। कर्फ्यू हटाने का फैसला हाई लेवल रिव्यू मीटिंग के बाद लिया जाएगा।

नागपुर हिंसा के मुख्य आरोपी फहीम खान ने जमानत के लिए सेशंस कोर्ट में याचिका लगाई है। फहीम ने दावा किया कि उसे राजनीतिक प्रतिशोध के चलते गिरफ्तार किया गया है, क्योंकि उसने विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी।

औरंगजेब की कब्र हटाने को लेकर हुई हिंसा के मामले में मास्टरमाइंड फहीम समेत 6 आरोपियों के खिलाफ देशद्रोह का केस दर्ज हुआ है। फहीम पर 500 से ज्यादा दंगाइयों को इकट्ठा करने और हिंसा को बढ़ावा देने का आरोप है। माइनॉरिटीज डेमोक्रेटिक पार्टी के शहर अध्यक्ष फहीम खान को दंगा और आगजनी की घटनाओं के दो दिन बाद 19 मार्च को गिरफ्तार किया गया था।

शुक्रवार को पुलिस रिमांड खत्म होने के बाद फहीम को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। इसके बाद फहीम ने नागपुर जिला एवं सत्र में जमानत याचिका भी दायर की। उनके वकील अश्विन इंगोले ने कहा कि इस पर 24 मार्च को सुनवाई हो सकती है।

नागपुर में विश्व हिंदू परिषद ने प्रदर्शन किया था। प्रदर्शन के दौरान गोबर के कंडों से भरा एक हरे रंग का कपड़ा जलाया गया। विश्व हिंदू परिषद के मुताबिक, ये औरंगजेब की प्रतीकात्मक कब्र थी। घटना का वीडियो वायरल होने के बाद शाम 7:30 बजे नागपुर के महल इलाके में हिंसा भड़क गई। पथराव और तोड़फोड़ शुरू हो गई।

उपद्रवियों ने घरों पर पथराव किया और सड़क पर खड़े दर्जनों वाहनों में तोड़फोड़-आगजनी की। पुलिस पर भी हमला किया गया। तीन डिप्टी कमिश्नर रैंक के अधिकारियों सहित 33 पुलिसकर्मी घायल हो गए। डीसीपी निकेतन कदम पर कुल्हाड़ी से हमला हुआ। पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े। रात 10.30 बजे से 11.30 बजे के बीच ओल्ड भंडारा रोड के पास हंसपुरी इलाके में एक और झड़प हुई।

अजित पवार ...

और शाहू जी महाराज ने जातियों को एकसाथ लाकर समाज के उत्थान का मार्ग दिखाया। हमें इस विरासत को आगे बढ़ाना है।

चंद्रयान-3 की ...

वैज्ञानिकों का कहना है कि यह बढ़ोतरी लैंडर के सूरज की ओर 6ओ झुके ढलान पर स्थित होने की वजह से हुई। इस डेटा से पता चला कि चांद के 14ओ से अधिक ढलान वाले क्षेत्रों में पानी और बर्फ के जमा होने की संभावना है। ये क्षेत्र कम सौर विकिरण के कारण ठंडे रहते हैं, जिससे पानी और बर्फ स्थिर रह सकते हैं। यह खोज चांद पर भविष्य के मिशनों और मानव बस्तियों के लिए गेम-चेंजर साबित हो सकती है।

प्रयोगशाला के वैज्ञानिक के दुर्गा प्रसाद ने कहा, चांद पर पानी और बर्फ की मौजूदगी की पुष्टि करना इंसानों के लिए वहां जीवन की संभावना को खोलता है। यह न केवल वैज्ञानिक खोज के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि चंद्र संसाधनों के उपयोग की दिशा में भी बड़ा कदम है। इस शोध को प्रकृति संचार पृथ्वी और पर्यावरण पत्रिका में प्रकाशित किया गया है, जो इसकी विश्वसनीयता को और बढ़ाता है। वैज्ञानिकों का मानना है कि ये ठंडे क्षेत्र भविष्य में चंद्र बेस बनाने के लिए सबसे उपयुक्त हो सकते हैं।

चंद्रयान-3 ने पिछले साल चांद के दक्षिणी ध्रुव पर सफल लैंडिंग कर इतिहास रचा था। अब भौतिकी प्रयोग के जरिए प्राप्त ये डेटा चांद की सतह के तापमान और संभावित जल संसाधनों के बारे में नई जानकारी दे रहा है।

इसरो की टीम का कहना है कि इन परिणामों का और गहराई से विश्लेषण किया जाएगा, जिसके आधार पर भविष्य के मिशनों की योजना बनेगी। चांद पर पानी की मौजूदगी ईंधन उत्पादन, ऑक्सीजन आपूर्ति और पीने के पानी के लिए महत्वपूर्ण हो सकती है, जो अंतरिक्ष अन्वेषण को सस्ता और टिकाऊ बना सकता है।चंद्रयान-3 की इस सफलता ने वैश्विक अंतरिक्ष समुदाय का ध्यान खींचा है। नासा, यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी और अन्य देशों की नजरें अब चांद के दक्षिणी ध्रुव पर टिकी हैं। पानी और बर्फ की खोज अंतरिक्ष में मानव उपस्थिति को स्थायी बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम मानी जा रही है। इसरो के इस मिशन ने भारत को अंतरिक्ष अनुसंधान में अग्रणी देशों की सूची में और मजबूती से स्थापित कर दिया है। आने वाले दिनों में इस डेटा से जुड़े और शोध प्रकाशित होने की उम्मीद है, जो चंद्र अन्वेषण की नई कहानी लिख सकता है।

बांग्लादेश के हिंदू ...

प्रतिनिधि सभा, चिंतनशील वर्गों और अंतरराष्ट्रीय मामलों से जुड़े विशेषज्ञों से अनुरोध करती है कि वे भारत विरोधी वातावरण, पाकिस्तान तथा ङ्मडीप स्टेटफ की सक्रियता पर दृष्टि रखें और इन्हें उजागर करें। प्रतिनिधि सभा इस तथ्य को रेखांकित करना चाहती है कि इस सारे क्षेत्र की एक साँझी संस्कृति, इतिहास एवं सामाजिक संबंध हैं जिसके चलते एक जगह हुई कोई भी उथल-पुथल सारे क्षेत्र में अपना प्रभाव उत्पन्न करती है। प्रतिनिधि सभा का मानना है कि सभी जागरूक लोग भारत और पड़ोसी देशों की इस साँझी विरासत को दृढ़ता देने की दिशा में प्रयास करें।यह उल्लेखनीय है कि बांग्लादेश के हिन्दू समाज ने इन अत्याचारों का शांतिपूर्ण, संगठित और लोकतांत्रिक पद्धति से साहसपूर्वक विरोध किया है। यह भी प्रशंसनीय है कि भारत और विश्वभर के हिंदू समाज ने उन्हें नैतिक और भावनात्मक समर्थन दिया है। भारत सहित शेष विश्व के अनेक हिंदू संगठनों ने इस हिंसा के विरुद्ध आंदोलन एवं प्रदर्शन किए हैं और बांग्लादेशी हिंदुओं की सुरक्षा व सम्मान की माँग की है । इसके साथ ही विश्व भर के अनेक नेताओं ने भी इस विषय को अपने स्तर पर उठाया है।भारत सरकार ने बांग्लादेश के हिंदू और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों के साथ खड़े रहने और उनकी सुरक्षा की आवश्यकता को लेकर अपनी प्रतिबद्धता जताई है। उसने यह विषय बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के साथ-साथ कई अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी उठाया है। प्रतिनिधि सभा भारत सरकार से अनुरोध करती है कि वह बांग्लादेश के हिंदू समाज की सुरक्षा, गरिमा और सहज स्थिति सुनिश्चित करने के लिए वहाँ की सरकार से निरंतर संवाद बनाए रखने के साथ साथ हर सम्भव प्रयास जारी रखे।प्रतिनिधि सभा का मत है कि संयुक्त राष्ट्रसंघ जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठनों व वैश्विक समुदाय को बांग्लादेश में हिन्दू तथा अन्य अल्पसंख्यक समुदायों के साथ हो रहे अमानवीय व्यवहार का गंभीरता से संज्ञान लेना चाहिए और बांग्लादेश सरकार पर इन हिंसक गतिविधियों को रोकने का दबाव बनाना चाहिए। प्रतिनिधि सभा हिन्दू समुदाय एवं अन्यान्य देशों के नेताओं से तथा अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं से आह्वान करती है कि वे बांग्लादेशी हिंदू तथा अन्य अल्पसंख्यक समाज के समर्थन में एकजुट होकर अपनी आवाज उठाएँ।

दावा- बांग्लादेशी...

शेख हसीना को बांग्लादेश से निकलने में मदद की थी। जबकि इसके उलट मोहम्मद फैजुर रहमान अपनी कट्टरपंथी सोच और पाकिस्तान समर्थक रुख के लिए जाने जाते हैं।

बांग्लादेश के आर्मी चीफ जनरल वकार-उज-जमान पिछले 39 साल से बांग्लादेश की सेना में हैं। बांग्लादेश सैन्य अकादमी से ग्रेजुएशन करने के बाद उन्होंने नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ बांग्लादेश से डिफेंस स्टडी में मास्टर्स की डिग्री हासिल की है। इसके अलावा उन्होंने लंदन के किंग्स कॉलेज से डिफेंस स्टडी में एमए की डिग्री ली है।नवंबर 2020 में उन्हें लेफ्टिनेंट जनरल के रूप में प्रमोशन किया गया था। वे इन्फेंट्री ब्रिगेड, स्कूल ऑफ इन्फेंट्री एंड टैक्टिक्स और आर्मी हेडक्वार्टर्स की कमान संभाल चुके हैं। संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों में भी वकार ने काम किया है।

सेना प्रमुख का पदभार संभालने से पहले वह करीब 6 महीने सेना के चीफ ऑफ जनरल स्टाफ रहे। 23 जून 2024 को वे चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ यानी बांग्लादेश के सेना प्रमुख बने।

हसीना के काफी क्लोज रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, बांग्लादेश सेना प्रमुख की पत्नी बेगम साराहनाज कामालिका रहमान शेख हसीना के चाचा मुस्तफिजुर रहमान की बेटी हैं। मुस्तफिजुर रहमान 1997 से 2000 तक सेना की बागडोर संभाल चुके हैं। इस दौरान शेख हसीना बांग्लादेश की प्रधानमंत्री भी थीं।

बांग्लादेश में 5 जून को हाईकोर्ट ने जॉब में 30% कोटा सिस्टम लागू किया था, इसके बाद से ही ढाका में यूनिवर्सिटीज के स्टूडेंट्स प्रोटेस्ट कर रहे थे। यह आरक्षण स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों को दिया जा रहा था। यह आरक्षण खत्म कर दिया गया तो छात्रों ने प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफे की मांग शुरू कर दी।देखते ही देखते बड़ी संख्या में छात्र और आम लोग प्रधानमंत्री और उनकी सरकार के खिलाफ सड़क पर उतर आए। इस प्रोटेस्ट के दो महीने बाद 5 अगस्त को शेख हसीना ने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया और बांग्लादेश छोड़कर भारत आ गईं। इसके बाद सेना ने देश की कमान संभाल ली।

ग्रहों के न्यायाधीश शनिदेव 29 मार्च को करेंगे राशि परिवर्तन

न्याय के देवता शनि इस साल 29 मार्च को अपनी मूल त्रिकोण राशि कुंभ से निकलकर देवगुरु बृहस्पति की राशि मीन में प्रवेश करेंगे। शनि के मीन राशि में गोचर से कुछ राशि वालों पर शनि की साढ़ेसाती, ढैय्या और कंटक शनि की पनौती से छुटकारा मिल जाएगा वहीं कुछ राशि वालों पर शनि की साढ़ेसाती और ढैय्या शुरू हो जाएगी। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि सभी नौ ग्रहों न्यायाधिपति और कर्मफलदाता शनि को सबसे प्रभावशाली ग्रह माना जाता है। शनि सबसे धीमी गति से चलने वाले ग्रह हैं। यह किसी एक राशि में करीब ढाई वर्षों तक रहते हैं। शनि 29 मार्च 2025 को अपनी स्वराशि और मूल त्रिकोण राशि कुंभ की यात्रा को पूरा करते हुए की राशि मीन में प्रवेश करेंगे। शनि के राशि परिवर्तन करने से कुछ राशि वालों पर सकारात्मक वहीं कुछ पर नकारात्मक प्रभाव देखने को मिलेगा।

साल 2025 में शनि, गुरु और राहु-केतु जैसे प्रमुख और बड़े ग्रहों का राशि परिवर्तन होने जा है। इनमें से सबसे पहले न्यायप्रिय और कर्मफलदाता शनि का गोचर होगा। वैदिक ज्योतिष में शनि को सबसे प्रभावशाली ग्रह माना जाता है। शनि सभी ग्रहों में सबसे मंद गति से चलने वाले ग्रह हैं, क्योंकि यह किसी एक राशि में ढाई वर्षों तक रहते हैं। इस तरह से को राशि चक्र का पूरा चक्कर लगाने में 30 वर्ष का समय लग जाता है। शनि की धीमी चाल और एक ही राशि में करीब ढाई सालों तक रहने के कारण इनका प्रभाव जिन-जिन राशियों पर पड़ता है काफी देर तक रहता है। शनि जब-जब राशि परिवर्तन करते या चाल में बदलाव करते हैं तो इसका प्रभाव सभी 12 राशियों के जातकों पर किसी न किसी रूप में अवश्य ही पड़ता है।

दरअसल अभी शनि अपनी मूल त्रिकोण राशि और स्वराशि कुंभ में विराजमान हैं और आने वाले दिनों में यानी मार्च 2025 को मीन राशि में प्रवेश करेंगे। मीन राशि पर गुरु का स्वामित्व है। शनि मीन राशि में 03 जून 2027 तक रहेंगे, फिर मेष राशि की अपनी यात्रा को प्रारंभ करेंगे। शनि के मीन राशि में गोचर होने से कुछ राशियों को लाभ तो कुछ की परेशानियों इजाफा देखने को मिलेगा।

शनि का मीन में गोचर

न्याय के देवता शनिदेव 29 मार्च को मीन राशि में प्रवेश करेंगे। यह गोचर मीन राशि के जातकों के लिए शुभ रहने वाला है। जो जातक प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी रहे हैं, उन्हें इस अवधि में सफलता प्राप्त हो सकती है। व्यापार-व्यवसाय में कोई नया आइडिया या प्रभावशाली योजना का विस्तार कर सकते हैं। इस अवधि में विदेश से धन लाभ हो सकता है। जातक को सलाह दी जाती है कि इस अवधि में शेयर मार्केट में निवेश करने बचें और अन्य प्रलोभन वाली चीजों से भी बचें अन्यथा नुकसान हो सकता है। इस अवधि में कोई निकट का व्यक्ति धोखा दे सकता है। सतर्क रहें। प्रतिदिन सूर्यास्त के पश्चात शनि चालीसा का पाठ करें।

मीन राशि में शनि का प्रवेश खोलेगा तरक्की के मार्ग

ग्रहों के न्यायाधीश कर्मफल दाता शनिदेव 29 मार्च 2025 को मीन राशि में प्रवेश करेंगे। जब-जब शनि मीन राशि में होते हैं तब हम सभी के लिए कुछ न कुछ नया कार्य अवश्य होगा। एक बार फिर शनि मीन राशि में आ रहे और दुनिया में महत्वपूर्ण घटना घटित होगी। जिसका लाभ सभी को मिलेगा। इस बार शनि देव कोई बड़ी बीमारी का इलाज देंगे। मेडिकल क्षेत्र में नए-नए आविष्कार होंगे और लाइलाज बीमारियों का इलाज मिलेगा। डिजिटल संचार तकनीकी क्षेत्र में कोई नई क्रांति की संभावना। भारत के लिए मीन राशि शनि महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा। हम सभी को फायदा होगा। कोई महत्वपूर्ण घटना घटित होगी।

प्राकृतिक आपदा और दुर्घटनाओं की आशंका

बड़े मामले सामने आएंगे। बड़े बदलाव और विवाद होने की आशंका है। अंतरराष्ट्रीय व्यापार में वृद्धि के साथ शेयर बाजार फिर से की भी संभावना रहेगी। इससे अर्थव्यवस्था मजबूत होने के योग बनेंगे। राजनीतिक उथल-पुथल एवं प्राकृतिक आपदाओं की आशंका बढ़ेगी। धरना जुलूस प्रदर्शन आंदोलन गिरफ्तारियां होंगी। दुर्घटना होने की संभावना। देश और दुनिया में

राजनीतिक बदलाव होंगे। सत्ता संगठन में परिवर्तन होगा। आरोप-प्रत्यारोप का दौर चलेगा। अचानक मौसमी बदलाव भी सकते हैं। बारिश और बर्फबारी होने की आशंका है। सेना की ताकत बढ़ेगी। देश की कानून व्यवस्था भी मजबूत होगी। मनोरंजन फिल्म खेलकूद एवं गायन क्षेत्र से बुरी खबर मिलेगी। बड़े नेताओं का दुखद समाचार मिलने की संभावना।

उपाय

शिव उपासना हनुमत उपासना करें। मंगलवार और शनिवार को हनुमान जी की पूजा करें। हनुमान चालीसा एवं शनि चालीसा का पाठ करें। शनिवार के दिन शनि मंदिर में छाया दान अवश्य करें। गरीब, वृद्ध, असहाय लोगों को भोजन कराएं। पशु पक्षियों के लिए दाने, हरे चारे, पानी की व्यवस्था करें। तेल दान भी करना चाहिए। तेल दान करने से आपको अपने कष्टों से छुटकारा मिलता है। शनिवार को लोहे से बनी चीजों को दान करना चाहिए। इस दिन लोहे का सामान दान करने से शनि देव शांत होते हैं। लोहा दान देने से शनि की दृष्टि निर्मल होती है। काले को शनिवार के दिन सरसों के तेल से बनी रोटी खिलाएं। सूर्यास्त के समय पीपल के पेड़ के पास सरसों के तेल का दीपक जलाने से शनि दोष से मुक्ति मिलती है।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान, जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

शनि अमावस्या पर करें कालसर्प दोष का निवारण

शनि अमावस्या का दिन ज्योतिष शास्त्र में महत्वपूर्ण माना गया है। यह दिन शनि देव और कालसर्प दोष निवारण के लिए विशेष रूप से फलदायी होता है। इस साल शनि अमावस्या की तिथि 29 मार्च को पड़ रही है, ऐसा मान्यता है कि जो लोग इस दिन सच्चे भाव से भगवान शनि की पूजा करते हैं गंगा स्नान करते हैं, उनके सभी पापों का नाश हो जाता है। वहीं, इस दिन कालसर्प दोष को लेकर कई सारे उपाय बताए गए हैं।

शनि अमावस्या का धार्मिक महत्व

शनि अमावस्या के दिन शनि देव की पूजा और कालसर्प दोष के करने से जीवन में आने वाली कई तरह की बाधाओं को दूर किया जा सकता है। यह दिन पितरों की शांति के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। ऐसे में इस पावन दिन पर अपने पितरों का पिंडदान और उनका तर्पण जरूर करें।

इससे उन्हें मोक्ष की प्राप्ति

कालसर्प दोष एक ज्योतिषीय योग है, जो राहु और केतु ग्रहों की विशेष स्थिति के कारण बनता है। यह दोष व्यक्ति के जीवन में कई तरह की मुश्किलें पैदा कर सकता है, जैसे कि स्वास्थ्य समस्याएं, आर्थिक परेशानियां और मानसिक तनाव आदि।

कालसर्प दोष निवारण के उपाय

इस दिन कालसर्प दोष निवारण के लिए किसी योग्य पंडित से कालसर्प दोष निवारण पूजा करवाएं।

* गरीबों और जरूरतमंदों को दान करें।
* काले वस्त्र, जूते, तेल और काले तिल का दान करें।
* भगवान शिव की पूजा करें और उनका अभिषेक करें।
* महामृत्युंजय मंत्र का जाप करें।
* नाग देवता पूजा करें और उन्हें दूध अर्पित करें।
* चांदी के नाग नागिन के जोड़े को नदी में प्रवाहित करें।
* पीपल के पेड़ पर जल चढ़ाएं और परिक्रमा करें।
* शनि अमावस्या पर ऐसे करें शनि देव को प्रसन्न
* शनि अमावस्या के दिन शनि देव की विधिवत करें।
* उन्हें तेल, काले तिल और शमी के फूल अर्पित करें।
* शनि मंत्र ॐ शं शनैश्चराय नमः का जाप करें।
* शनि चालीसा का पाठ करें।
* पीपल या शमी के पेड़ के सामने सरसों के तेल का दीपक जलाएं।

दो राशियों पर शुरू होगी शनि की ढैय्या, राहत के लिए करें ये उपाय

हिंदू धर्म में शनिदेव न्याय का देवता और कर्मफलदाता कहे जाते हैं। वहीं, ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, हर व्यक्ति को अपने जीवन में शनि की महादशा, साढ़ेसाती और ढैय्या का सामना जरूर करना पड़ता है। शनि की का समय ढाई साल का होता है, जिसे बहुत ही कष्टकारी माना जाता है। ऐसे में चलिए जानते हैं इससे राहत पाने के कुछ उपाय।

इस राशियों की बढ़ेंगी मुश्किलें

शनि देव के राशि परिवर्तन के साथ ही यानी 29 मार्च से धनु राशि के जातकों पर की ढैय्या का प्रभाव शुरू हो जाएगा। इस दौरान इस राशि को जातकों को संभलकर कार्य करने और निर्णय लेने की जरूरत है। शनि की ढैय्या के प्रभाव से आपको स्वास्थ्य, रोजगार, धन, कामकाज, परिवार समेत जीवन के अन्य कई क्षेत्रों में

उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ सकता है।

राशि पर भी पड़ेगा प्रभाव

सिंह राशि के जातकों पर भी शनि की ढैय्या शुरू होने जा रही है। जिसके प्रभाव से इस राशि के जातकों को स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों और चोट आदि लगने का खतरा बना रहेगा। इसके साथ ही शत्रुओं के आपके ऊपर हावी रहने के भी हैं। इस राशि के जातकों को शनि ढैय्या के प्रभाव से धन की हानि भी झेलनी पड़ सकती है।

करें ये उपाय

शनि की ढैय्या के अशुभ प्रभाव को कम करने के लिए आप कुछ विशेष उपाय कर सकते हैं। इसके लिए कम-से-कम 11 शनिवार तक शनि मंदिर जाएं छाया दान करें। इसी के साथ काले तिल, काला छाता, जूते-चप्पल, लोहा, आदि चीजों का दान करें। रोजाना खासकर शनिवार के दिन हनुमान चालीसा और बजरंग बाण का पाठ करें।

शनि दोष के दौरान शराब पीना, झूठ बोले और क्रोध करने जैसे कामों से दूरी बनाएं रखें और अच्छे करें, वरना इससे आपको अधिक कष्ट झेलने पड़ सकते हैं। शनिवार के दिन पीपल के पेड़ की पूजा करें और घी का दीपक जलाएं। इन सभी कार्यों को करने से शनि दोष के अशुभ प्रभाव में कुछ कमी आ सकती है।

मीन राशि में जाते ही वृषभ समेत इन राशियों पर पड़ेगी शनि की दृष्टि

शनि ग्रह 29 मार्च के दिन कुंभ राशि से निकलकर मीन राशि में प्रवेश कर जाएंगे। शनि का यह गोचर ज्योतिषीय दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण रहेगा। शनि एकमात्र ग्रह हैं जो राशि परिवर्तन करने के लिए सबसे अधिक ढाई साल समय लेते हैं। इसलिए मीन में इनके प्रवेश करने के बाद सभी राशियों पर इसका असर देखा जा सकता है। वहीं मीन राशि में बैठकर शनि की दृष्टि वृषभ, कन्या और धनु राशि पर पड़ेगी।

शनि की दृष्टि –ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, शनि को तृतीय, सप्तम और दशम दृष्टियां प्राप्त हैं। यानि जिस भी राशि में ये बैठते हैं वहां से तीसरे, सातवें और दशवें भाव को देखते हैं। ऐसे में मीन राशि में जाने के बाद शनि की दृष्टि वृषभ राशि पर, सप्तम दृष्टि कन्या राशि पर और दशम दृष्टि धनु राशि पर होगी।

वृषभ राशि –शनि आपको तृतीय दृष्टि से देखेंगे, शनि की तृतीय दृष्टि को शुभ नहीं माना जाता। इसलिए शनि गोचर के बाद आपके आत्मविश्वास में कमी देखी जा सकती है। छोटे भाई-बहनों के आपके संबंध बिगड़ सकते हैं। करियर और आर्थिक पक्ष को लेकर आपको सावधान रहना होगा, जितनी आपकी मेहनत सच्ची होगी उतना ही अच्छा परिणाम आपको प्राप्त होगा। सेहत को लेकर भी सावधानी इस राशि वालों को बरतनी होगी। खासकर पाचनतंत्र, जोड़ों में दर्द की समस्या इस राशि के जातकों हो सकती है। उपाय के तौर पर लोहा, उड़द, काले तिल आदि का दान करें।

कन्या राशि –शनि आपके सप्तम भाव में होंगे और सप्तम दृष्टि से ही आपको देखेंगे। आपको वैवाहिक जीवन में सावधानी से चलने की आवश्यकता होगी छोटी से बात भी बड़े झगड़े का कारण बन है। पार्टनर के प्रति ईमानदार हैं तो अच्छे फल भी शनि आपको देंगे। स्वास्थ्य को लेकर भी कन्या राशि वालों को सावधान रहना होगा। कुछ विवाह योग्य लोगों के विवाह में देरी हो सकती है। हालांकि शनि की सप्तम दृष्टि आपको जिम्मेदार बनाएगी, काम के प्रति आपकी निष्ठा बढ़ेगी। समय में किए गए कार्य का अच्छा फल मिल सकता है। उपाय के तौर पर छाया दान करें।

धनु राशि –आप पर शनि की दशम दृष्टि होगी, जिसके चलते करियर के क्षेत्र में आपको संभलकर चलना होगा। हालांकि फल आपको आपकी मेहनत के अनुसार ही मिलेंगे। अच्छे कर्मों का और बुरे कर्मों का बुरा फल शनि आपको देंगे। कुछ जातकों को उनकी कड़ी मेहनत का शुभ फल शनि दे सकते हैं। पारिवारिक जीवन में आपको सामंजस्य बिठाकर इस दौरान चलना होगा नहीं तो मनमुटाव हो सकता है। शनि आपको आध्यात्मिक उन्नति देने का काम करें। उपाय के तौर भगवान शिव की पूजा करें।

गरुड़ पुराण में है पितृ दोष का कारण और इसके उपाय !

पितृ दोष को बेहद कष्टकारी माना जाता है। यदि किसी व्यक्ति पर पितृ दोष लग जाता है, तो उसे अपने जीवन में कई तरह के कष्ट झेलने पड़ते हैं। गरुड़ पुराण में इस का वर्णन मिलता है कि पितृदोष केवल एक व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता है, बल्कि कई पीढ़ियों तक चलता है।

पितृ दोष के कारण

गरुड़ पुराण में वर्णन मिलता है कि यदि किसी व्यक्ति का विधि-विधान से अंतिम संस्कार या फिर श्राद्ध कर्म न किया जाए, तो इससे उस की आत्मा शांत नहीं होती, जिस कारण उसके परिजनों को पितृ दोष का सामना करना पड़ता है। इसी के साथ पितरों का अपमान करना भी पितृ दोष का कारण बन सकता है।

होती हैं ये समस्याएं

पितृ दोष होने पर व्यक्ति के वंश को आगे बढ़ाने में परेशानियां आती घर के सदस्यों के साथ दुर्घटनाएं होती रहती हैं। साथ ही करियर और कारोबार में भी रुकावटें बनी रहती हैं। पितृ दोष का असर लोगों के स्वास्थ्य पर भी देखने को मिलता है और घर में कोई-न-कोई सदस्य हमेशा बीमार बना रहता है। इसी के साथ जातक के विवाह भी बाधा आती है।

बचाव के उपाय

गरुड़ पुराण में इस बात का वर्णन किया गया है कि पितृ दोष से मुक्ति पाने के लिए पितृपक्ष सबसे उत्तम अवधि है। इस दौरान आपको पितरों के निमित्त तर्पण और श्राद्ध कर्म करने से पितृदोष से मुक्ति मिल सकती है।

इसी साथ, प्रत्येक अमावस्या को गरीब, ब्राह्मणों और जरुरमंद लोगों को अन्न का दान करें या फिर भोजन करवाएं। इसके बाद गाय, कौए, कुत्ते को भोजन कराना चाहिए। इस सभी उपायों को करने से आपको अपनी स्थिति में लाभ देखने को मिल सकता है।

जनकल्याण के लिए मां दुर्गा बनी थीं महाकाली

महादेव ने शांत किया देवी के क्रोध का प्रचंड रूप

मां काली जिन्हें, कालरात्रि, कालिका आदि नामों से भी जाना जाता है, वह मां सती का ही रौद्र रूप हैं। मां काली का स्वरूप भले भयंकर प्रतीत होता है, लेकिन वह अपने भक्तों की सभी प्रकार के तंत्र-मंत्र और रोग-दोष से रक्षा करती हैं। उनकी उत्पत्ति कई बलशाली दैत्यों का नाश करने के लिए हुई थी। ऐसे में चलिए जानते हैं कि आखिर किस प्रकार मां काली ने शुम्भ-निशुम्भ नामक दैत्यों का संहार किया।

कैसा है मां काली का स्वरूप

मां काली के स्वरूप की बात करें, तो वह गर्दभ (गधा) की सवारी करती हैं और नरमुंड की माला पहनती हैं। उनके एक हाथ में खप्पर और एक हाथ में तलवार है। काली माता के एक हाथ में कटा हुआ एक सिर है, जिसमें से रक्त टपकता रहता है। यह सिर रक्तबीज नामक एक राक्षस का है, जिसका मां काली ने वध किया था।

इस तरह हुई मां काली की उत्पत्ति

श्रीदुर्गा सप्तशती और श्री मार्कण्डेय पुराण में मां काली की उत्पत्ति की मिलती है, जिसके अनुसार, एक बार शुम्भ-निशुम्भ नामक दैत्यों का आतंक काफी बढ़ गया था। उन्होंने छल व बल के प्रयोग से अन्य देवताओं समेत देवराज इंद्र को निष्कासित कर दिया।

तब सभी देवताओं ने मिलकर मां दुर्गा जी आह्वान किया। मां काली की उत्तपि जगत जननी मां अंबे के ललाट से हुई। उन्होंने अपने इस प्रचंड रूप में शुम्भ-निशुम्भ के चंड और मुंड नामक असुरों से युद्ध किया और एक-एक करके उन दोनों का संहार कर दिया और उनके समेत अन्य राक्षसों की माला भी अपने गले में धारण कर ली।

इस तरह किया शुम्भ-निशुम्भ का अंत

इसके बाद दैत्यराज शुम्भ ने क्रोधित होकर अपनी पूरी सेना को युद्ध करने का आदेश दिया और अपनी अत्यंत क्रूर सेना के साथ युद्ध करने चल पड़ा। तब देवी ने अपने धनुष की सहायता से एक ऐसी टंकार दी, जिसकी आवाज पूरे आकाश और पृथ्वी पर गूंज उठी। इसके बाद भगवती काली ने समस्त सेना से युद्ध किया और शुम्भ-निशुम्भ को भी मार डाला, लेकिन इसके बाद भी उनका क्रोध शांत नहीं हुआ और वह गुस्से में आगे बढ़ने लगीं। तब भगवान शिव माता के रास्ते में लेट गए और इस दौरान उनका पैर भगवान के सीने पर पड़ गया। यह देखकर उनका क्रोध शांत हुआ।

किन व्यक्तियों के सामने ज्योतिषीय चर्चा नहीं करनी चाहिए?

विद्वान ज्योतिषाचार्यों का अनुभव यह कहता है कि व्यक्ति को परखने के बाद ही उसे ज्योतिषीय फलादेश सम्बन्धित मार्गदर्शन देना चाहिए। अत्यधिक तर्कसंगत व्यक्ति के साथ ज्योतिषीय चर्चा करने अक्सर मतभेद होता है। जिनके पास पहले से ही नकारात्मक अनुभव या पूर्वाग्रह हो वैसे व्यक्तियों से भी ज्योतिषी को दूर रहना चाहिए। ऐसे समूह से जुड़े लोग जिनकी धार्मिक या सांस्कृतिक मान्यताऐं ज्योतिष शास्त्र से बिल्कुल विपरीत हों, उनके साथ ज्योतिषीय चर्चा से विवाद और असहजता की स्थिति होती है। विद्वान बताते हैं कि उस व्यक्ति से बात करना अबोध बालक से वेदार्थ संबंधित चर्चा करने के समान है।

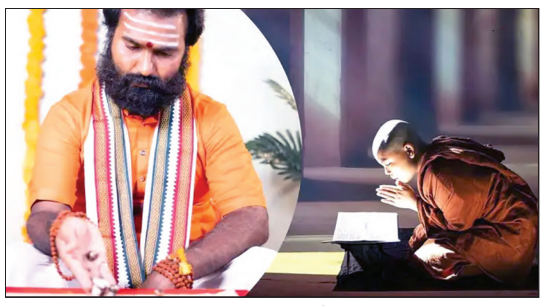

जिस प्रकार अमावस्या की मध्य रात्रि को आकाश में सूर्य को ढूंढना निरर्थक है, उसी प्रकार ज्योतिष शास्त्र के प्रति श्रद्धा नहीं रखने वालों को ज्योतिष का उपाय भी निरर्थक ही साबित होता है। उसका कारण यह है कि ऐसे व्यक्ति ज्योतिषीय फलादेश को एक कान से सुनकर दूसरे कान से निकाल देते हैं। अक्सर ज्योतिषियों को असमंजस की स्थिति से गुजरना पड़ता है, ज्यादातर ज्योतिष शास्त्र को न मानने वाले व्यक्ति भी जन्मपत्री दिखाने अथवा हस्तरेखा के लिए ज्योतिषियों से संपर्क करते हैं तथा ज्योतिषियों पर निःशुल्क भविष्यफल कथन हेतु दबाव बनाते हैं।

वैसे तो ज्योतिष शास्त्र में लोगों की मदद करना आवश्यक है, परंतु जब व्यक्ति ज्योतिष शास्त्र को बिल्कुल नहीं मानता है तो ज्योतिष शास्त्र की मदद भी व्यक्ति को नहीं मिल पाती इसलिए ज्योतिष शास्त्र की गरिमा को बनाए रखने के लिए आजकल लगभग सभी ज्योतिषियों ने निःशुल्क भविष्य कथन की अपेक्षा अपनी मेहनत, समय एवं उर्जा का शुल्क एक डॉक्टर की भांति निर्धारित किया हुआ है, ताकि ज्योतिष शास्त्र के प्रति अश्रद्धा रखने वाले सज्जन परामर्श शुल्क का नाम सुनते दूरी बना लें। जब अन्तर्मन ज्योतिष शास्त्र के फलादेश एवं धर्म, अध्यात्म, ईश्वर के अस्तित्व को स्वीकार करता है और व्यक्ति सच्चे मन तथा शुद्ध हृदय से ज्योतिषी की बातों पर बिना संशय किए अमल करता हुआ उपायों का अनुसरण करता है, तो उसे निश्चित ही शुभ फल प्राप्त है, जिससे जातक और ज्योतिषी दोनों का कल्याण होता है।

जब बिग बी ने बताई थी 'दंगल' में आमिर खान के अभिनय की खामी!

बॉलीवुड सुपरस्टार आमिर खान ने स्पोर्ट्स बायोपिक 'दंगल' में अपने अभिनय की एक बड़ी एकमात्र खामी का खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि यह खामी अमिताभ बच्चन ने उन्हें बताई थी।

आमिर खान हाल ही में मुंबई में रेड लॉरी फिल्म फेस्टिवल में अपनी पहली फिल्म 'कयामत से कयामत तक' की स्पेशल स्क्रीनिंग में शामिल हुए। इवेंट के दौरान सुपरस्टार ने अपनी सबसे कमाई करने वाली फिल्म 'दंगल' के बारे में बात की और बताया कि वह इसे अपनी सर्वश्रेष्ठ फिल्मों में से एक मानते हैं। हालांकि, अभिनेता अपनी गलती स्वीकार करते हुए खुद की आलोचना करने से पीछे नहीं हटे। उन्होंने कहा कि 'दंगल' के शुरुआती दृश्यों में से एक में किरदार, युवा महावीर सिंह फोगाट मैच में अपनी जीत का जश्न मनाते हुए हां कहता है।

अभिनेता ने याद किया कि बिग बी ने भी यही बात कही थी और उनसे कहा था कि इस खास हाव-भाव ने आमिर को महावीर के किरदार से बाहर कर दिया, क्योंकि ग्रामीण से होने के कारण वह कभी भी हां नहीं कह सकते थे। आमिर ने कहा कि उन्हें इसका पछतावा है और अंतिम संपादन में उस हिस्से को हटाने का कोई तरीका नहीं था क्योंकि इससे पूरी फिल्म प्रभावित होगी। आमिर जिस बात को समझाने की कोशिश कर रहे थे, यह थी कि कभी भी एक आदर्श प्रदर्शन नहीं हो सकता क्योंकि मानव स्वभाव को देखते हुए कुछ गलतियां होना तय है।

इससे पहले, मुंबई के बांद्रा इलाके में एक फाइव स्टार होटल में अपने 60वें जन्मदिन से पहले आमिर अपनी खास दोस्त गौरी को मीडिया से मिलवाते नजर थे, जिससे मीडिया हैरान रह गया था। यह सुपरस्टार और निर्माता-निर्देशक किरण राव के तलाक के 16 साल बाद हुआ है। दिलचस्प बात यह है कि बॉलीवुड सुपरस्टार की किरण से मुलाकात ऑस्कर के लिए नामांकित फिल्म 'लगान' के सेट पर हुई थी, जिसमें उन्होंने अपनी पहली पत्नी रीना साथ पैसे लगाए थे, जो उस फिल्म की एग्जिक्युटिव प्रोड्यूसर भी थीं।

रश्मिका को जिम में पसीना बहाना पसंद है

शेयर की वर्कआउट की फोटो

रश्मिका मंदाना का सोशल मीडिया फीड इस बात का सबूत है कि दिवा को जिम में पसीना बहाना पसंद है। फिटनेस से जुड़ी हुई अपनी सीरीज 'कोई भी मुझे वो काम करने से नहीं रोक सकता जो मुझे पसंद है' के हिस्से रूप में, 'एनिमल' एक्ट्रेस ने एक बार फिर इंस्टाग्राम पर फिटनेस के लिए अपने प्यार को शेयर किया। रश्मिका ने वर्कआउट के बाद की कुछ फोटो शेयर कीं, जिसमें उनके एब्स और आकर्षक मुस्कान दिखाई दे रही हैं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, चाहे कहीं भी, कैसे भी, किसी भी में क्यों न हो... मैं हमेशा वर्कआउट करने का कोई न कोई तरीका ढूंढ ही लूंगी.... मुझे वो काम करने से कोई नहीं रोक सकता जो मुझे पसंद है... ।इससे पहले, रश्मिका ने सीरीज के भाग एक में खाने के प्रति अपने प्यार के बारे में बात की 'कोई भी मुझे वो काम करने से नहीं रोक सकता जो मुझे पसंद है'। वह आम के हलवे का लुत्फ़ उठाती नज़र आईं। 'पुष्पा' एक्ट्रेस नीले डेनिम के साथ काले रंग के टैंक टॉप में स्टाइलिश दिखीं। रश्मिका ने कैप्शन में लिखा, कोई भी मुझे वो काम करने से रोक सकता जो मुझे पसंद है!

रश्मिका के प्रोफेशनल लाइफ की बात करें तो वह सलमान खान के साथ बहुप्रतीक्षित फिल्म 'सिकंदर' में स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी।ए.आर. मुरुगादॉस द्वारा निर्देशित 'सिकंदर' का निर्माण साजिद नाडियाडवाला ने किया है। सलमान और रश्मिका के अलावा, इस फिल्म में अग्रवाल, सत्यराज, शरमन जोशी और प्रतीक बब्बर भी अहम भूमिका में हैं।यह फिल्म 2014 की ब्लॉकबस्टर 'किक' के बाद निर्माता साजिद नाडियाडवाला के साथ सलमान की फिर से वापसी है।'सिकंदर' ईद-उल-फितर के मौके पर 31 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसके अलावा, रश्मिका आयुष्मान खुराना अभिनीतका भी हिस्सा होंगी।

नंदिता रॉय और शिबोप्रसाद मुखर्जी की निर्देशित

फिल्म बोहुरूपी की फिल्मफेयर बांग्ला 2025 में 7 अवॉर्ड्स के साथ बड़ी जीत

बंगाली सिनेमा की पॉवरहाउस जोड़ी रॉय और शिबोप्रसाद मुखर्जी ने फिल्मफेयर बांग्ला 2025 में इतिहास रच दिया, जब उनकी फिल्म बोहुरूपी ने सर्वश्रेष्ठ फिल्म और सर्वश्रेष्ठ निर्देशक सहित सात प्रमुख पुरस्कार जीते। समीक्षकों द्वारा प्रशंसित इस फिल्म ने सर्वश्रेष्ठ अभिनेता (पुरुष), सर्वश्रेष्ठ संगीत एल्बम, सर्वश्रेष्ठ पार्श्व गायिका (महिला), सर्वश्रेष्ठ पार्श्व गायिका (पुरुष) और सर्वश्रेष्ठ डिजाइन भी जीते। फिल्म की जबरदस्त सफलता के लिए आभार व्यक्त करते हुए, नंदिता रॉय और शिबोप्रसाद मुखर्जी ने संयुक्त रूप से कहा, बोहुरूपी जुनून और कहानी कहने की यात्रा रही है, और यह मान्यता हमारे लिए बहुत मायने रखती है। हम इन पुरस्कारों को अपनी अविश्वसनीय टीम और को समर्पित करते हैं, जिन्होंने खुले दिल से फिल्म को अपनाया।

इस बड़ी जीत के बाद, निर्देशक जोड़ी अब अपने अगले महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट 'आमार बॉस' के लिए कमर कस रही है, जिसमें दिग्गज राखी गुलज़ार एक महत्वपूर्ण भूमिका में हैं। जैसे-जैसे उनकी अगली सिनेमाई आउटिंग के लिए उत्साह बढ़ता रहा है, बोहुरूपी की जीत उनके शानदार करियर में एक और उपलब्धि के रूप में साबित होने वाली है, जो बंगाली सिनेमा में उनकी विरासत को और भी मजबूत करेगी।

सीमाओं से आगे निकलकर चुनौती भरी भूमिका निभाना करता है उत्साहित : हेली शाह

हाल ही में रिलीज हुई सीरीज 'ज्यादा मत उड़' में अभिनय कर रहीं टेलीविजन अभिनेत्री हेली शाह का कहना है कि अपनी सीमाओं को आगे बढ़ाने वाली भूमिकाओं के साथ खुद को चुनौती देना उन्हें और अधिक उत्साहित करता है।

ड्रामा और कॉमेडी का एक बेहतरीन मिश्रण 'ज्यादा मत उड़' चुनौतियों से भरी दुनिया में अपना रास्ता खुद बनाने की कोशिश कर युवाओं के संघर्ष और आकांक्षाओं के इर्द-गिर्द घूमती है।उन्होंने बताया, एक साथ कई कलाकारों के साथ प्रोजेक्ट का हिस्सा होना मेरे लिए कभी चिंता का विषय नहीं रहा, क्योंकि मुझे अपने काम पर भरोसा है। मुझे सबसे ज्यादा रोमांचित करता है खुद को ऐसे किरदारों से चुनौती देना एक अभिनेता के तौर पर मेरी सीमाओं को आगे बढ़ाते हैं।

शो में हेली ने काजल की भूमिका निभाई है, जो एक आत्मविश्वासी और महत्वाकांक्षी महिला है, जो सामाजिक अपेक्षाओं से पीछे हटने से इनकार करती है।अपने पहले निभाए गए पारंपरिक किरदारों से अलग, काजल बोल्ड, मुखर और चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहती हैं।उन्होंने कहा, 'ज्यादा मत उड़' में काजल की भूमिका निभाना मेरे लिए एक नया अनुभव रहा है, क्योंकि वह बोल्ड, निडर और सामाजिक मानदंडों से बंधे रहने से इनकार करती है। वह अपने मन की सुनती है, अपने लिए खड़ी है और मेरे द्वारा पहले निभाई गई भूमिकाओं की तुलना में एक अलग ऊर्जा लेकर आती है। यह रोमांचक और फायदेमंद दोनों रहा है।

हेली ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत 8वीं कक्षा में शो 'गुलाल' से की थी। इसके बाद वह 2011 के शो 'दीया और बाती हम' नजर आईं।इसके बाद उन्होंने 'अलक्ष्मी - हमारी सुपर बहू' में अलक्ष्मी का किरदार निभाया। बाद में वह 'खेलती है जिंदगी आंख मिचौली' में अमी के किरदार में दिखी थीं। इसके बाद वह सोनी पल के शो खुशियों की गुल्लक आशी में नजर आईं। 'स्वरागिनी' में हेली ने स्वरा का किरदार निभाया था। 2016 में शाह 'झलक दिखला जा' के सीजन 9 में दिखी थीं। अभिनेत्री को बाद में 'देवांशी', 'सूफियाना प्यार मेरा', 'ये रिश्ते हैं प्यार के' और 'इश्क में मरजावां 2' जैसे कई अन्य शो में देखा गया।

चुनौतीपूर्ण था यारियां बनाना, दर्शकों का मिला खूब प्यार : दिव्या खोसला

फिल्म निर्माता-अभिनेत्री दिव्या खोसला ने अपनी 'यारियां' के निर्माण की प्रक्रिया के दौरान सबसे चुनौतीपूर्ण और शानदार क्षणों को याद किया, जो उनके अनुसार एक पेंटिंग की तरह लगती है।साल 2014 में रिलीज हुई 'यारियां' में हिमांश कोहली, रकुल प्रीत सिंह, निकोल फारिया और एवलिन शर्मा मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म में लक्ष्य, जिया, पारडी और नील की कहानी है, जो सिक्किम के एक कॉलेज में पढ़ते हैं और प्रॉपर्टी डेवलपर्स को अपने कैंपस को ध्वस्त करने से रोकने के लिए एक प्रतियोगिता जीतने का प्रयास करते हैं। दिव्या ने कहा, मुझे लगता है कि फिल्म बनाना बेहद मुश्किल है और यारियां निश्चित से बहुत चुनौतीपूर्ण थी। मैंने ऐसी जगहें खोजने की कोशिश की, जहां पहले कभी शूटिंग नहीं हुई थी इसलिए मैं सिक्किम और दार्जिलिंग गई। फिल्म निर्माता ने कहा, पहाड़ की चोटियों पर चढ़ना, उन जगहों की तलाश में अंदर और ऊपर की ओर यात्रा करना जो स्क्रीन पर कभी देखी गई थीं और जब आप यारियां देखते हैं, तो यह एक पेंटिंग की तरह लगती है। हर फ्रेम को मैंने पेंटिंग की तरह दिखने के लिए डिजाइन किया।

उन्होंने बताया, फिल्म निर्माण की पूरी प्रक्रिया बहुत चुनौतीपूर्ण थी। लेकिन उससे परे मैं एक नई मां भी थी- जब शूटिंग शुरू की तो मेरा बच्चा सिर्फ छह महीने का था।दस साल पीछे मुड़कर देखने पर, उन्हें एहसास होता है कि एक नई मां होने के साथ एक फिल्म का निर्देशन करना कितना मुश्किल था।उन्होंने बताया, वह सबसे मुश्किल हिस्सा था, लेकिन सबसे खास हिस्सा दर्शकों का प्यार था। फिल्म बॉक्स ऑफिस अच्छी कमाई की और ब्लॉकबस्टर बन गई। 'यारियां' की री-रिलीज पर दिव्या ने कहा, 'यारियां' को पहली बार रिलीज होने पर दर्शकों ने इतना प्यार दिया कि मेरा दिल भर गया। इसे फिर से रिलीज करना दर्शकों को वापस देने का मेरा तरीका जिन्होंने इसे पूरे दिल से अपनाया। मुझे याद है कि जब मैं अपनी दूसरी फिल्म 'सनम रे' की शूटिंग लद्दाख में कर रही थी तब एक सुनसान जगह पर कुछ पर्यटक आए और उनमें से एक लड़की मेरे पास आई और मुझे बताया कि उसने 'यारियां' 56 बार देखी इस तरह से प्यार पाकर मैं हैरान थी! अभिनेत्री ने आगे कहा, मेरा दिल वाकई इस सारे प्यार से भर गया है। बेशक, इस फिल्म ने मुझे एक निर्देशक के रूप में लॉन्च किया और इंडस्ट्री में मेरे सफर की शुरुआत की। मैं दर्शकों के प्यार और समर्थन के आभारी हूं।

...ब्यू पर मन्नारा चोपड़ा बोलीं ...ंगीत मेरे दिल के करीब

अ... त्री, बिग बॉस की पूर्व ...स्टेंट मन्नारा चोपड़ा सिंगिंग में ... करने के लिए तैयार हैं। ... दास्तान' में वह अपनी ...ज देती नजर आएंगी।गाने को ...ाज देने साथ ही मन्नारा ने ...जिक वीडियो के कुछ हिस्सों ...ा निर्देशन भी किया है, ...जिसमें न्यूयॉर्क शहर की ...शानदार पृष्ठभूमि पर तैयार ...पुरानी दुनिया की धुनों के आकर्षण को खूबसूरती से दिखाया गया है। इस नए काम को लेकर उत्साहित मन्नारा ने कहा, संगीत हमेशा ...रे दिल के करीब है। यह ...त इसलिए खास है, क्योंकि ...में क्लासिक्स के प्रति मेरे ... को मेरे अपने कलात्मक ...के साथ मिलाया गया है। मैं ...सा बनाना चाहती थी, जो ... होने के साथ-साथ ...ी लगे और मुझे उम्मीद है ... उसी तरह जुड़ेंगे, जैसे मैं

...' मूल रूप से 1960 की ...ीत पराई' से है, जिसमें मीना ...प्रकाश, नादिरा, हेलेन और ...िवंगत गायिका लता मंगेशकर ...। वर्षीय अभिनेत्री मन्नारा का जन्म हरियाणा के अंबाला कैंटोनमेंट में हुआ था, उन्होंने 40 से अधिक विज्ञापनों में काम किया है। अभिनय की शुरुआत से पहले वह एक फैशन डिजाइनर और सहायक कोरियोग्राफर के रूप में भी काम कर चुकी हैं। उन्होंने हिप हॉप और बेली डांसिंग जैसे नृत्य में प्रशिक्षण लिया।

मन्नारा ने 2014 में अभिनय की दुनिया में कदम रखा और तेलुगू, तमिल, हिंदी और कन्नड़ जैसी विभिन्न भाषाओं की फिल्मों में काम किया। उन्होंने श्रीराम चंद्रा के साथ 2014 की तेलुगू फिल्म 'प्रेमा गीमा जंता नाई' से अपने अभिनय की शुरुआत की। उन्होंने अनुभव सिन्हा 'जिद' से हिंदी में शुरुआत की, जिसमें उनके साथ करणवीर शर्मा भी थे। 2015 में चोपड़ा ने दो तमिल फिल्मों के एक गाने में विशेष भूमिका निभाई थी। मन्नारा 'थिक्का' में साई धरम तेज के साथ मुख्य भूमिका भी निभाई। मन्नारा 2017 में 'रॉग' से कन्नड़ फिल्म में डेब्यू चुकी हैं।वह साल 2023 में सलमान खान के शो 'बिग बॉस' के 17वें सीजन में शामिल हुई थीं। इस शो के बाद वह लोकप्रिय हो गईं। शो की वह दूसरी रनर-अप रहीं और विजेता मुनव्वर फारूकी रहे। मन्नारा 'भूतमेट' से वेब डेब्यू कर चुकी हैं, जिसमें उन्होंने परी की एक भूतनी का किरदार निभाया। वह जल्द ही एक तेलुगू फिल्म थिरागबदरा सामी' और एक पंजाबी फिल्म में नजर आएंगी।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज समय बहतर रहेगा कार्य सिद्धि होगी । कारोबार में वृद्धि होगी। आपके सम्मान में बढोतरी होगी। नए काम से लाभ होगा। शत्रु पक्ष से सावधान रहें। नए व्यक्ति से मुलाकात होगी। निवेश संबंधी प्रस्ताव मिलेंगे। जरूरी फैसले जल्दबाजी में न लें। पारिवारिक जीवन खुशनुमा रहेगा। धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं। जोखिम वाले करने से बचें। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा तरल भोजन करें।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज गणेश जी को दूर्वा और सिन्दूर चढाए मनोवांछित फल मिलेगा। मित्रों के साथ घूमने के लिए जाएंगे। पूजा पाठ में मन लगेगा। व्यवसाय में प्रगति होगी।परिवार का सहयोग मिलेगा। उधार की रकम वापस मिलेगी। वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा। कार्यस्थल पर खुशखबरी मिलेगी। आपके ज्यादातर कार्य काम पूरे होंगे। आप बेहद खुश रहेंगे। आर्थिक लाभ होगा। सेहत ठीक रहेगी। उच्च पदस्थ व्यक्ति से लाभ होगा पदोन्नति संभव हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज ध्यान और प्राणायाम करें शरीर मे उर्जा रहेगी। आपको यात्रा पर जाना पड़ा सकता है। जोखिम ले सकते हैं। निवेश के अवसर आएंगे। आमदनी होगी। पारिवारिक कार्य सफल रहेंगे। बुजुर्गों का मार्गदर्शन मिलेगा। पारिवारिक कार्यक्रम हो सकते हैं। किसी रिश्तेदार से काफी समय बाद मुलाकात होने की संभावना है। कैरियर से जुड़े कार्य पूरे होंगे। बेरोजगारी दूर होगी ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज मनमुताबिक कार्य नही होंगे ।बहते पानी मे शक्कर बहादें। खर्च ज्यादा होने की संभावना है। परिवार के किसी सदस्य की सेहत बिगड़ सकती है। गैरजरूरी कार्यों में समय नष्ट करेंगे। किसी को उधार न दें। नुकसान की आशंका है। विवाद की स्थिति से दूर रहें। कर्ज की रकम फिलहाल वापस नहीं मिलेगी। ऑफिस में किसी से बहस हो सकती है। जी–वनसाथी का सहयोग मिलेगा।गुस्सा करने से बचें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

गणेश मंत्र का जप करें गाय को हरी सब्जी खिलाए । नई योजना बना सकते हैं। आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे। सामाजिक कार्यों में हिस्सा लेंगे। तनाव हो सकता है। शांत रहने का प्रयास करें। पुराने रूके हुए कार्य पूरे होंगे। उधार की रकम वापस मिल सकती है। सेहत को लेकर चिंतित रहेंगे। दफ्तर के सहयोगी से मतभेद दूर होंगे। लाभ के अवसर सामने आएंगे। व्यवसाय में प्रगति होगी। घर परिवार का माहौल ठीक रहेगा। यात्रा का योग बनेगा गुड का सेवन करें।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज धार्मिक ग्रन्थों का अवलोकन करें । आपको सत्संग का लाभ मिलेगा। पुराने काम पूरे हो सकते हैं। आध्यात्मिकता में रुचि बढ़ेगी। विशेषज्ञ का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। अचानक किसी के साथ तनाव हो सकता है। क्रोध पर काबू रखें। आर्थिक स्थिति सुधरने की उम्मीद है। व्यवसाय में लाभ की संभावना है। विरोधियों से सावधान रहें। खानपान में सावधानी बरते शाम को दूध का सेवन करें ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपको बुजुर्गों का माता पिता का आशीर्वाद लेकर चलें । आज खुशखबरी मिलेगी। प्रसन्न रहेंगे। बड़ी जिम्मेदारी पूरी कर पाएंगे। परिवार के लोगों से मुलाकात होगी। आमदनी में बढ़ोतरी होगी। नए काम के लिए प्रयास कर सकते हैं। कैरियर से जुड़ी जानकारी मिलेगी। रिश्तेदारों का सहयोग मिलेगा। छात्रों का पढ़ाई में मन लगेगा। धन लाभ होने की संभावना है। अनजान लोगों से मेलमिलाप न करें। यात्रा का बिल्कुल नही है सावधानी बरते।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज का दिन अनुकूल नही हैं शिवमंत्र का जप करें । तनावग्रस्त हो सकते हैं। कार्यस्थल पर खुशखबरी मिल सकती है। संतान पक्ष की सफलता से प्रसन्न रहेंगे। आर्थिक स्थिति कमजोर हो सकती है। शारीरिक दिक्कत होने की आशंका है। हड़बड़ी में जरूरी फैसला न लें। शत्रुओं से हानि होगी। यात्रा कर सकते हैं। जोखिम लेने से बचें। सावधानी से खर्च करें। चींटियों को आटा डालें कर्ज मुक्त होंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज का दिन शानदार बनाना हैं तो ब्रह्म मुहूर्त मे निंद्रा त्याग कर ईश्वर का चिंतन करें । अपने मित्रों के साथ समय बिता सकते हैं। विद्यार्थियों को सफलता प्राप्त होगी। परिवार में प्रसन्नता का माहौल रहेगा। नए प्रोजेक्ट पर काम शुरू कर सकते हैं। घरेलू जिम्मेदारी पूरी करेंगे। नया मकान खरीदने का प्लान बना सकते हैं। किसी कार्य में ज्यादा खर्च होगा। सावधानी से बातचीत करें। दाम्पत्यजीवन मे पूर्ण सहयोग रहेगा।रिश्तों मे मधुरता बढेगी।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज का दिन खुशहाल हैं तरक्की के रास्ते खुलेंगे। पुराने मित्रों से मुलाकात होगी। यात्रा पर जा सकते हैं। ऑफिस में बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है। तरक्की की सूचना मिलेगी। अनजान लोगों की मदद करने से पहले सोच विचार कर लें। किसी की वजह से आपको नुकसान हो सकता है। कारोबार अच्छा चलेगा। विवाद से बचें। ईश्वर की आराधना में मन लगेगा। नौकरी मिलने की पूरे योग हैं धन के रास्ते खुलेंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आप जो महनत करेंगे उसका परिणाम सौ प्रतिशत मिलेगा। आप काफी सकारात्मक रहेंगे। सेहत ठीक रहेगी। धन संबंधी स्थिति सुधरेगी। आप–को खुशखबरी मिल सकती है। आपके स्वभाव से दूसरे प्रभावित रहेंगे। आपकी सराहना होगी। कुटिल लोगों से सतर्क रहें। आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे।युवाओं को आज सफलता मिलेगी। कुंवारों का रिश्ता तय हो सकता है दुर्गा जी को लाल पुष्प चढाए कार्य सिद्ध होगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आपको विरोधी नुकसान पहुंचा सकते हैं सतर्कता बरतें । किसी के बहकावे में न आएं। आर्थिक नुकसान की आशंका है। आज आपकी वजह से कई लोगों को लाभ होगा। किसी रिश्तेदार के यहां से दुखद समाचार मिल सकता है। तनाव की स्थिति निर्मित हो सकती है। वाणी पर क्रोध पर नियंत्रण रखें। अपशब्दों का इस्तेमाल न करें व्यवहार खराब होगा संयमित रहें।

रविवार का पंचांग

दिनांक : 23 मार्च 2025 , रविवार
विक्रम संवत : 2081
मास : चैत्र , कृष्ण पक्ष
तिथि : नवमी रात्रि 05:41 तक
नक्षत्र : पूर्वाषाढ रात्रि 04:19 तक
योग : वरियान सायं 05:57 तक
करण : तैतिल सायं 05:39 तक
चन्द्रराशि : धनु
सूर्योदय : 06:17 , सूर्यास्त 06:27 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:21 , सूर्यास्त 06:30 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:14 , सूर्यास्त 06:23 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:09 , सूर्यास्त 06:18 (विजयवाडा)

शुभ चौघडिया
चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : खरमास चालू है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लु महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजस्थान में कुल 86 लोक सेवक हुए बर्खास्त

भजनलाल सरकार ने 2023 में किया था एसआईटी का गठन

जयपुर,22 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में पेपर लीक मामले में एक के बाद एक लोक सेवकों को निलंबित और बर्खास्त किया जा रहा है। भजनलाल शर्मा की सरकार बनने के बाद ही पेपर लीक मामलों की जांच पर एक्शन लेना शुरू किया था। संदर्भ में सरकार ने दिसंबर 2023 में एक डखढ का गठन किया था। जिसके बाद डखढ ने पेपर लीक मामले की जांच शुरू की। जांच के दौरान कई लोक सेवकों की संलिप्तता सामने आने के बाद निलंबन और बर्खास्त करने की प्रक्रिया शुरू हुई। अब तक की कार्रवाई के प्रदेश में कुल 86 लोक सेवक बर्खास्त किये गए हैं। हालांकि अलग-अलग पेपर लीक मामलों में बर्खास्त कार्रवाई की गई है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एटीएस-एसओजी) वीके सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश पर एसआईटी गठित होने के बाद कुल 86 लोक सेवकों को सेवा से बर्खास्त जा चुका है। जिनमें डख भर्ती परीक्षा 2021 में चयनित 45 प्रशिक्षु उप निरीक्षक भी शामिल हैं।

पेपर लीक मामले में कार्रवाई में अब दौसा जिले के निलंबित पटवारी को बर्खास्त कर दिया गया है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एटीएस-एसओ-जी) वीके सिंह ने बताया कि आरोप होने के बाद दौसा जिलाधिकारी देवेंद्र कुमार ने शुक्रवार को पटवारी हर्षवर्धन मीणा को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया। हालांकि यह कार्रवाई गएछ भर्ती परीक्षा 2020 के पेपर लीक मामले में की गई है।

सिंह ने बताया कि जेईएन भर्ती परीक्षा 2020 के प्रश्नपत्र लीक मामले में गिरफ्तारी पहले दौसा जिले के महवा में पटवारी के पद पर रहे हर्षवर्धन मीणा के खिलाफ तीन आरोपों की जांच पूरी होने के बाद शुक्रवार को दौसा जिलाधिकारी देवेंद्र कुमार ने उसे बर्खास्त कर दिया। हर्षवर्धन दो जनवरी 2024 से ड्यूटी से अनुपस्थित था। उसे पुलिस के विशेष अभियान समूह जयपुर ने 18 फरवरी 2024 को पेपर लीक मामले में उत्तर प्रदेश में भारत-नेपाल सीमा से गिरफ्तार किया था। उन्होंने बताया कि आरोपी ने अपने और अपने परिवार के नाम पर विभिन्न प्रकार की चल-अचल संपत्ति अर्जित की, जिसका उल्लेख वार्षिक कार्य मूल्यांकन रिपोर्ट में नहीं किया गया।

आरती करने को लेकर दोनों साधुओं के बीच विवाद

साधु ने दूसरे साधु को चाकू घोंपकर उतारा मौत के घाट

जयपुर,22 मार्च (एजेंसियां)। दौसा जिले के लालसोट में स्थित डीडवाना के हनुमान मंदिर में शुक्रवार देर रात एक साधु ने दूसरे साधु की चाकू घोंपकर हत्या कर दी। इस वारदात में साधु की मौके पर ही दर्दनाक हो गई। हत्या की खबर आग की तरह पूरे शहर और आसपास के क्षेत्रों में फैल गई, जिसके बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्रित होकर प्रदर्शन करने लगे और आरोपी की गिरफ्तारी की मांग करने लगे। सूचना मिलते ही लालसोट थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मामले जांच के लिए एफएसएल टीम को बुलाया। देर रात एफएसएल की टीम ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य इकट्ठा किए।

लालसोट एडिशनल एसपी दिनेश अग्रवाल ने बताया कि प्रारंभिक जांच में आरती करने को लेकर दोनों साधुओं के बीच विवाद होने बात सामने आई है। हो सकता है कि मंदिर में वर्चस्व या एकाधिकार को लेकर यह झगड़ा हुआ हो। फिलहाल पुलिस ने आरोपी साधु राजेंद्र उर्फ शिवपाल को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है ताकि हत्या के सही कारणों का पता लगाया जा सके। इस घटना में परशुराम दास महाराज की चाकू मारकर हत्या कर दी गई, जिससे पूरे इलाके में सनसनी फैल गई।

जब पुलिस ने मंदिर में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले तो चौंकाने वाला तथ्य सामने आया है। पता चला कि मंदिर परिसर में रहने वाले शिवपाल ने हत्या से पहले सीसीटीवी कैमरों को बंद कर दिया था। फुटेज में साफ दिख रहा है कि आरोपी साधु वारदात से पहले ही कैमरों को बंद कर रहा था, जिससे यह साबित होता है कि हत्या पूर्व नियोजित थी। पुलिस को इस साजिश के और भी सुराग हैं, जिनकी गहन जांच की जा रही है।सूत्रों के मुताबिक आरोपी राजेंद्र उर्फ शिवदास ने संत परशुराम दास पर चाकू से हमला करने के बाद उनकी मौके पर ही हत्या कर दी और फिर कार में सवार होकर हो गया। लालसोट एएसपी दिनेश अग्रवाल ने तत्परता दिखाते हुए कुछ ही समय में आरोपी को पकड़ लिया।

छात्रों के 80 में से 40 नंबर नहीं आए तो टीचर पर कार्रवाई

अध्यापक के प्रमोशन पर पड़ेगा असर : दिलावर

जयपुर,22 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने राजस्थान के सरकारी अध्यापकों को चेतावनी दी है कि अगर छात्रों के 50 फीसदी मार्क्स नहीं आते हैं तो शिक्षकों से पूछताछ की जाएगी। और हो सकता है उनपर कड़ी कार्रवाई भी की जाए। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा, ''स्कूलों में स्टूडेंट्स जो सत्रांक दिए जाते हैं, वो उनके फाइनल रिजल्ट में जुड़ते हैं। ऐसे में अगर किसी टीचर द्वारा किसी स्टूडेंट को 20 में से 20 सेशनल मार्क्स दिए जाते हैं। स्टूडेंट को उस सब्जेक्ट की परीक्षा में पास होने के लिए 80 में से सिर्फ 13 नंबर ही लाने हैं। महज 13 नंबर लाकर ही स्टूडेंट परीक्षा में पास हो जाता है।

दिलावर ने कहा कि, ''अगर किसी टीचर द्वारा किसी भी स्टूडेंट को 20 में से 20 सेशनल मार्क्स दिए गए हैं। रिटन टेस्ट में स्टूडेंट के 80 में से 40 मार्क्स यानी यह 50 फीसदी आने ही चाहिए। अगर ऐसा नहीं होगा तो संबंधित टीचर और स्टूडेंट से शिक्षा विभाग द्वारा पूछताछ की जाएगी। इसमें अगर यह पता चला कि टीचर द्वारा स्टूडेंट्स को ठीक ढंग से पढ़ाई नहीं करवाई गई है। संबंधित टीचर के खिलाफ एक्शन भी लिया जाएगा। ''

मंत्री मदन दिलावर ने बोर्ड परीक्षाओं को लेकर बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि अब बोर्ड परीक्षाओं में कम नंबर आने पर

उत्तर पुस्तिकाओं की री-टोटलिंग के साथ री-चेकिंग की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी। इसके माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के प्रश्नपत्र अब तीन-चार खंडों में विभाजित कर विभिन्न विशेषज्ञों से तैयार कराए जाएंगे। इस नई व्यवस्था से पेपर लीक और नकल माफिया पर प्रभावी अंकुश लगेगा, जिससे परीक्षा प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और निष्पक्ष होगी।

उन्होंने पिछली सरकार पर साल के कार्यकाल के दौरान शिक्षकों की पदोन्नति नहीं करने का आरोप लगाया और कहा कि वर्तमान सरकार 50,000 शिक्षकों की पदोन्नति करेगी। इसके साथ ही, नई शिक्षक भर्ती के लिए भी आयोजन किया जाएगा। मंत्री ने यह भी निर्देश दिया कि बच्चों के लिखित परीक्षा में न्यूनतम 50 अंक आने चाहिए। अगर बच्चे 80 में से 40 नंबर नहीं लाते हैं तो वे पास हो जाएंगे, लेकिन शिक्षक को फेल कर दिया जाएगा।

शादी के डेढ़ महीने बाद पत्नी ने दांतों से पति की जुबान काटी

जयपुर,22 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के झालावाड़ जिले के बकानी कस्बे से शुक्रवार को दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक शादीशुदा महिला ने अपने पति की जीभ को दांतों से काटकर अलग कर दिया है। इस वक्त घायल पति का झालावाड़ के श्री राजेंद्र पब्लिक हॉस्पिटल में चल रहा है। दोनों की शादी डेढ़ महीने पहले ही हुई थी और एक झगड़े में पत्नी ने इस वारदात को अंजाम दिया है।

यह वारदात बकानी कस्बे के ज्योति नगर में हुई। इसी कॉलोनी में रहने वाले कन्हैयालाल की शादी डेढ़ महीने पहले सुनेल निवासी रवीना के साथ हुई थी। सबकुछ ठीक चल रहा था। रवीना अपने पीहर गई हुई थी। कल ही उसके पिता बकानी स्थित उसके सुसराल में छोड़कर गए थे। बताया जा रहा है कि देर रात दोनों पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर झगड़ा गया थी। इसके बाद ही रवीना ने अपने पति की जीभ को दांतों से काटकर अलग कर दिया। परिजनों ने बताया कि घटना के बाद रवीना ने कमरे की कुंडी लगाकर आत्महत्या का प्रयास किया। लेकिन बाद में परिजनों ने समझाने पर उसने अपना फैसला बदला और कमरे का खोला दिया। इस मामले में पुलिस की एंट्री भी हो गई है। हालांकि अभी तक कोई मामला दर्ज नहीं कराया गया है।

मोदी ने अरविंद मेवाड़ के निधन पर लिखा पत्र

राजपरिवार के योगदान को किया याद

नई दिल्ली,22 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान के पूर्व मेवाड़ राजपरिवार के सदस्य अरविंद सिंह मेवाड़ के निधन पर शोक जताते हुए राज परिवार को एक पत्र लिखा है। पीएम ने उनके बेटे सिंह को संबोधित पत्र में पीड़ित परिवार के प्रति संवेदनाएं व्यक्त की हैं।

प्रधानमंत्री ने लिखा कि मेवाड़ घराने का एक गौरवशाली और संपन्न इतिहास रहा है। मेवाड़ में ऐसे अनेक शूरवीर और देशभक्त रहे, जिन्होंने अपने स्वाभिमान और मातृभूमि की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। की समृद्ध विरासत को संजोने और उसे आगे ले जाने में अरविंद सिंह मेवाड़ का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

उन्होंने लिखा, अरविंद सिंह मेवाड़ का जीवन जनकल्याण के लिए समर्पित था। जरूरतमंदों की सेवा के लिए वह हमेशा तत्पर रहते थे। वह बहुमुखी प्रतिभा के धनी भी थे। संगीत, कला, एवं खेल के प्रति उनका विशेष अन-राग था। पीएम मोदी ने लक्ष्यराज सिंह को संबोधित करते हुए लिखा, अपने पिता को खोने की पीड़ा आपके लिए कितनी गहरी होगी, यह मैं समझ सकता हूं।

बहादुरगढ़ में एसी का कंप्रेसर फटने से घर में जोरदार धमाका

एक ही परिवार के चार लोगों की मौत

झज्जर,22 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा के झज्जर जिले के बहादुरगढ़ में एक एसी का कंप्रेसर से घर में धमाका हो गया। हादसे में तीन बच्चों समेत लोगों की मौत हो गई। सभी मृतक एक ही परिवार के थे। ब्लास्ट में एक शख्स घायल भी हुआ है, जिसे अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

जानकारी के अनुसार, बहादुरगढ़ शहर में सेक्टर-9 पुलिस चौकी के पास घर में एसी का कंप्रेसर फटने से हुए ब्लास्ट में 3 और एक महिला की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक पुरुष गंभीर रूप से घायल हुआ है। घर परिवार किराए पर रहता था। बताया जा रहा है कि घर में एसी का कंप्रेसर फटने से ब्लास्ट हुआ और घर में आग लग गई। में झुलसने से तीन बच्चों और महिला की जान चली गई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची। दमकल विभाग ने आग पर काबू पाया।

अवैध गतिविधियों में लिप्त 10 विदेशी नागरिकों किया डिपोर्ट

दौसा,22 मार्च (एजेंसियां)। पुलिस ने विदेशी नागरिकों की अवैध गतिविधियों पर बड़ी कार्रवाई करते हुए जमात से जुड़े 10 विदेशी लोगों को देश से बाहर निकाल दिया। यह कार्रवाई गृह मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के उल्लंघन और प्रतिबंधित गतिविधियों में संलिप्तता के चलते की गई है।

अवैध पर नकेल कसते हुए पुलिस ने लालसोट एएसपी दिनेश अग्रवाल, दौसा डीएसपी रविप्रकाश शर्मा, नांगल राजावतान डीएसपी चारूल गुप्ता और पापड़दा थानाधिकारी संतचरण के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया। इस टीम ने 10 विदेशी नागरिकों (5 पुरुष और 5 महिलाएं) को हिरासत में लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया की। गृह मंत्रालय के नियमों का उल्लंघन पाए जाने के बाद विदेशी पंजीकरण अधिकारी/एसपी द्वारा सभी 10 विदेशी नागरिकों को लीव इंडिया नोटिस जारी किया गया। इसके तहत पुलिस जाब्ते की सुरक्षा में उन्हें रक्सौल चेक पोस्ट, पूर्वी चंपारण (बिहार) भारत-नेपाल सीमा तक पहुंचाया गया, जहां से उन्हें भारत छोड़ने की प्रक्रिया पूरी की गई। इस ऑपरेशन में डीएसबी के एसआई जितेंद्र, एएसआई हरि सिंह और दीपक कुमार शर्मा की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस का कहना है कि भविष्य में भी ऐसे मामलों सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

कुरुक्षेत्र में महायज्ञ के दौरान हंगामा

ब्राह्मणों पर लाठियां, ताबड़तोड़ फायरिंग से कई घायल

कुरुक्षेत्र,22 मार्च (एजेंसियां)। कुरुक्षेत्र में आयोजित महायज्ञ के दौरान जब सुरक्षाकर्मियों ने गोली चलाई और एक ब्राह्मण को घायल कर दिया, तो माहौल बिगड़ गया। माहौल में उथल-पुथल मच गई और के बाद भगदड़ मच गई। बताया जाता है कि करीब 3 से 4 ब्राह्मण घायल हो गए, जिसके बाद पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा।

प्रत्यक्षदर्शियों का दावा है कि महायज्ञ में खाने को लेकर झगड़ा शुरू हुआ। कुछ ब्राह्मणों ने आयोजकों पर आरोप कि उन्होंने खराब और खराब खाना पर-सा। इस पर आयोजकों में हाथापाई होने पर स्थिति और बिगड़ गई। इस बीच, मौके पर तैनात सुरक्षाकर्मियों ने फायरिंग शुरू कर दी, जिसमें एक ब्राह्मण घायल हो गया।

मामला दर्ज होते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले संभालना शुरू कर दिया। लेकिन जब हालात बिगड़ने लगे, तो पुलिस ने लाठीचार्ज कर लोगों को नियंत्रित किया। इसके बाद पूरे शहर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए, ताकि माहौल शांत रहे और कोई अप्रत्याशित घटना न घटे।

इस घटना के बाद ब्राह्मण समाज रोष व्याप्त हो गया। उन्होंने कहा कि उनकी बातों को नजरअंदाज करके उनके साथ बहुत ज्यादा मारपीट की गई और उन्हें पुराना खाना परोसा गया। स्थानीय अस्पताल में घायल ब्राह्मणों का इलाज चल रहा है और अधिकारियों ने गहन जांच शुरू कर दी है। प्रशासनिक अधिकारियों कहा कि फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है और अपराधियों से सख्ती से निपटा जाएगा। पुलिस पूरे मामले की बारीकी से जांच कर रही है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों।इस महायज्ञ के दौरान कुरुक्षेत्र में हुए आयोजन ने पवित्र आयोजनों में सुरक्षा और व्यवस्था को लेकर कई खड़े कर दिए हैं। यह न केवल एक महायज्ञ है, बल्कि समाज में बढ़ती असहिष्णुता और अराजकता की भी संकेत है।

जेजेपी नेता की गोली मारकर हत्या

पड़ोस में रहने वाले रिश्तेदार पर आरोप

पानीपत,22 मार्च (एजेंसियां)। जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) के नेता रविंद्र मीणा की देर रात उनके रिश्तेदारों ने गोली मारकर हत्या कर दी। यह घटना पारिवारिक विवाद के चलते हुई। पुलिस ने दो आरोपियों के खिलाफ हत्या का मुकदमा किया और उनकी तलाश शुरू कर दी है। घटना में दो अन्य लोग भी घायल हुए हैं, जिनमें से एक की हालत गंभीर बताई जा रही है।

मृतक के भाई ने मीडिया से बताया कि रविंद्र का रिश्तेदार रणबीर उसे पंचायत में फैसला करने के लिए ले गया था। पंचायत तक पहुंचने से पहले ही विकास नगर की गली नंबर 4 में रणबीर ने रविंद्र के माथे पर गोली मार दी। इसके बाद रणबीर ने दो अन्य लोगों पर भी गोली चलाई। एक व्यक्ति के पेट में गोली लगी, जो आर-पार हो गई, जबकि दूसरे को भी चोट घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतक के भाई के मुताबिक, रविंद्र की साली की शादी आरोपी रणबीर के बेटे से हुई थी। दोनों परिवारों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। पहले भी कई बार

पंचायत हुई, लेकिन कोई नतीजा नहीं निकला। पुलिस के (हेडक्वार्टर) सतीश वर्मा ने बताया कि यह हत्या पारिवारिक झगड़े की वजह से हुई।

उन्होंने कहा, रणबीर नाम के युवक ने जेजेपी नेता रविंद्र मीणा के माथे पर बेहद करीब से गोली मारी। हमने दो लोगों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया है और उनकी गिरफ्तारी के लिए टीमें लगा दी हैं। जल्द ही आरोपियों को पकड़ लिया जाएगा। डीएसपी ने यह भी बताया कि घटनास्थल की जांच की जा रही है और सबूत जुटाए जा रहे हैं। वहीं, मृतक के मामा जयभगवान ने बताया कि उसे बुलाकर एक जगह पर ले गए, जहां पर कुछ तैयार थे। वहां उसे ले जाते ही सबसे पहले उसे गोली मार दी। मरने वाला व्यक्ति मेरी बहन का बेटा है। पहले गया था कि पंचायत में फैसला करा देंगे, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हो पाया और अब इस तरह की स्थिति पैदा हो चुकी है।

यह घटना जयपुर के नगर इलाके में हुई, जहां रात के समय गोली चलने से हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि दोनों परिवारों के बीच तनाव पहले से था, लेकिन किसी ने इतनी बड़ी वारदात की उम्मीद नहीं की थी। रविंद्र मीणा जेजेपी के सक्रिय नेता थे और इलाके में उनकी थी। उनकी हत्या से पार्टी कार्यकर्ताओं में भी गुस्सा है।

पुलिस अब इस मामले की गहराई से जांच कर रही है। घायलों के बयान और प्रत्यक्षदर्शियों की जानकारी के आधार पर कार्रवाई की जा रही है। इलाके में तनाव को देखते हुए पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस दावा है कि वह जल्द ही पूरे मामले को सुलझा लेगी।

बख्तियारपुर-मोकामा फोरलेन के आरओबी का हुआ शुभारंभ

उत्तर बिहार जाने वाले लोगों को मिलेगा फायदा

पटना (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बिहार दिवस के दिन राज्यवासियों को सौगात दी है। उन्होंने बख्तियारपुर-मोकामा फोरलेन (एनएच-31) के आरओबी का शुभारंभ कर दिया है। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इससे बख्तियारपुर से मोकामा आने-जाने वाले लोगों को और अधिक सहूलियत मिलेगी, साथ ही पटना से उत्तर बिहार जाने वाले लोगों का आवागमन भी सुगम होगा और समय की बचत होगी। मुख्यमंत्री ने निर्माणाधीन बख्तियारपुर-ताजपुर पथ का भी निरीक्षण किया और इसे जल्द से जल्द पूर्ण करने का निर्देश दिया। इस प्रकार, मुख्यमंत्री ने विकास परियोजनाओं की सतत निगरानी और समय पर पूरा करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

इससे पहले सीएम नीतीश कुमार ने ने मीठापुर-महुली पथ के निर्माण कार्य का भी निरीक्षण किया। बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड के अध्यक्ष श्री शीर्षत कपिल ने जानकारी दी कि मीठापुर-महुली पथ की लंबाई 11 किलोमीटर है, और इसका बचे हुए कार्य अप्रैल माह तक पूरा कर लिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि एलिवेटेड मीठापुर पुल और नीचे के पथ के कार्यों को शीघ्रता से पूरा किया जाए ताकि लोगों को आवागमन में सुविधा हो सके।

मुख्यमंत्री ने पटना-गया पुराने पथ के चौड़ीकरण कार्य का भी जायजा लिया। पुनपुन तीनमुहानी के पास रुककर उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति का निरीक्षण किया और यहां से पुनपुन घाट तक जाने के लिए एलिवेटेड सड़क निर्माण कार्य को तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने वहां उप-स्थित लोगों से मिलकर उनका हालचाल भी जाना।

सीएम नीतीश कुमार ने एमएलए (विधायक) एवं एमएलसी (विधान पार्षद) आवास परिसर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माणाधीन कार्यों की प्रगति का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को तेजी से कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। भवन निर्माण विभाग के सचिव श्री कुमार रवि ने मुख्यमंत्री को जानकारी देते हुए बताया कि नए आवास परिसर में विधान पार्षदों के लिए 75 फ्लैट आवंटित किए जा चुके हैं। वहीं, 246 फ्लैट विधायक के लिए बनाए जा रहे हैं, जिनमें से 88 फ्लैटों का आवंटन हो चुका है। शेष 188 फ्लैटों का निर्माण अगले दो महीनों में पूर्ण कर लिया जाएगा। इसके साथ ही, कैंटिन, कम्युनिटी हॉल और गेस्ट हाउस के निर्माण कार्य की भी जानकारी दी गई। मुख्यमंत्री ने नवनिर्मित एमएलए फ्लैट के विभिन्न हिस्सों का निरीक्षण किया और कहा कि परिसर के अंदर साफ-सफाई और वृक्षारोपण का ध्यान रखा जाए। उन्होंने निर्माणाधीन कार्यों को गति देने का निर्देश दिया ताकि विधायक और विधान पार्षदों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

बढ़ते अपराध पर बोले मंत्री केदार गुप्ता

पहले अपराधी पकड़ाते नहीं थे, अब कार्रवाई होती है

मुंगेर (एजेंसियां)। बिहार में बढ़ते अपराध को लेकर पूछे गए सवाल पर बिहार सरकार के पंचायती राज मंत्री सह मुंगेर प्रभारी केदार गुप्ता ने कहा कि पहले बिहार में अपराधी अपराध करने के बाद नहीं पकड़ाते थे। लेकिन अब अपराधी अपराध करने के बाद पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई के बाद उसकी गिरफ्तारी हो रही है।चाहे वे कितने भी बड़े अपराधी हों।

उन्होंने कहा कि बिहार में न्याय की सरकार है। इसमें किसी को बक्शा नहीं जाएगा। उन्होंने विपक्ष पर हमला करते हुए कहा कि 2005 से पहले बिहार में लूट, हत्या, आगजनी और बलात्कार जैसी घटना घटती थी। लेकिन आज इस तरह की घटना में स्पीड ट्रायल चलाकर त्वरित कार्रवाई की जा रही है।

पिछले दिनों मुंगेर जिले के मुफस्सिल थाना में पदस्थापित एएसआई संतोष कुमार सिंह की हत्या के मामले में मंत्री ने कहा कि इस मामले में मुंगेर पुलिस द्वारा पांच लोगों की गिरफ्तारी कर ली है।

जल्द ही अन्य अभियुक्तों की गिरफ्तारी पुलिस द्वारा कर ली जाएगी। मंत्री ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा इस मामले में स्पीड ट्रायल चलाकर कर सभी अभियुक्तों को जल्द से जल्द सजा दिलवाया जाएगा। बिहार दिवस के अवसर पर पंचायती राज मंत्री ने बिहार वासियों को दी शुभकामनाएं दी। बिहार दिवस मौके पर पूरे बिहार वासियों को शुभकामनाएं दी।

उन्होंने कहा कि आज बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, विजय सिन्हा और दिलीप जयसवाल के नेतृत्व में बिहार काफी प्रगति की राह पर चल रहा है। शिक्षा, स्वास्थ्य का विषय हो या सड़क की व्यवस्था सभी चीजों में बिहार आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री और बिहार के मुख्यमंत्री के नेतृत्व में हम लोग बढ़ता बिहार को आगे बढ़ाने में लगे हुए हैं, जिसमें पंचायती राज विभाग समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुंचना चाहती है।

बालिका गृह से 13 लड़कियां गायब! पुलिस-प्रशासन सन्न

वार्डन और सुरक्षाकर्मी पर शक

पटना (एजेंसियां)। सीवान जिले के जीरादेई प्रखंड स्थित भैंसखाल में स्थित बालिका गृह से 13 लड़कियों के फरार होने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि ये लड़कियां वार्डन और गार्ड को चकमा देकर बीती रात अंधेरे का फायदा उठाते हुए एक-एक कर फरार हो गईं। इस बालिका गृह में आर्केस्ट्रा और अन्य मामलों से मुक्त करवाई गई नाबालिग लड़कियां रहती हैं। इधर, जैसे ही इस घटना की सूचना प्रशासन को मिली, अधिकारियों के होश उड़ गए।

लड़कियों के परिजनों को जब इस घटना की जानकारी मिली, तो कुछ परिजन बालिका गृह पहुंचे और वार्डन और गार्ड की मिलीभगत का आरोप लगाया। बताया जा रहा है कि इन लड़कियों में ज्यादातर सारण और गोपालगंज जिलों की रहने वाली हैं। वार्डन रिंकु झा ने जीरादेई थाना में आवेदन देकर 13 लड़कियों के गायब होने की सूचना दी। इसके बाद, एडीएम और डीएसपी समेत अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू की। लड़कियों की बरामदगी के लिए छापेमारी की जा रही है।

जीरादेई थाना अध्यक्ष सोनी कुमारी ने बताया कि वार्डन रिंकु झा से आवेदन प्राप्त हुआ है और मामले की जांच की जा रही है। फरार लड़कियों की तलाश के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। पुलिस की अलग-अलग टीमें लड़कियों की खोज में जुटी हैं। और जल्द ही मामले का खुलासा होने की उम्मीद है।

शीतला अष्टमी पर बिहार शरीफ के मघड़ा गांव में उमड़ी श्रद्धालुओं की भारी भीड़

नालंदा (एजेंसियां)। बिहार शरीफ के मघड़ा गांव स्थित प्राचीन शीतला मंदिर में शीतला अष्टमी के पावन अवसर पर आज श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा है। चैत्र कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि पर मनाए जाने वाले इस महत्वपूर्ण पर्व पर मंदिर परिसर में तीन दिवसीय मेले का आयोजन किया गया है, जिसमें दूर-दूर से भक्तगण अपनी मनोकामनाएं लेकर पहुंच रहे हैं।

शुक्रवार से ही मंदिर परिसर में श्रद्धाल-ुओं का तांता लगा हुआ है। मां शीतला के दर्शन के लिए लंबी-लंबी कतारें लगी हुई हैं, जहां भक्तगण घंटों इंतजार करते हुए भी अपनी आस्था में डिगे बिना जय माता दी के जयकारे लगाते नजर आ रहे हैं। पूरा क्षेत्र श्रद्धालुओं से गुलजार है और मेला स्थल पर अस्थाई दुकानों पर भी ग्राहकों की भीड़ देखी जा रही है।

शीतला माता को चेचक माता के रूप में भी जाना जाता है। स्थानीय पुजारी प्रभात पांडे के अनुसार, 'मंदिर के पास स्थित शीतल कुंड में स्नान करने और हवन कुंड की भभूत को लगाने मात्र से ही चेचक जैसी बीमारियां और विभिन्न प्रकार के चर्म रोग दूर हो जाते हैं।'

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, शीतला अष्टमी के दिन मां शीतला का पूजन करने से कई प्रकार के दुष्प्रभावों से मुक्ति मिलती है और विशेष रूप से त्वचा संबंधी रोगों से राहत मिलती है।

एक विशेष परंपरा के अनुसार, आज शीतला अष्टमी के दिन मघड़ा गांव सहित आसपास के लगभग एक दर्जन गांवों में चूल्हे नहीं जलाए जाएंगे।

इसके लिए ग्रामीणों ने शुक्रवार, सप्तमी तिथि को ही मीठे कुएं के जल से प्रसाद के रूप में भोजन सामग्री तैयार की है, जिसे आज 'बसियौड़ा' के रूप में ग्रहण किया जाएगा और परिवार के सदस्यों, सगे-संबंधियों तथा मित्रों के साथ बांटा जाएगा। लोकमान्यता है कि इस दिन चूल्हे जलाने से माता को तकलीफ होती है, जिसका अनिष्ट फल भक्तों को मिल सकता है।

मेले में आई एक महिला श्रद्धालु ने अपना अनुभव साझा करते हुए बताया की 'मैंने यहां आकर बेटी का वरदान मांगा था, जिसे मां ने पूरा किया है। यहां आने वाले हर श्रद्धालु की मनोकामना पूरी होती है।'

भारी भीड़ को देखते हुए दीपनगर पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। पूरे परिसर की सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जा रही है। स्थानीय जनप्रतिनिधि वार्ड पार्षद के पति जयंत कुमार भी मेले की व्यवस्था की देखरेख में सक्रिय रूप से लगे हुए हैं। इस वर्ष होली के ठीक आठ दिन बाद शीतला अष्टमी का पर्व मनाया जाता है आन मेले का दूसरा दिन है और कल तक श्रद्धालुओं का आगमन जारी रहेगा।

तनिष्क लूट कांड के अपराधियों और पुलिस के बीच मुठभेड़, कुख्यात चुनमुन ढेर

तीन पुलिसकर्मी भी घायल

पटना (एजेंसियां)। अररिया के नरपतगंज थाना क्षेत्र में पटना एसटीएफ, स्थानीय पुलिस और अपराधियों के बीच मुठभेड़ हुई है। इसमें नरपतगंज थानेदार, एसटीएफ के दो जवान समेत तीन पुलिसकर्मी घायल हुए हैं। वहीं पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दो अपराधी को गोली लगी है। इसमें से एक अपराधी भागने में कामयाब हो रहा। वहीं दूसरे अपराधी (पलासी के मजलिसपुर निवासी चुनमुन झा) को तीन गोली लगी है। उसे अस्पताल में भर्ती करवाया गया। लेकिन, इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। अस्पताल में पुलिसकर्मियों की भीड़ लगी है।

बताया जा रहा है कि पटना एसटीएफ को सूचना मिली कि पूर्णिया में तनिष्क ज्वेलरी शॉप लूटकांड का आरोपी चुनमुन झा अपने गैंग के साथ नरपतगंज में छिपा हुआ है। इस पर एसटीएफ की टीम, स्थानीय पुलिस के सहयोग से, उसे पकड़ने के लिए थलहा नहर के पास पहुंची। जैसे ही पुलिस ने घेराबंदी की, अपराधियों ने फायरिंग शुरू कर दी, जिसके जवाब में पुलिस ने भी गोली चलाई। इस मुठभेड़ में चुनमुन झा को सीने और पैरों में गोली लगी, जिससे वह अचेत होकर गिर गया। वहीं एक और अपराधी को पर में गोली लगी है जो भागने में सफल रहा है। जबकि नरपतगंज थानेदार भी घायल हुए हैं। फिलहाल घायल चुनमुन झा को लेकर पुलिस अररिया सदर अस्पताल पहुंची लेकिन वहां इलाज के दौरान उसे मृत घोषित कर दिया।

26 जुलाई 2024 को दिनदहाड़े पूर्णिया के तनिष्क ज्वे-लरी शॉप में बड़ी लूट हुई थी। कर्मचारियों ने 20 करोड़ के जेवरात लूटे जाने की जानकारी दी थी। कर्मचारियों ने कहा था कि दोपहर करीब 12 बजे ग्राहक बनकर पहले तीन बदमाश फर्स्ट फ्लोर के अलग-अलग काउंटर पर गहना खरीदने के बहाने आए और बैठ गये। फिर उपस्थित महिला कर्मी को गहना दिखाने को कहा।

इसके करीब एक मिनट के अंदर चार और अपराधी ग्राउंड फ्लोर पर पहुंचे। एक ने शोरूम के बाहर मेन गेट पर पोजिशन लिया और बाकी तीन ने एंट्री करते ही पिस्टल तान दी। ड्यूटी पर लगे दोनों गार्ड, 25 स्टाफ और 5 ग्राहकों को अपने कब्जे में ले लिया। बारी-बारी से एक टेबल पर सबको अपना मोबाइल रखने को कहा। फिर अपराधी सभी को लेकर ग्राउंड फ्लोर से फर्स्ट फ्लोर पर ले गए। चालाकी करने पर उन्होंने जान से मारने की धमकी भी दी थी। सभी को गन पॉइंट पर रखा। इसके अपराधी करीब 20 करोड़ रुपये की सोने और हीरे के जेवरात लूटकर ले गए।

इस मामले में पुलिस अधीक्षक उपेंद्र नाथ वर्मा ने बताया था कि तनिष्क ज्वेलरी लूटकांड मामले में शामिल पांच अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया था। इनमें सरसी निवासी सोनू झा को सहरसा और एसटीएफ पुलिस के मदद से गिरफ्तार किया गया है। बिट्टू कुमार पासवान को मुजफ्फरपुर पुलिस और एसटीएफ के सहयोग से गिरफ्तार किया गया था। अकुंश कुमार को एसटीएफ और रोहतास पुलिस के सहयोग से गिरफ्तार किया गया । इल-ाजरत मुख्य सरगना प्रशांत गौरव को पुलिस हिरासत में लेने की सूचना न्यायालय को दी जा रही है। घटना के बाद अपराधियों के रुपये प्राप्त करने वाले शमी आनंद को पटना से गिरफ्तार किया गया।

एक ही परिवार के चार लोगों की सड़क हादसे में मौत

पटना (एजेंसियां)। बिहार के बेतिया जिले में एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक ही परिवार के चार सदस्यों की जान चली गई। यह घटना शुक्रवार रात को बगहा पुलिस जिले के वाल्मीकिनगर थाना क्षेत्र के भेड़ियारी कंपार्ट के पास हुई। सभी लोग इलाज कराकर अपने घर लौट रहे थे। बताया जा रहा है कि हरनाटांड़ की ओर से आ रहा एक ई-रिक्शा अचानक नियंत्रण खो बैठा और सड़क के किनारे खड़े ट्रैक्टर की ट्रॉली में पीछे से टकरा गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि घटना स्थल पर ही ई-रिक्शा में सवार चार लोगों की मौत हो गई। मृतकों में प्रियंका देवी (पति राकेश कुशवाहा), ड्राइवर अमीन महतो (थारू टोला निवासी), रामेश्वर कुशवाहा और सात वर्षीय दिव्यांशु कुमार शामिल हैं। वहीं जानकी देवी गंभीर रूप से घायल हो गई हैं। उन्हें बेहतर उपचार के लिए बगहा अनुमंडल अस्पताल रेफर कर दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही अन्य परिजनों में चित्कार मच गया है।

घटना के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। सूचना मिलने पर 112 की पुलिस टीम, पीटीसी दिलीप कुमार के नेतृत्व में तुरंत घटनास्थल पर पहुंची और सभी घायलों को अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। वहां चिकित्सकों ने चार लोगों को मृत घोषित कर दिया। इस हादसे में जानकी देवी गंभीर रूप से घायल हुई हैं, जिन्हें बेहतर उपचार के लिए बगहा अनुमंडल अस्पताल रेफर किया गया।

बगहा एसपी सुशांत कुमार सरोज ने पुष्टि करते हुए बताया कि सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हुई है। सभी शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए अनुमंडलीय अस्पताल बगहा भेजा गया है। पुलिस मामले में अग्रेतर कार्रवाई करने में जुटी हुई है। इस घटना ने मृतकों के परिवार में गहरा दुख और शोक फैला दिया है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशासन इस मामले को गंभीरता से और आरोपियों की गिरफ्तारी करे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com